**Name: SAMPLE, DOB: 18:12:1973**

**TOB: 01:45:00, PLACE: ballia (India)**

# श्रीगणेशाय नमः

**गणानां त्वां गणपतिं हवामहे कविं कवीनामुपमश्रवस्तमम् ।**
**ज्येष्ठराजं ब्रह्मणां ब्रह्मणस्पत आ नः शृण्वन्नूतिभिः सीद सादनम् ।।**

## नवग्रहस्तोत्र

जपाकुसुमसंकाशं काश्येयं महाद्युतिम्। तमोऽरिं सर्वपापघ्नं प्रणतोऽस्मि दिवाकरम्।।
दधिशंखतुषाराभं क्षीरोदार्णवसम्भवम्। नमामि शशिनं सोमं शम्भोर्मुकुटभूषणम्।।
धरणीगर्भसम्भूतं विद्युत्कान्तिसमप्रभम्। कुमारं शक्तिहस्तं तं मंगलं प्रणमाम्यहम्।।
प्रियंगुकलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम्। सौम्यं सौम्यगुणोपेतं तं बुधं प्रणमाम्यहम्।।
देवानां च ऋषिणां च गुरुं कांचनसंनिभम्। बुद्धिभूतं त्रिलोकेशं तं नमामि बृहस्पतिम्।।
हिमकुन्दमृणालाभं दैत्यानां परमं गुरुम्। सर्वशास्त्रप्रवक्तारं भार्गवं प्रणमाम्यहम्।।
नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम्। छायामार्तण्डसम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम्।।
अर्धकायं महावीर्यं चन्द्रादित्यविमर्दनम्। सिंहिकागर्भसम्भूतं तं राहुं प्रणमाम्यहम्।।
पलाशपुष्पसंकाशं तारकाग्रहमस्तकम्। रौद्रं रौद्रात्मकं घोरं तं केतुं प्रणमाम्यहम्।।

## फलश्रुति

इति व्यासमुखोद्गीतं यः पठेत् सुसमाहितः।
दिवा वा यदि वा रात्रौ विघ्नशान्तिर्भविष्यति।
नरनारीनृपाणां च भवेद्दुःस्वप्ननाशम्।
ऐश्वर्यमतुलं तेषामारोग्यं पुष्टिवर्धनम्।।
ग्रहनक्षत्रजाः पीडस्तस्कराग्निसमुद्रवाः ।
ताः सर्वाः प्रशमं यान्ति व्यासो ब्रूते न संशयः ।।

**इति श्री व्यासविरचितं आदित्यादिनवग्रहस्तोत्रं संपूर्णम् ।।**

जो जपापुष्प के समान अरुणिम आभावाले, महान तेज से संपन्न, अंधकार के विनाशक, सभी पापों को दूर करने वाले तथा महर्षि कश्यप के पुत्र हैं, उन सूर्य को मैं प्रणाम करता हूं। जो दधि, शंख तथा हिम के समान आभा वाले, क्षीर समुद्र से प्रादुर्भूत, भगवान शंकर के शिरोभूषण तथा अमृतस्वरुप हैं, उन चंद्रमा को मैं नमस्कार करता हूं। जो पृथ्वी देवी से उद्भूत, विद्युत् की कान्ति के समान प्रभावाले, कुमारावस्था वाले तथा हाथ में शक्ति लिए हुए हैं, उन मंगल को मैं प्रणाम करता हूं। जो प्रियंगु लता की कली के समान गहरे हरित वर्ण वाले, अतुलनीय सौन्दर्य वाले तथा सौम्य गुण से संपन्न हैं, उन चंद्रमा के पुत्र बुध को मैं प्रणाम करता हूं। जो देवताओं और ऋषियों के गुरु हैं, स्वर्णिम आभा वाले हैं, ज्ञान से संपन्न हैं तथा लोकों के स्वामी हैं, उन बृहस्पति जी को मैं नमस्कार करता हूं। जो हिम, कुन्दपुष्प तथा कमलनाल के तन्तु के समान श्वेत आभा वाले, दैत्यों के परम गुरु, सभी शास्त्रों के उपदेष्टा तथा महर्षि भृगु के पुत्र हैं, उन शुक्र को मैं प्रणाम करता हूं। जो नीले कज्जल के समान आभा वाले, सूर्य के पुत्र, यमराज के ज्येष्ठ भ्राता तथा सूर्य पत्नी छाया तथा मार्तण्ड से उत्पन्न हैं, उन शनैश्चर को मैं नमस्कार करता हूं। जो आधे शरीर वाले हैं, महान पराक्रम से संपन्न हैं, सूर्य तथा चंद्र को ग्रसने वाले हैं तथा सिंहिका के गर्भ से उत्पन्न हैं, उन राहु को मैं प्रणाम करता हूं। पलाश पुष्प के समान जिनकी आभा है, जो रुद्र स्वभाव वाले और रुद्र के पुत्र हैं, भयंकर हैं, तारकादि ग्रहों में प्रधान हैं, उन केतु को मैं प्रणाम करता हूं। भगवान वेदव्यास जी के मुख से प्रकट इस स्तुति का जो दिन में अथवा रात में एकाग्रचित्त होकर पाठ करता है, उसके समस्त विघ्न शान्त हो जाते हैं, स्त्री–पुरुष और राजाओं के दुःस्वप्नों का नाश हो जाता है। पाठ करने वालों को अतुलनीय ऐश्वर्य और आरोग्य प्राप्त होता है तथा उनके पुष्टि की वृद्धि होती है।

# ज्योतिष सारिणी

## मुख्य विवरण

| | |
|---|---|
| जन्म दिनाकं | 18:12:1973(मंगलवार) |
| जन्म समय | 01:45:00 |
| जन्म स्थान | ballia |
| अक्षांश | 025:45:00N |
| रेखांश | 084:10:00E |
| यु./ग्रीष्म समय संस्कार | -00:00 |
| जी. एम. टी. समय | 020:15:00 |
| स्थानीय समय | 001:51:40 hrs |
| सांपातिक काल | 007:36:54 hrs |
| स्थानीय समय संस्कार | 000:06:40 |
| अयनांश | N.C.Lahiri(023:29:36) |
| सूर्योदय | 06:37:05AM |
| सूर्यास्त | 05:03:04PM |
| विक्रम संवत | 2030 |
| शक संवत | 1895 |
| संवत्सर | प्रमादी |
| संवत्सर अधिपति | इन्द्राग्नि |

## घात चक्र

| | |
|---|---|
| राशि (सूर्य) | कुम्भ |
| मास | फाल्गुन |
| तिथि | 5,10,15 |
| वार | शुक्रवार |
| नक्षत्र | अश्लेषा |
| प्रहर | 4 |
| लग्न | सिहं |
| सूर्य सिद्धान्त योग | वज्र |
| करण | चतुश्पद |

## अवकहड़ा चक्र

| | |
|---|---|
| लग्न | कन्या |
| लग्नाधिपति | बुध |
| राशि (चन्द्रमा) | कन्या |
| राशिपति | बुध |
| नक्षत्र | हस्ता |
| नक्षत्रपति | चन्द्रमा |
| नक्षत्र चरण | 2 |
| ऋतु | बसन्त |
| मास | चैत्र |
| पक्ष | कृष्ण |
| तिथि | नवमी |
| तिथि श्रेणी | रिक्ता |
| तिथि पति | सूर्य |
| करण | गरिज |
| करण श्रेणी | चर |
| करणपति | वासुदेव |
| गण | देव |
| योनि | हस्त (स्त्री) |
| वर्ण | वैश्य |
| सूर्य सिद्धान्त योग | सौभाग्य |
| रज्जु | कंठ |
| वश्य | द्विपद |
| तत्व | अग्नि |
| विहग | वायस |
| तत्वाधिपति | मंगल |
| नाड़ी | आदि |
| नाड़ी पद | मध्य |
| वेध | शतभिषा |
| आद्याक्षर | Shaa |
| पाया | स्वर्ण |

# ग्रह स्थिती

## लग्न कुण्डली

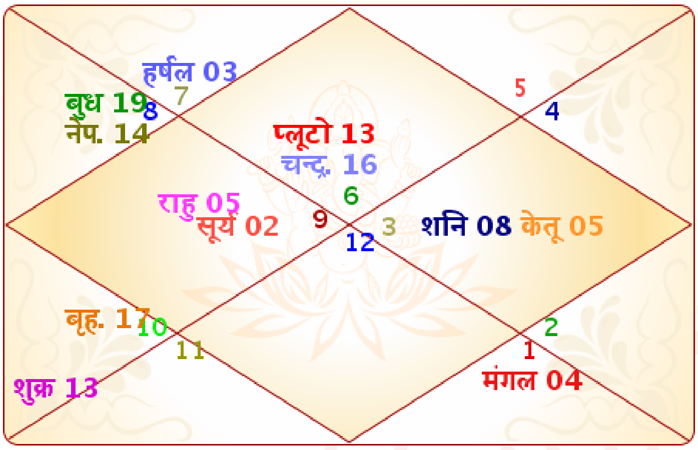


## नवांमश कुण्डली

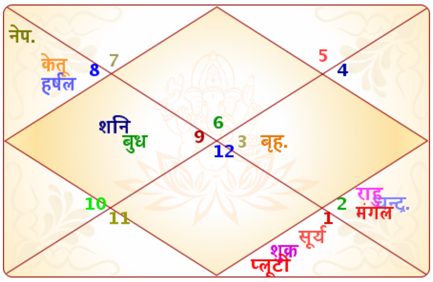


## चन्द्र कुण्डली

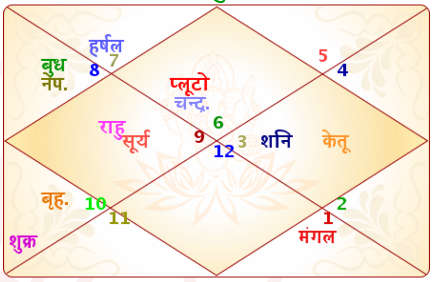


## ग्रह स्थिती

| ग्रह | राशि | अंश | गति | रा. पति | नक्षत्र | च. | न | न. पति | नवांश | नव. पति | विशेष |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | कन्या | 28:15:29 | .. | बुध | चित्रा | 2 | 14 | मंगल | कन्या | बुध | |
| सूर्य | धनु | 02:15:49 | 01:01:04 | बृहस्पति | मूला | 1 | 19 | केतु | मेष | मंगल | मित्र राशि |
| चन्द्रमा | कन्या | 16:00:57 | 13:01:33 | बुध | हस्ता | 2 | 13 | चन्द्रमा | वृष | शुक्र | स्व नक्षत्र |
| मंगल | मेष | 04:42:17 | 00:14:54 | मंगल | अश्विनी | 2 | 1 | केतु | वृष | शुक्र | स्व राशि |
| बुध (ग्र.) | वृश्चिक | 19:51:24 | 01:31:14 | मंगल | ज्येष्ठा | 1 | 18 | बुध | धनु | बृहस्पति | स्व नक्षत्र |
| बृहस्पति | मकर | 17:56:39 | 00:12:02 | शनि | श्रवण | 3 | 22 | चन्द्रमा | मिथुन | बुध | नीच राशि |
| शुक्र | मकर | 13:00:16 | 00:32:45 | शनि | श्रवण | 1 | 22 | चन्द्रमा | मेष | मंगल | मित्र राशि |
| शनि (व.) | मिथुन | 08:12:33 | 00:04:55 | बुध | अरिद्रा | 1 | 6 | राहु | धनु | बृहस्पति | मित्र राशि |
| राहु (व.) | धनु | 05:10:35 | 00:03:10 | बृहस्पति | मूला | 2 | 19 | केतु | वृष | शुक्र | सम राशि |
| केतु (व.) | मिथुन | 05:10:35 | 00:03:10 | बुध | मृगशिर | 4 | 5 | मंगल | वृश्चिक | मंगल | सम राशि |
| हर्षल | तुला | 03:20:59 | 00:02:22 | शुक्र | चित्रा | 4 | 14 | मंगल | वृश्चिक | मंगल | ... |
| नेपच्यून | वृश्चिक | 14:20:40 | 00:02:10 | मंगल | अनुराधा | 4 | 17 | शनि | वृश्चिक | मंगल | ... |
| प्लूटो | कन्या | 13:11:14 | 00:00:46 | बुध | हस्ता | 1 | 13 | चन्द्रमा | मेष | मंगल | ... |

## ग्रह से भाव (भाव मध्य) के बीच की दूरी

| | लग्न | सूर्य | चन्द्रमा | मंगल | बुध | बृहस्पति | शुक्र | शनि | राहु | केतु | हर्षल | नेपच्यून | प्लूटो |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | .. | 64 | 348 | 186 | 52 | 110 | 105 | 250 | 67 | 247 | 5 | 46 | 345 |
| सूर्य | 296 | .. | 284 | 122 | 348 | 46 | 41 | 186 | 3 | 183 | 301 | 342 | 281 |
| चन्द्रमा | 12 | 76 | .. | 199 | 64 | 122 | 117 | 262 | 79 | 259 | 17 | 58 | 357 |
| मंगल | 174 | 238 | 161 | .. | 225 | 283 | 278 | 64 | 240 | 60 | 179 | 220 | 158 |
| बुध | 308 | 12 | 296 | 135 | .. | 58 | 53 | 198 | 15 | 195 | 313 | 354 | 293 |
| बृहस्पति | 250 | 314 | 238 | 77 | 302 | .. | 355 | 140 | 317 | 137 | 255 | 296 | 235 |
| शुक्र | 255 | 319 | 243 | 82 | 307 | 5 | .. | 145 | 322 | 142 | 260 | 301 | 240 |
| शनि | 110 | 174 | 98 | 296 | 162 | 220 | 215 | .. | 177 | 357 | 115 | 156 | 95 |
| राहु | 293 | 357 | 281 | 120 | 345 | 43 | 38 | 183 | .. | 180 | 298 | 339 | 278 |
| केतु | 113 | 177 | 101 | 300 | 165 | 223 | 218 | 3 | 180 | .. | 118 | 159 | 98 |
| हर्षल | 355 | 59 | 343 | 181 | 47 | 105 | 100 | 245 | 62 | 242 | .. | 41 | 340 |
| नेपच्यून | 314 | 18 | 302 | 140 | 6 | 64 | 59 | 204 | 21 | 201 | 319 | .. | 299 |
| प्लूटो | 15 | 79 | 3 | 202 | 67 | 125 | 120 | 265 | 82 | 262 | 20 | 61 | .. |

# भाव स्फूट और कुण्डली

लग्न कुण्डली

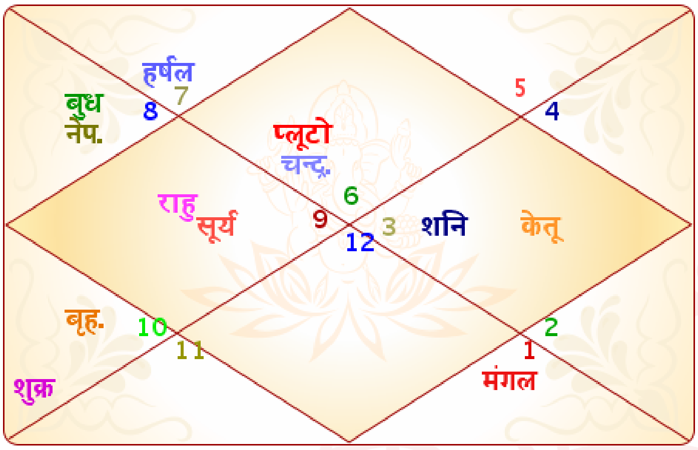


भाव कुण्डली

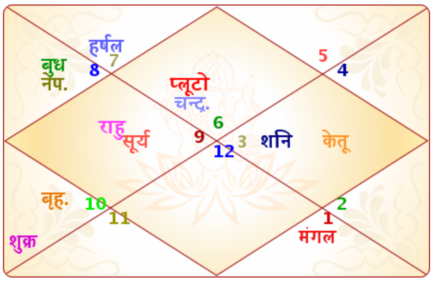


भाव चलित कुण्डली

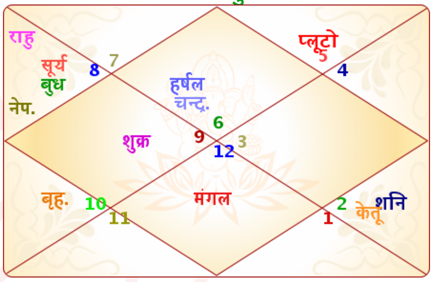


| भाव सख्या | भाव मध्य | | भाव विस्तार (आरम्भ——अन्त) | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | कन्या | 28:15:29 | कन्या | 13:22:18 | तुला | 13:22:18 |
| 2 | तुला | 28:29:08 | तुला | 13:22:18 | वृश्चिक | 13:35:58 |
| 3 | वृश्चिक | 28:42:47 | वृश्चिक | 13:35:58 | धनु | 13:49:37 |
| 4 | धनु | 28:56:27 | धनु | 13:49:37 | मकर | 13:49:37 |
| 5 | मकर | 28:42:47 | मकर | 13:49:37 | कुम्भ | 13:35:58 |
| 6 | कुम्भ | 28:29:08 | कुम्भ | 13:35:58 | मीन | 13:22:18 |
| 7 | मीन | 28:15:29 | मीन | 13:22:18 | मेष | 13:22:18 |
| 8 | मेष | 28:29:08 | मेष | 13:22:18 | वृष | 13:35:58 |
| 9 | वृष | 28:42:47 | वृष | 13:35:58 | मिथुन | 13:49:37 |
| 10 | मिथुन | 28:56:27 | मिथुन | 13:49:37 | कर्क | 13:49:37 |
| 11 | कर्क | 28:42:47 | कर्क | 13:49:37 | सिहं | 13:35:58 |
| 12 | सिहं | 28:29:08 | सिहं | 13:35:58 | कन्या | 13:22:18 |

## ग्रह से भाव (भाव मध्य) के बीच की दूरी

| भाव | सूर्य | चन्द्रमा | मंगल | बुध | बृहस्पति | शुक्र | शनि | राहु | केतु | हर्षल | नेपच्यून | प्लूटो |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| I | 64 | 348 | 186 | 52 | 110 | 105 | 250 | 67 | 247 | 5 | 46 | 345 |
| II | 34 | 318 | 156 | 21 | 79 | 75 | 220 | 37 | 217 | 335 | 16 | 315 |
| III | 4 | 287 | 126 | 351 | 49 | 44 | 189 | 6 | 186 | 305 | 346 | 284 |
| IV | 333 | 257 | 96 | 321 | 19 | 14 | 159 | 336 | 156 | 274 | 315 | 254 |
| V | 304 | 227 | 66 | 291 | 349 | 344 | 129 | 306 | 126 | 245 | 286 | 224 |
| VI | 274 | 198 | 36 | 261 | 319 | 315 | 100 | 277 | 97 | 215 | 256 | 195 |
| VII | 244 | 168 | 6 | 232 | 290 | 285 | 70 | 247 | 67 | 185 | 226 | 165 |
| VIII | 214 | 138 | 336 | 201 | 259 | 255 | 40 | 217 | 37 | 155 | 196 | 135 |
| IX | 184 | 107 | 306 | 171 | 229 | 224 | 9 | 186 | 6 | 125 | 166 | 104 |
| X | 153 | 77 | 276 | 141 | 199 | 194 | 339 | 156 | 336 | 94 | 135 | 74 |
| XI | 124 | 47 | 246 | 111 | 169 | 164 | 309 | 126 | 306 | 65 | 106 | 44 |
| XII | 94 | 18 | 216 | 81 | 139 | 135 | 280 | 97 | 277 | 35 | 76 | 15 |

# षोडश वर्ग कुण्डली

## होरा कुण्डली

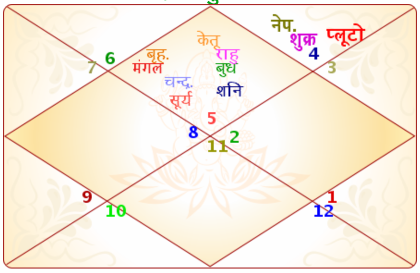


धन दौलत के लिए

## द्रेष्काण कुण्डली

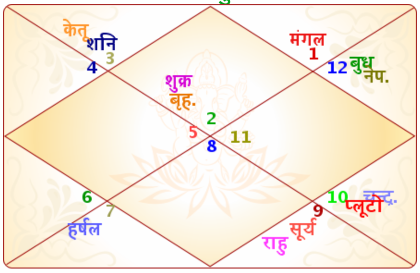


सहोदरों का जीवन और स्वास्थ्य

## चतुर्थांश कुण्डली

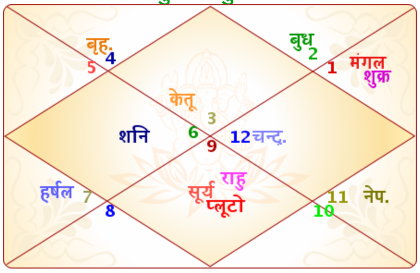


भाग्य और रिहायशी मकान

## सप्तमांश कुण्डली

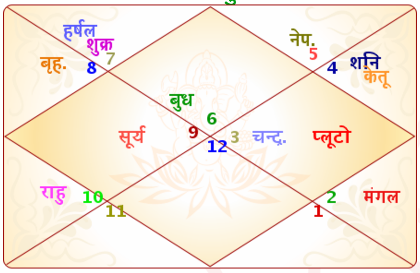


संतान और उनकी संतान

## नवांश कुण्डली

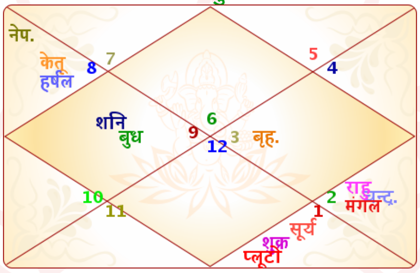


जीवनसाथी और उनका स्वास्थ्य

## दसमांश कुण्डली

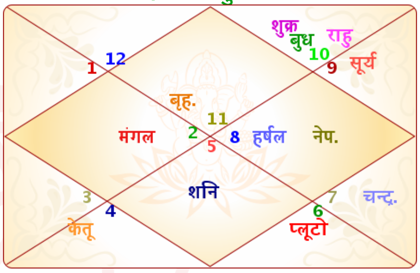


कारोबार और किसी भी कार्य में सफलता

## द्वादशांश कुण्डली

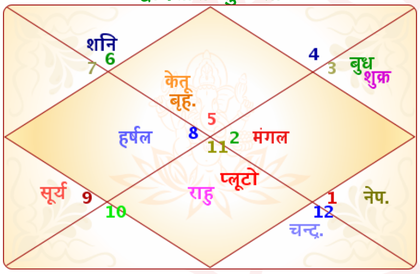


माता पिता का जीवन और उनका स्वास्थ्य

## षोडशांश कुण्डली

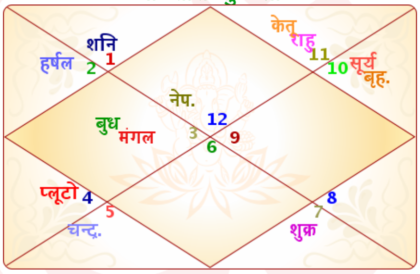


वाहन से संबंधित बातें

## विशांश कुण्डली

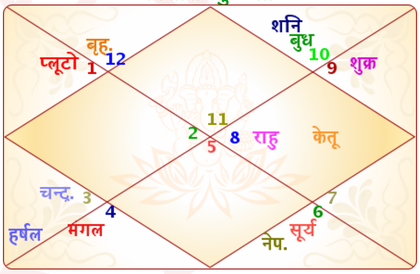


आध्यात्मिक रूझान

## चर्तुविशांश कुण्डली

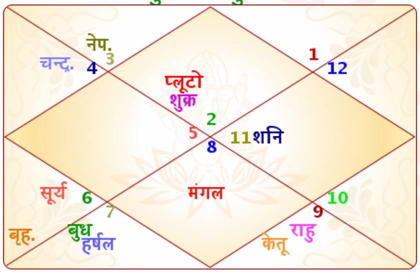


शिक्षा, ज्ञान और समझ

## सप्तविशांश कुण्डली

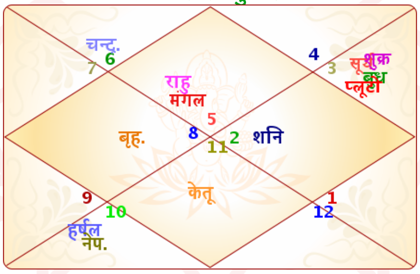


ताकत और दुर्बलता

## त्रिशांश कुण्डली

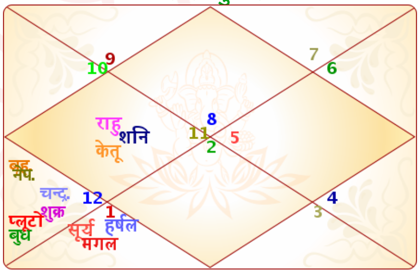


दरिद्रता, कठिनाईयाँ और दुर्गति

## खवेदांश कुण्डली

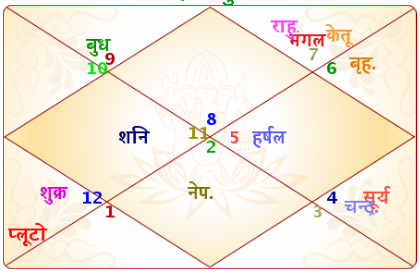


शुभ अशुभ घटनाँए

## अक्षवेदांश कुण्डली

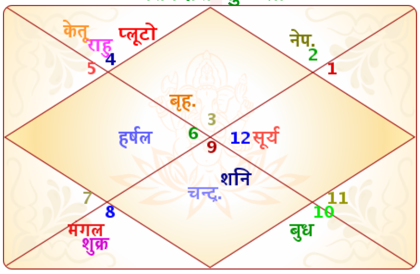


सभी मुद्दों के लिए

## षष्टांश कुण्डली

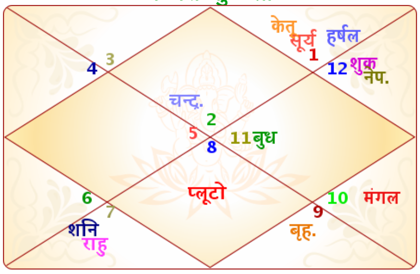


सभी मुद्दों के लिए

# मैत्री चक्र

## नैसर्गिक मैत्री

| ग्रह | सूर्य | चन्द्रमा | मंगल | बुध | बृहस्पति | शुक्र | शनि | राहु | केतु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य | ---- | मित्र | मित्र | सम | मित्र | शत्रु | शत्रु | शत्रु | शत्रु |
| चन्द्रमा | मित्र | ---- | सम | मित्र | सम | सम | सम | शत्रु | शत्रु |
| मंगल | मित्र | मित्र | ---- | शत्रु | मित्र | सम | सम | शत्रु | मित्र |
| बुध | मित्र | शत्रु | सम | ---- | सम | मित्र | सम | सम | सम |
| बृहस्पति | मित्र | मित्र | मित्र | शत्रु | ---- | शत्रु | सम | मित्र | सम |
| शुक्र | शत्रु | शत्रु | सम | मित्र | सम | ---- | मित्र | मित्र | मित्र |
| शनि | शत्रु | शत्रु | शत्रु | मित्र | सम | मित्र | ---- | मित्र | मित्र |
| राहु | शत्रु | शत्रु | शत्रु | सम | मित्र | मित्र | मित्र | ---- | सम |
| केतु | शत्रु | शत्रु | मित्र | सम | सम | मित्र | मित्र | सम | ---- |

## तत्कालिक मैत्री

| ग्रह | सूर्य | चन्द्रमा | मंगल | बुध | बृहस्पति | शुक्र | शनि | राहु | केतु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य | ---- | मित्र | शत्रु | मित्र | मित्र | मित्र | शत्रु | शत्रु | शत्रु |
| चन्द्रमा | मित्र | ---- | शत्रु | मित्र | शत्रु | शत्रु | मित्र | मित्र | मित्र |
| मंगल | शत्रु | शत्रु | ---- | शत्रु | मित्र | मित्र | मित्र | शत्रु | मित्र |
| बुध | मित्र | मित्र | शत्रु | ---- | मित्र | मित्र | शत्रु | मित्र | शत्रु |
| बृहस्पति | मित्र | शत्रु | मित्र | मित्र | ---- | शत्रु | शत्रु | मित्र | शत्रु |
| शुक्र | मित्र | शत्रु | मित्र | मित्र | शत्रु | ---- | शत्रु | मित्र | शत्रु |
| शनि | शत्रु | मित्र | मित्र | शत्रु | शत्रु | शत्रु | ---- | शत्रु | शत्रु |
| राहु | शत्रु | मित्र | शत्रु | मित्र | मित्र | मित्र | शत्रु | ---- | शत्रु |
| केतु | शत्रु | मित्र | मित्र | शत्रु | शत्रु | शत्रु | शत्रु | शत्रु | ---- |

## पंचधा मैत्री

| ग्रह | सूर्य | चन्द्रमा | मंगल | बुध | बृहस्पति | शुक्र | शनि | राहु | केतु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य | ---- | अधिमित्र | सम | मित्र | अधिमित्र | सम | अधिशत्रु | अधिशत्रु | अधिशत्रु |
| चन्द्रमा | अधिमित्र | ---- | शत्रु | अधिमित्र | शत्रु | शत्रु | मित्र | सम | सम |
| मंगल | सम | सम | ---- | अधिशत्रु | अधिमित्र | मित्र | मित्र | अधिशत्रु | अधिमित्र |
| बुध | अधिमित्र | सम | शत्रु | ---- | मित्र | अधिमित्र | शत्रु | मित्र | शत्रु |
| बृहस्पति | अधिमित्र | सम | अधिमित्र | सम | ---- | अधिशत्रु | शत्रु | अधिमित्र | शत्रु |
| शुक्र | सम | अधिशत्रु | मित्र | अधिमित्र | शत्रु | ---- | सम | अधिमित्र | सम |
| शनि | अधिशत्रु | सम | सम | सम | शत्रु | सम | ---- | सम | सम |
| राहु | अधिशत्रु | सम | अधिशत्रु | मित्र | अधिमित्र | अधिमित्र | सम | ---- | शत्रु |
| केतु | अधिशत्रु | सम | अधिमित्र | शत्रु | शत्रु | सम | सम | शत्रु | ---- |

# अष्टकवर्ग सारिणि

### शनि भिन्नाष्टक वर्ग

| राशि | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| भाव | VIII | IX | X | XI | XII | I | II | III | IV | V | VI | VII | |
| शनि | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 4 |
| बृहस्पति | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 4 |
| मंगल | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 6 |
| सूय | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 7 |
| शुक्र | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 3 |
| बुध | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 6 |
| चन्द्रमा | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 3 |
| लग्न | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 6 |
| योग | 2 | 1 | 6 | 4 | 3 | 4 | 3 | 5 | 4 | 2 | 3 | 2 | 39 |

### बृहस्पति भिन्नाष्टक वर्ग

| राशि | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| भाव | VIII | IX | X | XI | XII | I | II | III | IV | V | VI | VII | |
| शनि | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 4 |
| बृहस्पति | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 8 |
| मंगल | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 7 |
| सूय | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 9 |
| शुक्र | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 6 |
| बुध | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 8 |
| चन्द्रमा | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 5 |
| लग्न | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 9 |
| योग | 3 | 5 | 3 | 6 | 4 | 4 | 7 | 5 | 3 | 5 | 6 | 5 | 56 |

### मंगल भिन्नाष्टक वर्ग

| राशि | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| भाव | VIII | IX | X | XI | XII | I | II | III | IV | V | VI | VII | |
| शनि | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 7 |
| बृहस्पति | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 4 |
| मंगल | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 7 |
| सूय | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 5 |
| शुक्र | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 4 |
| बुध | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 4 |
| चन्द्रमा | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 3 |
| लग्न | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 5 |
| योग | 4 | 2 | 4 | 3 | 1 | 4 | 3 | 5 | 3 | 3 | 5 | 2 | 39 |

### सूर्य भिन्नाष्टक वर्ग

| राशि | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| भाव | VIII | IX | X | XI | XII | I | II | III | IV | V | VI | VII | |
| शनि | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 8 |
| बृहस्पति | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 4 |
| मंगल | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 8 |
| सूय | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 8 |
| शुक्र | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 3 |
| बुध | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 7 |
| चन्द्रमा | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 4 |
| लग्न | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 6 |
| योग | 3 | 2 | 6 | 7 | 3 | 4 | 3 | 4 | 5 | 4 | 4 | 3 | 48 |

### शुक्र भिन्नाष्टक वर्ग

| राशि | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| भाव | VIII | IX | X | XI | XII | I | II | III | IV | V | VI | VII | |
| शनि | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 7 |
| बृहस्पति | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 5 |
| मंगल | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 6 |
| सूय | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 3 |
| शुक्र | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 9 |
| बुध | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 5 |
| चन्द्रमा | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 9 |
| लग्न | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 8 |
| योग | 5 | 4 | 1 | 4 | 5 | 7 | 6 | 5 | 3 | 5 | 3 | 4 | 52 |

### बुध भिन्नाष्टक वर्ग

| राशि | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| भाव | VIII | IX | X | XI | XII | I | II | III | IV | V | VI | VII | |
| शनि | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 8 |
| बृहस्पति | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 4 |
| मंगल | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 8 |
| सूय | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 5 |
| शुक्र | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 8 |
| बुध | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 8 |
| चन्द्रमा | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 6 |
| लग्न | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 7 |
| योग | 7 | 3 | 4 | 5 | 4 | 4 | 5 | 5 | 5 | 4 | 5 | 3 | 54 |

### चन्द्रमा भिन्नाष्टक वर्ग

| राशि | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| भाव | VIII | IX | X | XI | XII | I | II | III | IV | V | VI | VII | |
| शनि | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 4 |
| बृहस्पति | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 7 |
| मंगल | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 7 |
| सूय | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 6 |
| शुक्र | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 7 |

### लग्न भिन्नाष्टक वग

| राशि | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| भाव | VIII | IX | X | XI | XII | I | II | III | IV | V | VI | VII | |
| शनि | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 6 |
| बृहस्पति | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 9 |
| मंगल | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 5 |
| सूय | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 6 |
| शुक्र | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 7 |

| | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बुध | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 8 |
| चन्द्रमा | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 6 |
| लग्न | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 4 |
| योग | 3 | 4 | 5 | 5 | 4 | 5 | 4 | 6 | 2 | 3 | 5 | 3 | 49 |

| | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बुध | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 7 |
| चन्द्रमा | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 5 |
| लग्न | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 4 |
| योग | 5 | 3 | 6 | 3 | 4 | 6 | 2 | 6 | 1 | 3 | 7 | 3 | 49 |

| राहु भिन्नाष्टक वर्ग | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| राशि | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | |
| भाव | **VIII** | **IX** | **X** | **XI** | **XII** | **I** | **II** | **III** | **IV** | **V** | **VI** | **VII** | |
| शनि | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 6 |
| बृहस्पति | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 5 |
| मंगल | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 5 |
| सूय | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 7 |
| शुक्र | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 4 |
| बुध | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 5 |
| चन्द्रमा | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 7 |
| लग्न | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 5 |
| योग | 4 | 5 | 6 | 2 | 4 | 2 | 3 | 3 | 5 | 4 | 2 | 4 | 44 |

| कक्ष बल | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| राशि | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | |
| भाव | **VIII** | **IX** | **X** | **XI** | **XII** | **I** | **II** | **III** | **IV** | **V** | **VI** | **VII** | |
| शनि | 7 | 1 | 4 | 2 | 5 | 5 | 4 | 4 | 3 | 4 | 4 | 5 | 48 |
| बृहस्पति | 3 | 4 | 5 | 3 | 4 | 3 | 5 | 8 | 4 | 3 | 2 | 1 | 45 |
| मंगल | 5 | 5 | 4 | 4 | 3 | 4 | 4 | 4 | 4 | 7 | 8 | 2 | 54 |
| सूय | 2 | 4 | 4 | 5 | 3 | 6 | 8 | 3 | 3 | 3 | 4 | 4 | 49 |
| शुक्र | 4 | 5 | 4 | 2 | 4 | 5 | 3 | 6 | 3 | 3 | 4 | 4 | 47 |
| बुध | 7 | 1 | 3 | 5 | 6 | 8 | 3 | 4 | 2 | 5 | 3 | 6 | 53 |
| चन्द्रमा | 2 | 2 | 4 | 8 | 2 | 2 | 3 | 6 | 2 | 2 | 6 | 2 | 41 |
| लग्न | 2 | 2 | 7 | 8 | 1 | 5 | 3 | 6 | 5 | 2 | 7 | 1 | 49 |
| योग | 32 | 24 | 35 | 37 | 28 | 38 | 33 | 41 | 26 | 29 | 38 | 25 | 386 |

# सर्वाष्टक वर्ग से निष्कर्ष

## सर्वाष्टक वर्ग

| राशि | मेष | वृष | मिथुन | कर्क | सिहं | कन्या | तुला | वृश्चिक | धनु | मकर | कुम्भ | मीन | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| भाव | I | II | III | IV | V | VI | VII | VIII | IX | X | XI | XII | |
| शनि | 2 | 1 | 6 | 4 | 3 | 4 | 3 | 5 | 4 | 2 | 3 | 2 | 39 |
| बृहस्पति | 3 | 5 | 3 | 6 | 4 | 4 | 7 | 5 | 3 | 5 | 6 | 5 | 56 |
| मंगल | 4 | 2 | 4 | 3 | 1 | 4 | 3 | 5 | 3 | 3 | 5 | 2 | 39 |
| सूर्य | 3 | 2 | 6 | 7 | 3 | 4 | 3 | 4 | 5 | 4 | 4 | 3 | 48 |
| शुक | 5 | 4 | 1 | 4 | 5 | 7 | 6 | 5 | 3 | 5 | 3 | 4 | 52 |
| बुध | 7 | 3 | 4 | 5 | 4 | 4 | 5 | 5 | 5 | 4 | 5 | 3 | 54 |
| चन्द्रमा | 3 | 4 | 5 | 5 | 4 | 5 | 4 | 6 | 2 | 3 | 5 | 3 | 49 |
| योग | 27 | 21 | 29 | 34 | 24 | 32 | 31 | 35 | 25 | 26 | 31 | 22 | 337 |
| लग्न | 5 | 3 | 6 | 3 | 4 | 6 | 2 | 6 | 1 | 3 | 7 | 3 | 49 |
| राहु | 4 | 5 | 6 | 2 | 4 | 2 | 3 | 3 | 5 | 4 | 2 | 4 | 44 |

## तत्व चक्र

| स व बिन्दु | पूर्णांक | प्राप्ति | शुभ दिशा |
|---|---|---|---|
| अग्नि त्रिकोन | 84.25 | 76 | पूर्व |
| पृथ्वी त्रिकोन | 84.25 | 79 | दक्षिण |
| वाय त्रिकोन | 84.25 | 91 | पश्चिम |
| जल त्रिकोन | 84.25 | 91 | उत्तर |

विशेष – सबसे ज्यादा बिन्दु सबसे शुभ दिशा को इंगित करता है (पू द प और उ) अगर दोनों भागों की संख्या बराबर या आसपास हैं तो शुभ दिशा (उ पू दपू उ प और पद) होगी।

## भुवन चक

| स व बिन्दु | पूर्णांक | प्राप्ति | निष्कर्ष |
|---|---|---|---|
| केन्द्र भाव राशि | 112.33 | 108 | मेहनत और लगन |
| पनफरा भाव राशि | 112.33 | 118 | आर्थिक स्थिति |
| अपक्लिम भाव राशि त्रिकोन | 112.33 | 111 | वित्त हानि |

## दिशा चक्र

| भाग | स व बिन्दु | पूर्णांक | प्राप्ति | निष्कर्ष |
|---|---|---|---|---|
| बन्धुक | भाग्य त्रिकोन | 112.33 | 79 | बन्धु बान्धवों से सहायता |
| सेवक | कर्म त्रिकोण | 112.33 | 91 | नौकरी से अर्जन |
| पोषक | लाभ त्रिकोन | 112.33 | 91 | लाभ और धन |
| घातक | व्यय त्रिकोन | 112.33 | 76 | दुर्भाग्य और हानि |

# सुदर्शन चक्र

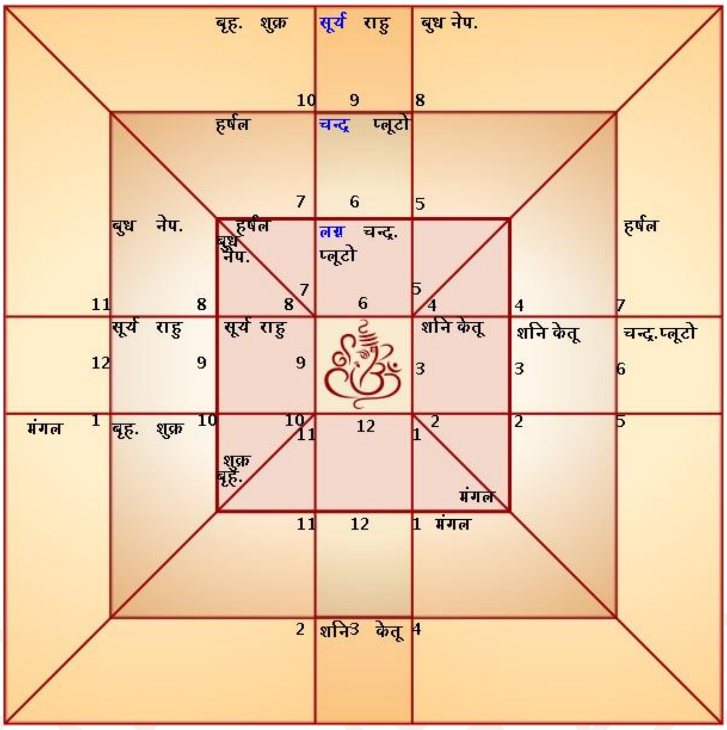


सुदर्शन चक्र शुभ और अशुभ ग्रहों के प्रभाव को दर्शाता है यह (i) लग्न (ii) चन्द्रमा और (iii)सूर्य की स्थिति से इन प्रभावों को देखता है। यह जातक की उम्र को भी दर्शाता है कि कब ये प्रभाव जातक पर पड़गें।

यदि केवल शुभ ग्रहों (वृहस्पति, शुक्र वुध, चन्द्रमा) का प्रभाव है तो पूरा साल खुशीयो से भरा होगा और मांगलिक कार्य होगें। यदि केवल अशुभ ग्रहों (मंगल, शनि, राहु, केतू, सुर्य) का प्रभाव है तो यह साल अमंगलकारी होगा।

# जैमिनी लग्न कुण्डली

## नवांश कुण्डली

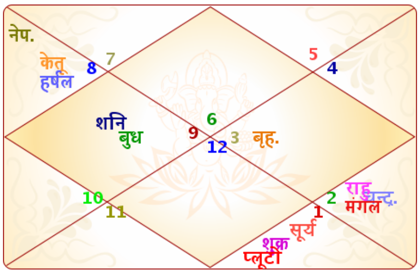


## नवांश कुण्डली (कृष्ण मिश्र)

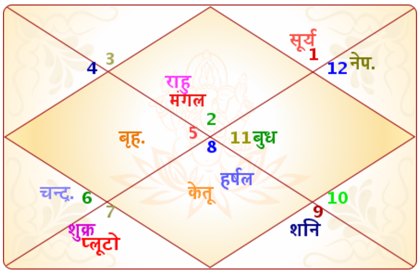


## काराकांश कुण्डली (राशि)

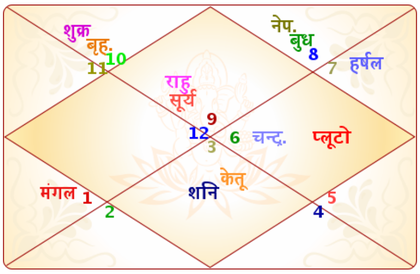


## द्रेष्काण लग्न (प्र.त्रा.) कुण्डली

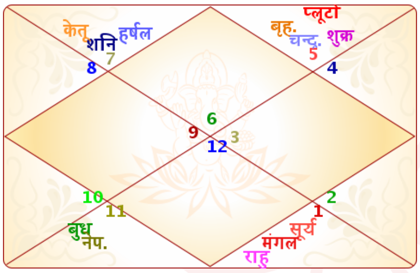


## द्रेष्काण लग्न (सोमनाथ) कुण्डली

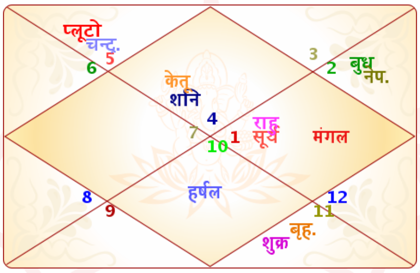


## आरूढ़ लग्न कुण्डली

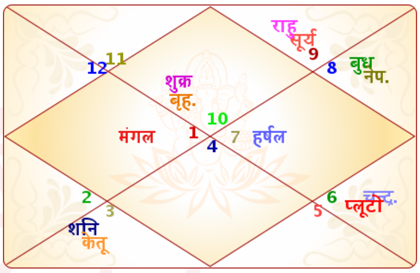


## उपपद लग्न कुण्डली

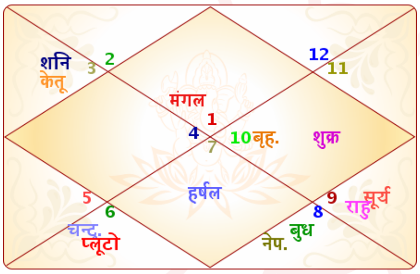


## होरा लग्न (वृद्धि करिका) कुण्डली

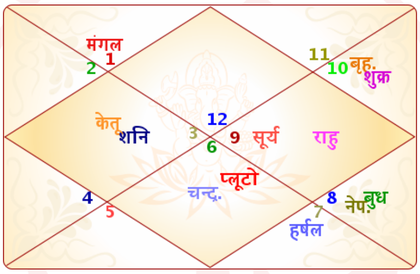


## होरा लग्न (सवाया) कुण्डली

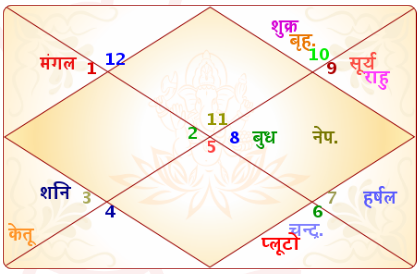


## आयुर लग्न कुण्डली

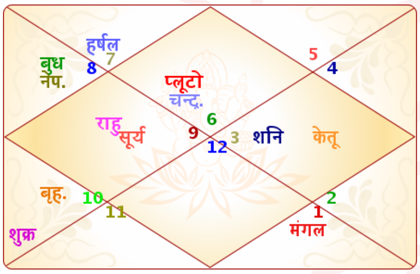


## पका लग्न कुण्डली

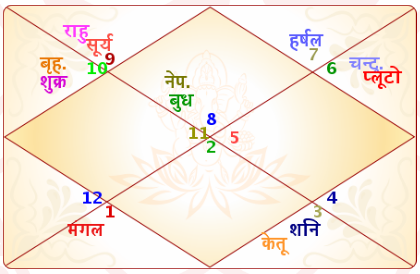


## इन्दु लग्न कुण्डली

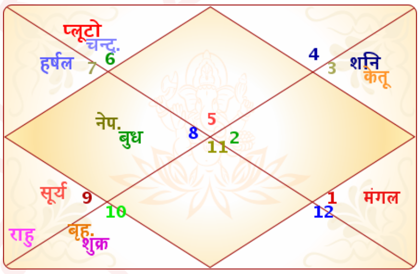


## दिव्य लग्न कुण्डली

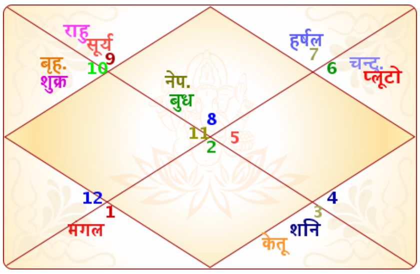


## तारा लग्न कुण्डली

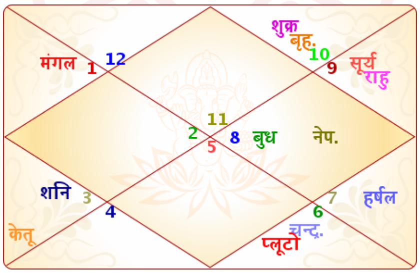


## त्रिप्रवन लग्न कुण्डली

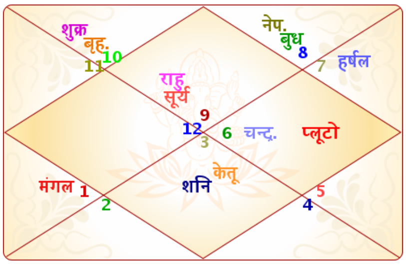

# विंशोत्तरी दशा

जन्म के समय विंशोत्तरी भोग्य दशा (अयनाश : 023:29:36) चन्द्रमा 5.0 व.5.0 म.26 द.

| क्र0 स0 | ग्रह दशा | अवधि | से |
|---|---|---|---|
| 1 | चन्द्रमा | 5.0 y.5.0 m.26 d. | 18:12:1973 |
| 2 | मंगल | 7.0 y.0.0 m.0 d. | 14:06:1979 |
| 3 | राहु | 18.0 y.0.0 m.0 d. | 14:06:1986 |
| 4 | बृहस्पति | 16.0 y.0.0 m.0 d. | 13:06:2004 |
| 5 | शनि | 19.0 y.0.0 m.0 d. | 13:06:2020 |
| 6 | बुध | 17.0 y.0.0 m.0 d. | 14:06:2039 |
| 7 | केतु | 7.0 y.0.0 m.0 d. | 13:06:2056 |
| 8 | शुक्र | 20.0 y.0.0 m.0 d. | 14:06:2063 |
| 9 | सूर्य | 6.0 y.0.0 m.0 d. | 14:06:2083 |

### चन्द्रमा दशा

| अन्तर्दशा | से |
|---|---|
| चन्द्रमा | |
| मंगल | |
| राहु | |
| बृहस्पति | |
| शनि | 18:12:1973 |
| बुध | 14:04:1975 |
| केतु | 13:09:1976 |
| शुक्र | 14:04:1977 |
| सूर्य | 13:12:1978 |

### मंगल दशा

| अन्तर्दशा | से |
|---|---|
| मंगल | 14:06:1979 |
| राहु | 10:11:1979 |
| बृहस्पति | 28:11:1980 |
| शनि | 04:11:1981 |
| बुध | 13:12:1982 |
| केतु | 10:12:1983 |
| शुक्र | 08:05:1984 |
| सूर्य | 08:07:1985 |
| चन्द्रमा | 13:11:1985 |

### राहु दशा

| अन्तर्दशा | से |
|---|---|
| राहु | 14:06:1986 |
| बृहस्पति | 24:02:1989 |
| शनि | 20:07:1991 |
| बुध | 26:05:1994 |
| केतु | 13:12:1996 |
| शुक्र | 31:12:1997 |
| सूर्य | 31:12:2000 |
| चन्द्रमा | 25:11:2001 |
| मंगल | 26:05:2003 |

### बृहस्पति दशा

| अन्तर्दशा | से |
|---|---|
| बृहस्पति | 13:06:2004 |
| शनि | 01:08:2006 |
| बुध | 12:02:2009 |
| केतु | 20:05:2011 |
| शुक्र | 25:04:2012 |
| सूर्य | 25:12:2014 |
| चन्द्रमा | 13:10:2015 |
| मंगल | 12:02:2017 |
| राहु | 19:01:2018 |

### शनि दशा

| अन्तर्दशा | से |
|---|---|
| शनि | 13:06:2020 |
| बुध | 17:06:2023 |
| केतु | 24:02:2026 |
| शुक्र | 05:04:2027 |
| सूर्य | 05:06:2030 |
| चन्द्रमा | 17:05:2031 |
| मंगल | 16:12:2032 |
| राहु | 25:01:2034 |
| बृहस्पति | 01:12:2036 |

### बुध दशा

| अन्तर्दशा | से |
|---|---|
| बुध | 14:06:2039 |
| केतु | 10:11:2041 |
| शुक्र | 07:11:2042 |
| सूर्य | 07:09:2045 |
| चन्द्रमा | 14:07:2046 |
| मंगल | 13:12:2047 |
| राहु | 10:12:2048 |
| बृहस्पति | 29:06:2051 |
| शनि | 04:10:2053 |

### केतु दशा

| अन्तर्दशा | से |
|---|---|
| केतु | 13:06:2056 |
| शुक्र | 10:11:2056 |
| सूर्य | 10:01:2058 |
| चन्द्रमा | 17:05:2058 |
| मंगल | 16:12:2058 |
| राहु | 14:05:2059 |
| बृहस्पति | 01:06:2060 |
| शनि | 08:05:2061 |
| बुध | 17:06:2062 |

### शुक्र दशा

| अन्तर्दशा | से |
|---|---|
| शुक्र | 14:06:2063 |
| सूर्य | 13:10:2066 |
| चन्द्रमा | 13:10:2067 |
| मंगल | 14:06:2069 |
| राहु | 14:08:2070 |
| बृहस्पति | 14:08:2073 |
| शनि | 13:04:2076 |
| बुध | 14:06:2079 |
| केतु | 14:04:2082 |

### सूर्य दशा

| अन्तर्दशा | से |
|---|---|
| सूर्य | 14:06:2083 |
| चन्द्रमा | 01:10:2083 |
| मंगल | 01:04:2084 |
| राहु | 07:08:2084 |
| बृहस्पति | 02:07:2085 |
| शनि | 20:04:2086 |
| बुध | 02:04:2087 |
| केतु | 06:02:2088 |
| शुक्र | 13:06:2088 |

# चन्द्रमा ग्रह दशा

( Start Date: 18:12:1973, End Date: 13:06:1979 )

### चन्द्रमा अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| चन्द्रमा | .... |
| मंगल | .... |
| राहु | .... |
| बृहस्पति | .... |
| शनि | .... |
| बुध | .... |
| केतु | .... |
| शुक्र | .... |
| सूर्य | .... |

### मंगल अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| मंगल | .... |
| राहु | .... |
| बृहस्पति | .... |
| शनि | .... |
| बुध | .... |
| केतु | .... |
| शुक्र | .... |
| सूर्य | .... |
| चन्द्रमा | .... |

### राहु अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| राहु | .... |
| बृहस्पति | .... |
| शनि | .... |
| बुध | .... |
| केतु | .... |
| शुक्र | .... |
| सूर्य | .... |
| चन्द्रमा | .... |
| मंगल | .... |

### बृहस्पति अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| बृहस्पति | .... |
| शनि | .... |
| बुध | .... |
| केतु | .... |
| शुक्र | .... |
| सूर्य | .... |
| चन्द्रमा | .... |
| मंगल | .... |
| राहु | .... |

### शनि अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| शनि | .... |
| बुध | 18:12:1973 |
| केतु | 05:03:1974 |
| शुक्र | 08:04:1974 |
| सूर्य | 13:07:1974 |
| चन्द्रमा | 11:08:1974 |
| मंगल | 28:09:1974 |
| राहु | 01:11:1974 |
| बृहस्पति | 27:01:1975 |

### बुध अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| बुध | 14:04:1975 |
| केतु | 26:06:1975 |
| शुक्र | 26:07:1975 |
| सूर्य | 20:10:1975 |
| चन्द्रमा | 15:11:1975 |
| मंगल | 28:12:1975 |
| राहु | 28:01:1976 |
| बृहस्पति | 14:04:1976 |
| शनि | 23:06:1976 |

### केतु अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| केतु | 13:09:1976 |
| शुक्र | 25:09:1976 |
| सूर्य | 31:10:1976 |
| चन्द्रमा | 10:11:1976 |
| मंगल | 28:11:1976 |
| राहु | 11:12:1976 |
| बृहस्पति | 12:01:1977 |
| शनि | 09:02:1977 |
| बुध | 15:03:1977 |

### शुक्र अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| शुक्र | 14:04:1977 |
| सूर्य | 24:07:1977 |
| चन्द्रमा | 24:08:1977 |
| मंगल | 13:10:1977 |
| राहु | 18:11:1977 |
| बृहस्पति | 17:02:1978 |
| शनि | 09:05:1978 |
| बुध | 14:08:1978 |
| केतु | 08:11:1978 |

### सूर्य अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| सूर्य | 13:12:1978 |
| चन्द्रमा | 22:12:1978 |
| मंगल | 07:01:1979 |
| राहु | 17:01:1979 |
| बृहस्पति | 14:02:1979 |
| शनि | 10:03:1979 |
| बुध | 08:04:1979 |
| केतु | 04:05:1979 |
| शुक्र | 14:05:1979 |

# मंगल ग्रह दशा

( Start Date: 14:06:1979, End Date: 13:06:1986 )

### मंगल अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| मंगल | 14:06:1979 |
| राहु | 22:06:1979 |
| बृहस्पति | 15:07:1979 |
| शनि | 04:08:1979 |
| बुध | 27:08:1979 |
| केतु | 17:09:1979 |
| शुक्र | 26:09:1979 |
| सूर्य | 21:10:1979 |
| चन्द्रमा | 28:10:1979 |

### राहु अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| राहु | 10:11:1979 |
| बृहस्पति | 06:01:1980 |
| शनि | 26:02:1980 |
| बुध | 27:04:1980 |
| केतु | 21:06:1980 |
| शुक्र | 13:07:1980 |
| सूर्य | 15:09:1980 |
| चन्द्रमा | 04:10:1980 |
| मंगल | 05:11:1980 |

### बृहस्पति अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| बृहस्पति | 28:11:1980 |
| शनि | 12:01:1981 |
| बुध | 07:03:1981 |
| केतु | 25:04:1981 |
| शुक्र | 14:05:1981 |
| सूर्य | 10:07:1981 |
| चन्द्रमा | 27:07:1981 |
| मंगल | 25:08:1981 |
| राहु | 14:09:1981 |

### शनि अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| शनि | 04:11:1981 |
| बुध | 07:01:1982 |
| केतु | 05:03:1982 |
| शुक्र | 29:03:1982 |
| सूर्य | 04:06:1982 |
| चन्द्रमा | 24:06:1982 |
| मंगल | 28:07:1982 |
| राहु | 21:08:1982 |
| बृहस्पति | 20:10:1982 |

### बुध अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| बुध | 13:12:1982 |
| केतु | 02:02:1983 |
| शुक्र | 24:02:1983 |
| सूर्य | 25:04:1983 |
| चन्द्रमा | 13:05:1983 |
| मंगल | 12:06:1983 |
| राहु | 03:07:1983 |
| बृहस्पति | 27:08:1983 |
| शनि | 14:10:1983 |

### केतु अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| केतु | 10:12:1983 |
| शुक्र | 19:12:1983 |
| सूर्य | 13:01:1984 |
| चन्द्रमा | 20:01:1984 |
| मंगल | 02:02:1984 |
| राहु | 10:02:1984 |
| बृहस्पति | 04:03:1984 |
| शनि | 24:03:1984 |
| बुध | 16:04:1984 |

### शुक्र अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| शुक्र | 08:05:1984 |
| सूर्य | 18:07:1984 |
| चन्द्रमा | 08:08:1984 |
| मंगल | 13:09:1984 |
| राहु | 08:10:1984 |
| बृहस्पति | 11:12:1984 |
| शनि | 05:02:1985 |
| बुध | 14:04:1985 |
| केतु | 13:06:1985 |

### सूर्य अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| सूर्य | 08:07:1985 |
| चन्द्रमा | 14:07:1985 |
| मंगल | 25:07:1985 |
| राहु | 01:08:1985 |
| बृहस्पति | 21:08:1985 |
| शनि | 07:09:1985 |
| बुध | 27:09:1985 |
| केतु | 15:10:1985 |
| शुक्र | 22:10:1985 |

### चन्द्रमा अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| चन्द्रमा | 13:11:1985 |
| मंगल | 01:12:1985 |
| राहु | 13:12:1985 |
| बृहस्पति | 14:01:1986 |
| शनि | 11:02:1986 |
| बुध | 17:03:1986 |
| केतु | 16:04:1986 |
| शुक्र | 29:04:1986 |
| सूर्य | 03:06:1986 |

# राहु ग्रह दशा

**( Start Date: 14:06:1986, End Date: 12:06:2004 )**

### राहु अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| राहु | 14:06:1986 |
| बृहस्पति | 09:11:1986 |
| शनि | 20:03:1987 |
| बुध | 23:08:1987 |
| केतु | 10:01:1988 |
| शुक्र | 07:03:1988 |
| सूर्य | 19:08:1988 |
| चन्द्रमा | 07:10:1988 |
| मंगल | 29:12:1988 |

### बृहस्पति अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| बृहस्पति | 24:02:1989 |
| शनि | 21:06:1989 |
| बुध | 07:11:1989 |
| केतु | 11:03:1990 |
| शुक्र | 01:05:1990 |
| सूर्य | 24:09:1990 |
| चन्द्रमा | 07:11:1990 |
| मंगल | 19:01:1991 |
| राहु | 11:03:1991 |

### शनि अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| शनि | 20:07:1991 |
| बुध | 01:01:1992 |
| केतु | 28:05:1992 |
| शुक्र | 28:07:1992 |
| सूर्य | 17:01:1993 |
| चन्द्रमा | 10:03:1993 |
| मंगल | 05:06:1993 |
| राहु | 05:08:1993 |
| बृहस्पति | 08:01:1994 |

### बुध अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| बुध | 26:05:1994 |
| केतु | 05:10:1994 |
| शुक्र | 29:11:1994 |
| सूर्य | 03:05:1995 |
| चन्द्रमा | 18:06:1995 |
| मंगल | 04:09:1995 |
| राहु | 28:10:1995 |
| बृहस्पति | 16:03:1996 |
| शनि | 18:07:1996 |

### केतु अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| केतु | 13:12:1996 |
| शुक्र | 05:01:1997 |
| सूर्य | 09:03:1997 |
| चन्द्रमा | 29:03:1997 |
| मंगल | 30:04:1997 |
| राहु | 22:05:1997 |
| बृहस्पति | 18:07:1997 |
| शनि | 07:09:1997 |
| बुध | 07:11:1997 |

### शुक्र अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| शुक्र | 31:12:1997 |
| सूर्य | 02:07:1998 |
| चन्द्रमा | 26:08:1998 |
| मंगल | 25:11:1998 |
| राहु | 28:01:1999 |
| बृहस्पति | 11:07:1999 |
| शनि | 04:12:1999 |
| बुध | 26:05:2000 |
| केतु | 28:10:2000 |

### सूर्य अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| सूर्य | 31:12:2000 |
| चन्द्रमा | 17:01:2001 |
| मंगल | 13:02:2001 |
| राहु | 04:03:2001 |
| बृहस्पति | 23:04:2001 |
| शनि | 05:06:2001 |
| बुध | 27:07:2001 |
| केतु | 12:09:2001 |
| शुक्र | 01:10:2001 |

### चन्द्रमा अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| चन्द्रमा | 25:11:2001 |
| मंगल | 10:01:2002 |
| राहु | 10:02:2002 |
| बृहस्पति | 04:05:2002 |
| शनि | 16:07:2002 |
| बुध | 10:10:2002 |
| केतु | 27:12:2002 |
| शुक्र | 28:01:2003 |
| सूर्य | 29:04:2003 |

### मंगल अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| मंगल | 26:05:2003 |
| राहु | 18:06:2003 |
| बृहस्पति | 14:08:2003 |
| शनि | 04:10:2003 |
| बुध | 04:12:2003 |
| केतु | 27:01:2004 |
| शुक्र | 19:02:2004 |
| सूर्य | 23:04:2004 |
| चन्द्रमा | 12:05:2004 |

# शनि ग्रह दशा

( Start Date: 13:06:2020, End Date: 13:06:2039 )

### शनि अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| शनि | 13:06:2020 |
| बुध | 04:12:2020 |
| केतु | 09:05:2021 |
| शुक्र | 12:07:2021 |
| सूर्य | 11:01:2022 |
| चन्द्रमा | 07:03:2022 |
| मंगल | 07:06:2022 |
| राहु | 10:08:2022 |
| बृहस्पति | 21:01:2023 |

### बुध अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| बुध | 17:06:2023 |
| केतु | 03:11:2023 |
| शुक्र | 30:12:2023 |
| सूर्य | 11:06:2024 |
| चन्द्रमा | 31:07:2024 |
| मंगल | 21:10:2024 |
| राहु | 17:12:2024 |
| बृहस्पति | 14:05:2025 |
| शनि | 22:09:2025 |

### केतु अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| केतु | 24:02:2026 |
| शुक्र | 20:03:2026 |
| सूर्य | 26:05:2026 |
| चन्द्रमा | 15:06:2026 |
| मंगल | 19:07:2026 |
| राहु | 12:08:2026 |
| बृहस्पति | 11:10:2026 |
| शनि | 04:12:2026 |
| बुध | 06:02:2027 |

### शुक्र अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| शुक्र | 05:04:2027 |
| सूर्य | 14:10:2027 |
| चन्द्रमा | 11:12:2027 |
| मंगल | 17:03:2028 |
| राहु | 23:05:2028 |
| बृहस्पति | 13:11:2028 |
| शनि | 16:04:2029 |
| बुध | 16:10:2029 |
| केतु | 29:03:2030 |

### सूर्य अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| सूर्य | 05:06:2030 |
| चन्द्रमा | 22:06:2030 |
| मंगल | 21:07:2030 |
| राहु | 10:08:2030 |
| बृहस्पति | 01:10:2030 |
| शनि | 16:11:2030 |
| बुध | 10:01:2031 |
| केतु | 28:02:2031 |
| शुक्र | 21:03:2031 |

### चन्द्रमा अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| चन्द्रमा | 17:05:2031 |
| मंगल | 04:07:2031 |
| राहु | 07:08:2031 |
| बृहस्पति | 02:11:2031 |
| शनि | 18:01:2032 |
| बुध | 19:04:2032 |
| केतु | 10:07:2032 |
| शुक्र | 13:08:2032 |
| सूर्य | 17:11:2032 |

### मंगल अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| मंगल | 16:12:2032 |
| राहु | 09:01:2033 |
| बृहस्पति | 10:03:2033 |
| शनि | 03:05:2033 |
| बुध | 06:07:2033 |
| केतु | 02:09:2033 |
| शुक्र | 25:09:2033 |
| सूर्य | 02:12:2033 |
| चन्द्रमा | 22:12:2033 |

### राहु अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| राहु | 25:01:2034 |
| बृहस्पति | 30:06:2034 |
| शनि | 15:11:2034 |
| बुध | 29:04:2035 |
| केतु | 24:09:2035 |
| शुक्र | 23:11:2035 |
| सूर्य | 15:05:2036 |
| चन्द्रमा | 06:07:2036 |
| मंगल | 01:10:2036 |

### बृहस्पति अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| बृहस्पति | 01:12:2036 |
| शनि | 03:04:2037 |
| बुध | 28:08:2037 |
| केतु | 06:01:2038 |
| शुक्र | 01:03:2038 |
| सूर्य | 02:08:2038 |
| चन्द्रमा | 17:09:2038 |
| मंगल | 03:12:2038 |
| राहु | 26:01:2039 |

# बुध ग्रह दशा

( Start Date: 14:06:2039, End Date: 12:06:2056 )

### बुध अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| बुध | 14:06:2039 |
| केतु | 16:10:2039 |
| शुक्र | 06:12:2039 |
| सूर्य | 01:05:2040 |
| चन्द्रमा | 14:06:2040 |
| मंगल | 27:08:2040 |
| राहु | 17:10:2040 |
| बृहस्पति | 26:02:2041 |
| शनि | 24:06:2041 |

### केतु अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| केतु | 10:11:2041 |
| शुक्र | 01:12:2041 |
| सूर्य | 30:01:2042 |
| चन्द्रमा | 17:02:2042 |
| मंगल | 19:03:2042 |
| राहु | 10:04:2042 |
| बृहस्पति | 03:06:2042 |
| शनि | 21:07:2042 |
| बुध | 16:09:2042 |

### शुक्र अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| शुक्र | 07:11:2042 |
| सूर्य | 28:04:2043 |
| चन्द्रमा | 19:06:2043 |
| मंगल | 13:09:2043 |
| राहु | 12:11:2043 |
| बृहस्पति | 16:04:2044 |
| शनि | 01:09:2044 |
| बुध | 12:02:2045 |
| केतु | 09:07:2045 |

### सूर्य अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| सूर्य | 07:09:2045 |
| चन्द्रमा | 22:09:2045 |
| मंगल | 18:10:2045 |
| राहु | 05:11:2045 |
| बृहस्पति | 22:12:2045 |
| शनि | 01:02:2046 |
| बुध | 22:03:2046 |
| केतु | 05:05:2046 |
| शुक्र | 23:05:2046 |

### चन्द्रमा अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| चन्द्रमा | 14:07:2046 |
| मंगल | 26:08:2046 |
| राहु | 25:09:2046 |
| बृहस्पति | 12:12:2046 |
| शनि | 19:02:2047 |
| बुध | 12:05:2047 |
| केतु | 24:07:2047 |
| शुक्र | 23:08:2047 |
| सूर्य | 17:11:2047 |

### मंगल अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| मंगल | 13:12:2047 |
| राहु | 03:01:2048 |
| बृहस्पति | 27:02:2048 |
| शनि | 15:04:2048 |
| बुध | 12:06:2048 |
| केतु | 02:08:2048 |
| शुक्र | 23:08:2048 |
| सूर्य | 23:10:2048 |
| चन्द्रमा | 10:11:2048 |

### राहु अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| राहु | 10:12:2048 |
| बृहस्पति | 29:04:2049 |
| शनि | 31:08:2049 |
| बुध | 25:01:2050 |
| केतु | 06:06:2050 |
| शुक्र | 30:07:2050 |
| सूर्य | 01:01:2051 |
| चन्द्रमा | 17:02:2051 |
| मंगल | 06:05:2051 |

### बृहस्पति अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| बृहस्पति | 29:06:2051 |
| शनि | 17:10:2051 |
| बुध | 25:02:2052 |
| केतु | 22:06:2052 |
| शुक्र | 09:08:2052 |
| सूर्य | 26:12:2052 |
| चन्द्रमा | 05:02:2053 |
| मंगल | 15:04:2053 |
| राहु | 02:06:2053 |

### शनि अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| शनि | 04:10:2053 |
| बुध | 09:03:2054 |
| केतु | 26:07:2054 |
| शुक्र | 21:09:2054 |
| सूर्य | 04:03:2055 |
| चन्द्रमा | 22:04:2055 |
| मंगल | 13:07:2055 |
| राहु | 08:09:2055 |
| बृहस्पति | 03:02:2056 |

# केतु ग्रह दशा

( Start Date: 13:06:2056, End Date: 13:06:2063 )

### केतु अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| केतु | 13:06:2056 |
| शुक्र | 22:06:2056 |
| सूर्य | 17:07:2056 |
| चन्द्रमा | 24:07:2056 |
| मंगल | 06:08:2056 |
| राहु | 14:08:2056 |
| बृहस्पति | 06:09:2056 |
| शनि | 26:09:2056 |
| बुध | 19:10:2056 |

### शुक्र अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| शुक्र | 10:11:2056 |
| सूर्य | 20:01:2057 |
| चन्द्रमा | 10:02:2057 |
| मंगल | 17:03:2057 |
| राहु | 11:04:2057 |
| बृहस्पति | 14:06:2057 |
| शनि | 10:08:2057 |
| बुध | 16:10:2057 |
| केतु | 16:12:2057 |

### सूर्य अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| सूर्य | 10:01:2058 |
| चन्द्रमा | 16:01:2058 |
| मंगल | 27:01:2058 |
| राहु | 03:02:2058 |
| बृहस्पति | 22:02:2058 |
| शनि | 11:03:2058 |
| बुध | 31:03:2058 |
| केतु | 19:04:2058 |
| शुक्र | 26:04:2058 |

### चन्द्रमा अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| चन्द्रमा | 17:05:2058 |
| मंगल | 04:06:2058 |
| राहु | 16:06:2058 |
| बृहस्पति | 18:07:2058 |
| शनि | 16:08:2058 |
| बुध | 19:09:2058 |
| केतु | 19:10:2058 |
| शुक्र | 31:10:2058 |
| सूर्य | 06:12:2058 |

### मंगल अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| मंगल | 16:12:2058 |
| राहु | 25:12:2058 |
| बृहस्पति | 16:01:2059 |
| शनि | 05:02:2059 |
| बुध | 01:03:2059 |
| केतु | 22:03:2059 |
| शुक्र | 31:03:2059 |
| सूर्य | 24:04:2059 |
| चन्द्रमा | 02:05:2059 |

### राहु अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| राहु | 14:05:2059 |
| बृहस्पति | 11:07:2059 |
| शनि | 31:08:2059 |
| बुध | 31:10:2059 |
| केतु | 24:12:2059 |
| शुक्र | 15:01:2060 |
| सूर्य | 19:03:2060 |
| चन्द्रमा | 07:04:2060 |
| मंगल | 10:05:2060 |

### बृहस्पति अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| बृहस्पति | 01:06:2060 |
| शनि | 16:07:2060 |
| बुध | 09:09:2060 |
| केतु | 27:10:2060 |
| शुक्र | 16:11:2060 |
| सूर्य | 12:01:2061 |
| चन्द्रमा | 29:01:2061 |
| मंगल | 26:02:2061 |
| राहु | 18:03:2061 |

### शनि अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| शनि | 08:05:2061 |
| बुध | 11:07:2061 |
| केतु | 07:09:2061 |
| शुक्र | 30:09:2061 |
| सूर्य | 07:12:2061 |
| चन्द्रमा | 27:12:2061 |
| मंगल | 30:01:2062 |
| राहु | 22:02:2062 |
| बृहस्पति | 24:04:2062 |

### बुध अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| बुध | 17:06:2062 |
| केतु | 07:08:2062 |
| शुक्र | 28:08:2062 |
| सूर्य | 27:10:2062 |
| चन्द्रमा | 15:11:2062 |
| मंगल | 15:12:2062 |
| राहु | 05:01:2063 |
| बृहस्पति | 28:02:2063 |
| शनि | 17:04:2063 |

# सूर्य ग्रह दशा

( Start Date: 14:06:2083, End Date: 13:06:2089 )

### सूर्य अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| सूर्य | 14:06:2083 |
| चन्द्रमा | 19:06:2083 |
| मंगल | 28:06:2083 |
| राहु | 05:07:2083 |
| बृहस्पति | 21:07:2083 |
| शनि | 05:08:2083 |
| बुध | 22:08:2083 |
| केतु | 07:09:2083 |
| शुक्र | 13:09:2083 |

### चन्द्रमा अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| चन्द्रमा | 01:10:2083 |
| मंगल | 16:10:2083 |
| राहु | 27:10:2083 |
| बृहस्पति | 23:11:2083 |
| शनि | 18:12:2083 |
| बुध | 16:01:2084 |
| केतु | 11:02:2084 |
| शुक्र | 21:02:2084 |
| सूर्य | 23:03:2084 |

### मंगल अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| मंगल | 01:04:2084 |
| राहु | 08:04:2084 |
| बृहस्पति | 28:04:2084 |
| शनि | 15:05:2084 |
| बुध | 04:06:2084 |
| केतु | 22:06:2084 |
| शुक्र | 30:06:2084 |
| सूर्य | 21:07:2084 |
| चन्द्रमा | 27:07:2084 |

### राहु अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| राहु | 07:08:2084 |
| बृहस्पति | 25:09:2084 |
| शनि | 08:11:2084 |
| बुध | 31:12:2084 |
| केतु | 15:02:2085 |
| शुक्र | 06:03:2085 |
| सूर्य | 30:04:2085 |
| चन्द्रमा | 16:05:2085 |
| मंगल | 13:06:2085 |

### बृहस्पति अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| बृहस्पति | 02:07:2085 |
| शनि | 10:08:2085 |
| बुध | 25:09:2085 |
| केतु | 05:11:2085 |
| शुक्र | 22:11:2085 |
| सूर्य | 10:01:2086 |
| चन्द्रमा | 25:01:2086 |
| मंगल | 18:02:2086 |
| राहु | 07:03:2086 |

### शनि अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| शनि | 20:04:2086 |
| बुध | 14:06:2086 |
| केतु | 02:08:2086 |
| शुक्र | 22:08:2086 |
| सूर्य | 19:10:2086 |
| चन्द्रमा | 05:11:2086 |
| मंगल | 04:12:2086 |
| राहु | 24:12:2086 |
| बृहस्पति | 14:02:2087 |

### बुध अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| बुध | 02:04:2087 |
| केतु | 16:05:2087 |
| शुक्र | 03:06:2087 |
| सूर्य | 24:07:2087 |
| चन्द्रमा | 09:08:2087 |
| मंगल | 04:09:2087 |
| राहु | 22:09:2087 |
| बृहस्पति | 07:11:2087 |
| शनि | 19:12:2087 |

### केतु अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| केतु | 06:02:2088 |
| शुक्र | 14:02:2088 |
| सूर्य | 06:03:2088 |
| चन्द्रमा | 12:03:2088 |
| मंगल | 23:03:2088 |
| राहु | 30:03:2088 |
| बृहस्पति | 19:04:2088 |
| शनि | 06:05:2088 |
| बुध | 26:05:2088 |

### शुक्र अन्तर्दशा

| पत्यंतरदशा | से |
|---|---|
| शुक्र | 13:06:2088 |
| सूर्य | 13:08:2088 |
| चन्द्रमा | 31:08:2088 |
| मंगल | 01:10:2088 |
| राहु | 22:10:2088 |
| बृहस्पति | 16:12:2088 |
| शनि | 03:02:2089 |
| बुध | 02:04:2089 |
| केतु | 23:05:2089 |

# अष्टोत्तरी दशा

आपकी कुण्डली में अष्टोत्तरी दशा का अरिद्रादी सिद्धान्त प्रभावी हो रहा है।

| ग्रह (नक्षत्र) | दशा अवधि | से | समय |
|---|---|---|---|
| मंगल(हस्ता) | 1.0 y.1.0 m.6 d. | 18:12:1973 | 170:43:15 |
| मंगल(चित्रा) | 2.0 y.0.0 m.0 d. | 22:01:1975 | 009:24:35 |
| मंगल(स्वाति) | 2.0 y.0.0 m.0 d. | 22:01:1977 | 249:52:52 |
| मंगल(विशाखा) | 2.0 y.0.0 m.0 d. | 22:01:1979 | 292:38:57 |
| बुध(अनुराधा) | 5.0 y.8.0 m.1 d. | 22:01:1981 | 298:03:58 |
| बुध(ज्येष्ठा) | 5.0 y.8.0 m.1 d. | 23:09:1986 | 099:42:48 |
| बुध(मूला) | 5.0 y.8.0 m.1 d. | 23:05:1992 | 295:01:59 |
| शनि(पूर्वाषाढ़) | 2.0 y.6.0 m.0 d. | 22:01:1998 | 351:12:50 |
| शनि(उत्तराषाढ़) | 2.0 y.6.0 m.0 d. | 23:07:2000 | 310:28:23 |
| शनि(अभिजीत) | 2.0 y.6.0 m.0 d. | 22:01:2003 | 310:28:23 |
| शनि(श्रवण) | 2.0 y.6.0 m.0 d. | 24:07:2005 | 234:13:31 |
| बृहस्पति(धनिष्ठा) | 6.0 y.4.0 m.0 d. | 22:01:2008 | 292:38:57 |
| बृहस्पति(शतभिषा) | 6.0 y.4.0 m.0 d. | 24:05:2014 | 173:07:14 |
| बृहस्पति(पूर्वाभाद) | 6.0 y.4.0 m.0 d. | 22:09:2020 | 215:53:18 |
| राहु(उत्तरभाद्र) | 3.0 y.0.0 m.0 d. | 22:01:2027 | 313:23:08 |
| राहु(रेवाति) | 3.0 y.0.0 m.0 d. | 22:01:2030 | 115:01:59 |
| राहु(अश्विनी) | 3.0 y.0.0 m.0 d. | 22:01:2033 | 310:21:10 |
| राहु(भरणी) | 3.0 y.0.0 m.0 d. | 22:01:2036 | 168:10:51 |
| शुक(कृतिका) | 7.0 y.0.0 m.0 d. | 22:01:2039 | 165:16:05 |
| शुक(रोहिणी) | 7.0 y.0.0 m.1 d. | 22:01:2046 | 089:01:14 |
| शुक(मृगशिरा) | 7.0 y.0.0 m.0 d. | 22:01:2053 | 287:42:34 |
| सूर्य(अरिद्रा) | 1.0 y.6.0 m.0 d. | 22:01:2060 | 127:26:24 |
| सूर्य(पुनर्वस) | 1.0 y.6.0 m.0 d. | 24:07:2061 | 170:12:28 |
| सूर्य(पुष्य) | 1.0 y.6.0 m.0 d. | 22:01:2063 | 310:28:23 |
| सूर्य(अश्लेषा) | 1.0 y.6.0 m.0 d. | 23:07:2064 | 112:07:13 |
| चन्द्रमा(मघा) | 5.0 y.0.0 m.0 d. | 22:01:2066 | 231:11:32 |
| चन्द्रमा(पुर्वफाल्गुनी) | 5.0 y.0.0 m.0 d. | 22:01:2071 | 089:01:14 |

# योगिनी दशा

| ग्रह (नक्षत्र) | दशा अवधि | से– | सिद्धी बिन्दु |
|---|---|---|---|
| संकटा (शनि)(हस्ता) | 4.0 y.4.0 m.21 d. | 18:12:1973 | 051:11:32 |
| मंगला(चन्द्रमा)(चित्रा) | 1.0 y.0.0 m.0 d. | 09:05:1978 | 170:43:15 |
| पिगंला (सूर्य)(स्वाति) | 2.0 y.0.0 m.0 d. | 09:05:1979 | 127:26:24 |
| धान्य (वृहस्पति)(विशाखा) | 3.0 y.0.0 m.0 d. | 09:05:1981 | 215:53:18 |
| भ्रमरि (मंगल)(अनुराधा) | 4.0 y.0.0 m.0 d. | 08:05:1984 | 072:54:51 |
| भद्रिका (बुध)(ज्येश्ठा) | 5.0 y.0.0 m.0 d. | 08:05:1988 | 099:42:48 |
| उल्का (शनि)(मूला) | 6.0 y.0.0 m.0 d. | 09:05:1993 | 133:23:08 |
| सिद्धा (शुक्र)(पूर्वाशाढ़) | 7.0 y.0.0 m.0 d. | 09:05:1999 | 206:00:33 |
| संकटा (शनि)(उत्तराशाढ़) | 8.0 y.0.0 m.0 d. | 09:05:2006 | 127:26:24 |
| मंगला(चन्द्रमा)(श्रवण) | 1.0 y.0.0 m.0 d. | 09:05:2014 | 332:01:55 |
| पिगंला (सूर्य)(धनिश्ठा) | 2.0 y.0.0 m.0 d. | 09:05:2015 | 246:58:07 |
| धान्य (वृहस्पति)(शतभिशा) | 3.0 y.0.0 m.0 d. | 09:05:2017 | 173:07:14 |
| भ्रमरि (मंगल)(पूर्वाभाद्र) | 4.0 y.0.0 m.0 d. | 08:05:2020 | 292:38:57 |
| भद्रिका (बुध)(उत्तरभाद्र) | 5.0 y.0.0 m.0 d. | 08:05:2024 | 298:03:58 |
| उल्का (शनि)(रेवाति) | 6.0 y.0.0 m.0 d. | 09:05:2029 | 298:03:58 |
| सिद्धा (शुक्र)(अश्विनी) | 7.0 y.0.0 m.0 d. | 09:05:2035 | 348:10:51 |
| संकटा (शनि)(भरणी) | 8.0 y.0.0 m.0 d. | 09:05:2042 | 168:10:51 |
| मंगला(चन्द्रमा)(कृतिका) | 1.0 y.0.0 m.0 d. | 09:05:2050 | 048:16:46 |
| पिगंला (सूर्य)(रोहिणी) | 2.0 y.0.0 m.0 d. | 09:05:2051 | 048:16:46 |
| धान्य (वृहस्पति)(मृगशिरा) | 3.0 y.0.0 m.0 d. | 09:05:2053 | 292:38:57 |
| भ्रमरि (मंगल)(अरिद्रा) | 4.0 y.0.0 m.0 d. | 08:05:2056 | 249:52:52 |
| भद्रिका (बुध)(पुनर्वसु) | 5.0 y.0.0 m.0 d. | 08:05:2060 | 157:48:03 |
| उल्का (शनि)(पु) | 6.0 y.0.0 m.0 d. | 09:05:2065 | 136:25:07 |
| सिद्धा (शुक्र)(अश्लो) | 7.0 y.0.0 m.0 d. | 09:05:2071 | 152:51:41 |

# जैमिनी चर दशा (नीलकान्त सिद्धान्त)

| क्र0 स0 | ग्रह दशा | अवधि | से |
|---|---|---|---|
| 1 | कन्या | 10.0 y.0.0 m.0 d. | 18:12:1973 |
| 2 | तुला | 3.0 y.0.0 m.0 d. | 18:12:1983 |
| 3 | वृश्चिक | 5.0 y.0.0 m.0 d. | 18:12:1986 |
| 4 | धनु | 1.0 y.0.0 m.0 d. | 18:12:1991 |
| 5 | मकर | 7.0 y.0.0 m.0 d. | 18:12:1992 |
| 6 | कुम्भ | 4.0 y.0.0 m.0 d. | 18:12:1999 |
| 7 | मीन | 2.0 y.0.0 m.0 d. | 18:12:2003 |
| 8 | मेष | 12.0 y.0.0 m.0 d. | 18:12:2005 |
| 9 | वृष | 4.0 y.0.0 m.0 d. | 18:12:2017 |
| 10 | मिथुन | 5.0 y.0.0 m.0 d. | 18:12:2021 |
| 11 | कर्क | 10.0 y.0.0 m.0 d. | 18:12:2026 |
| 12 | सिहं | 4.0 y.0.0 m.0 d. | 18:12:2036 |

## जैमिनी चर दशा की भुक्ति

### कन्या दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| तुला | 18:12:1973 |
| वृश्चिक | 18:10:1974 |
| धनु | 18:08:1975 |
| मकर | 18:06:1976 |
| कुम्भ | 18:04:1977 |
| मीन | 16:02:1978 |
| मेष | 18:12:1978 |
| वृष | 18:10:1979 |
| मिथुन | 18:08:1980 |
| कर्क | 18:06:1981 |
| सिहं | 18:04:1982 |
| कन्या | 16:02:1983 |

### तुला दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| वृश्चिक | 18:12:1983 |
| धनु | 18:03:1984 |
| मकर | 18:06:1984 |
| कुम्भ | 17:09:1984 |
| मीन | 18:12:1984 |
| मेष | 19:03:1985 |
| वृष | 18:06:1985 |
| मिथुन | 17:09:1985 |
| कर्क | 18:12:1985 |
| सिहं | 19:03:1986 |
| कन्या | 18:06:1986 |
| तुला | 17:09:1986 |

### वृश्चिक दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| तुला | 18:12:1986 |
| कन्या | 19:05:1987 |
| सिहं | 18:10:1987 |
| कर्क | 18:03:1988 |
| मिथुन | 18:08:1988 |
| वृष | 17:01:1989 |
| मेष | 18:06:1989 |
| मीन | 17:11:1989 |
| कुम्भ | 18:04:1990 |
| मकर | 17:09:1990 |
| धनु | 16:02:1991 |
| वृश्चिक | 18:07:1991 |

### धनु दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| वृश्चिक | 18:12:1991 |
| तुला | 17:01:1992 |
| कन्या | 17:02:1992 |
| सिहं | 18:03:1992 |
| कर्क | 18:04:1992 |
| मिथुन | 18:05:1992 |
| वृष | 18:06:1992 |
| मेष | 18:07:1992 |
| मीन | 18:08:1992 |
| कुम्भ | 17:09:1992 |
| मकर | 18:10:1992 |
| धनु | 17:11:1992 |

### मकर दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| धनु | 18:12:1992 |
| वृश्चिक | 18:07:1993 |
| तुला | 16:02:1994 |
| कन्या | 17:09:1994 |
| सिहं | 18:04:1995 |
| कर्क | 17:11:1995 |
| मिथुन | 18:06:1996 |
| वृष | 17:01:1997 |
| मेष | 18:08:1997 |
| मीन | 19:03:1998 |
| कुम्भ | 18:10:1998 |
| मकर | 19:05:1999 |

### कुम्भ दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| मीन | 18:12:1999 |
| मेष | 18:04:2000 |
| वृष | 18:08:2000 |
| मिथुन | 18:12:2000 |
| कर्क | 18:04:2001 |
| सिहं | 18:08:2001 |
| कन्या | 18:12:2001 |
| तुला | 18:04:2002 |
| वृश्चिक | 18:08:2002 |
| धनु | 18:12:2002 |
| मकर | 18:04:2003 |
| कुम्भ | 18:08:2003 |

### मीन दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| मेष | 18:12:2003 |
| वृष | 17:02:2004 |
| मिथुन | 18:04:2004 |
| कर्क | 18:06:2004 |
| सिहं | 18:08:2004 |
| कन्या | 18:10:2004 |
| तुला | 18:12:2004 |
| वृश्चिक | 16:02:2005 |
| धनु | 18:04:2005 |
| मकर | 18:06:2005 |
| कुम्भ | 18:08:2005 |
| मीन | 18:10:2005 |

### मेष दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| वृष | 18:12:2005 |
| मिथुन | 18:12:2006 |
| कर्क | 18:12:2007 |
| सिहं | 18:12:2008 |
| कन्या | 18:12:2009 |
| तुला | 18:12:2010 |
| वृश्चिक | 18:12:2011 |
| धनु | 18:12:2012 |
| मकर | 18:12:2013 |
| कुम्भ | 18:12:2014 |
| मीन | 18:12:2015 |
| मेष | 18:12:2016 |

### वृष दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| मेष | 18:12:2017 |
| मीन | 18:04:2018 |
| कुम्भ | 18:08:2018 |
| मकर | 18:12:2018 |
| धनु | 18:04:2019 |
| वृश्चिक | 18:08:2019 |
| तुला | 18:12:2019 |
| कन्या | 18:04:2020 |
| सिहं | 18:08:2020 |
| कर्क | 18:12:2020 |
| मिथुन | 18:04:2021 |
| वृष | 18:08:2021 |

### मिथुन दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| वृष | 18:12:2021 |
| मेष | 19:05:2022 |
| मीन | 18:10:2022 |
| कुम्भ | 19:03:2023 |
| मकर | 18:08:2023 |
| धनु | 17:01:2024 |
| वृश्चिक | 18:06:2024 |
| तुला | 17:11:2024 |
| कन्या | 18:04:2025 |
| सिहं | 17:09:2025 |
| कर्क | 16:02:2026 |
| मिथुन | 18:07:2026 |

### कर्क दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| मिथुन | 18:12:2026 |
| वृष | 18:10:2027 |
| मेष | 18:08:2028 |
| मीन | 18:06:2029 |
| कुम्भ | 18:04:2030 |
| मकर | 16:02:2031 |
| धनु | 18:12:2031 |
| वृश्चिक | 18:10:2032 |
| तुला | 18:08:2033 |
| कन्या | 18:06:2034 |
| सिहं | 18:04:2035 |
| कर्क | 17:02:2036 |

### सिहं दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| कन्या | 18:12:2036 |
| तुला | 18:04:2037 |
| वृश्चिक | 18:08:2037 |
| धनु | 18:12:2037 |
| मकर | 18:04:2038 |
| कुम्भ | 18:08:2038 |
| मीन | 18:12:2038 |
| मेष | 18:04:2039 |
| वृष | 18:08:2039 |
| मिथुन | 18:12:2039 |
| कर्क | 18:04:2040 |
| सिहं | 18:08:2040 |

# जैमिनी चर दशा (नीलकान्त सिद्धान्त)

## मेष दशा (18:12:2005 से 18:12:2017)

### वृष दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| मेष | 18:12:2005 |
| मीन | 17:01:2006 |
| कुम्भ | 16:02:2006 |
| मकर | 19:03:2006 |
| धनु | 18:04:2006 |
| वृश्चिक | 19:05:2006 |
| तुला | 18:06:2006 |
| कन्या | 18:07:2006 |
| सिहं | 18:08:2006 |
| कर्क | 17:09:2006 |
| मिथुन | 18:10:2006 |
| वृष | 17:11:2006 |

### मिथुन दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| वृष | 18:12:2006 |
| मेष | 17:01:2007 |
| मीन | 16:02:2007 |
| कुम्भ | 19:03:2007 |
| मकर | 18:04:2007 |
| धनु | 19:05:2007 |
| वृश्चिक | 18:06:2007 |
| तुला | 18:07:2007 |
| कन्या | 18:08:2007 |
| सिहं | 17:09:2007 |
| कर्क | 18:10:2007 |
| मिथुन | 17:11:2007 |

### कर्क दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| मिथुन | 18:12:2007 |
| वृष | 17:01:2008 |
| मेष | 17:02:2008 |
| मीन | 18:03:2008 |
| कुम्भ | 18:04:2008 |
| मकर | 18:05:2008 |
| धनु | 18:06:2008 |
| वृश्चिक | 18:07:2008 |
| तुला | 18:08:2008 |
| कन्या | 17:09:2008 |
| सिहं | 18:10:2008 |
| कर्क | 17:11:2008 |

### सिहं दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| कन्या | 18:12:2008 |
| तुला | 17:01:2009 |
| वृश्चिक | 16:02:2009 |
| धनु | 19:03:2009 |
| मकर | 18:04:2009 |
| कुम्भ | 19:05:2009 |
| मीन | 18:06:2009 |
| मेष | 18:07:2009 |
| वृष | 18:08:2009 |
| मिथुन | 17:09:2009 |
| कर्क | 18:10:2009 |
| सिहं | 17:11:2009 |

### कन्या दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| तुला | 18:12:2009 |
| वृश्चिक | 17:01:2010 |
| धनु | 16:02:2010 |
| मकर | 19:03:2010 |
| कुम्भ | 18:04:2010 |
| मीन | 19:05:2010 |
| मेष | 18:06:2010 |
| वृष | 18:07:2010 |
| मिथुन | 18:08:2010 |
| कर्क | 17:09:2010 |
| सिहं | 18:10:2010 |
| कन्या | 17:11:2010 |

### तुला दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| वृश्चिक | 18:12:2010 |
| धनु | 17:01:2011 |
| मकर | 16:02:2011 |
| कुम्भ | 19:03:2011 |
| मीन | 18:04:2011 |
| मेष | 19:05:2011 |
| वृष | 18:06:2011 |
| मिथुन | 18:07:2011 |
| कर्क | 18:08:2011 |
| सिहं | 17:09:2011 |
| कन्या | 18:10:2011 |
| तुला | 17:11:2011 |

### वृश्चिक दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| तुला | 18:12:2011 |
| कन्या | 17:01:2012 |
| सिहं | 17:02:2012 |
| कर्क | 18:03:2012 |
| मिथुन | 18:04:2012 |
| वृष | 18:05:2012 |
| मेष | 18:06:2012 |
| मीन | 18:07:2012 |
| कुम्भ | 18:08:2012 |
| मकर | 17:09:2012 |
| धनु | 18:10:2012 |
| वृश्चिक | 17:11:2012 |

### धनु दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| वृश्चिक | 18:12:2012 |
| तुला | 17:01:2013 |
| कन्या | 16:02:2013 |
| सिहं | 19:03:2013 |
| कर्क | 18:04:2013 |
| मिथुन | 19:05:2013 |
| वृष | 18:06:2013 |
| मेष | 18:07:2013 |
| मीन | 18:08:2013 |
| कुम्भ | 17:09:2013 |
| मकर | 18:10:2013 |
| धनु | 17:11:2013 |

### मकर दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| धनु | 18:12:2013 |
| वृश्चिक | 17:01:2014 |
| तुला | 16:02:2014 |
| कन्या | 19:03:2014 |
| सिहं | 18:04:2014 |
| कर्क | 19:05:2014 |
| मिथुन | 18:06:2014 |
| वृष | 18:07:2014 |
| मेष | 18:08:2014 |
| मीन | 17:09:2014 |
| कुम्भ | 18:10:2014 |
| मकर | 17:11:2014 |

### कुम्भ दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| मीन | 18:12:2014 |
| मेष | 17:01:2015 |
| वृष | 16:02:2015 |
| मिथुन | 19:03:2015 |
| कर्क | 18:04:2015 |
| सिहं | 19:05:2015 |
| कन्या | 18:06:2015 |
| तुला | 18:07:2015 |
| वृश्चिक | 18:08:2015 |
| धनु | 17:09:2015 |
| मकर | 18:10:2015 |
| कुम्भ | 17:11:2015 |

### मीन दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| मेष | 18:12:2015 |
| वृष | 17:01:2016 |
| मिथुन | 17:02:2016 |
| कर्क | 18:03:2016 |
| सिहं | 18:04:2016 |
| कन्या | 18:05:2016 |
| तुला | 18:06:2016 |
| वृश्चिक | 18:07:2016 |
| धनु | 18:08:2016 |
| मकर | 17:09:2016 |
| कुम्भ | 18:10:2016 |
| मीन | 17:11:2016 |

### मेष दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| वृष | 18:12:2016 |
| मिथुन | 17:01:2017 |
| कर्क | 16:02:2017 |
| सिहं | 19:03:2017 |
| कन्या | 18:04:2017 |
| तुला | 19:05:2017 |
| वृश्चिक | 18:06:2017 |
| धनु | 18:07:2017 |
| मकर | 18:08:2017 |
| कुम्भ | 17:09:2017 |
| मीन | 18:10:2017 |
| मेष | 17:11:2017 |

# जैमिनी चर दशा (नीलकान्त सिद्धान्त)

| क्र0 स0 | ग्रह दशा | अवधि | से |
|---|---|---|---|
| 1 | कन्या | 2.0 y.0.0 m.0 d. | 18:12:1973 |
| 2 | वृष | 8.0 y.0.0 m.0 d. | 18:12:1975 |
| 3 | मकर | 7.0 y.0.0 m.0 d. | 18:12:1983 |
| 4 | सिहं | 8.0 y.0.0 m.0 d. | 18:12:1990 |
| 5 | मेष | 12.0 y.0.0 m.0 d. | 18:12:1998 |
| 6 | धनु | 1.0 y.0.0 m.0 d. | 18:12:2010 |
| 7 | कर्क | 2.0 y.0.0 m.0 d. | 18:12:2011 |
| 8 | मीन | 10.0 y.0.0 m.0 d. | 18:12:2013 |
| 9 | वृश्चिक | 7.0 y.0.0 m.0 d. | 18:12:2023 |
| 10 | मिथुन | 5.0 y.0.0 m.0 d. | 18:12:2030 |
| 11 | कुम्भ | 8.0 y.0.0 m.0 d. | 18:12:2035 |
| 12 | तुला | 3.0 y.0.0 m.0 d. | 18:12:2043 |

## जैमिनी चर दशा की भुक्ति

### कन्या दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| वृश्चिक | 18:12:1973 |
| तुला | 18:12:1974 |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |

### वृष दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| मकर | 18:12:1975 |
| धनु | 18:12:1976 |
| वृश्चिक | 18:12:1977 |
| तुला | 18:12:1978 |
| कन्या | 18:12:1979 |
| सिहं | 18:12:1980 |
| कर्क | 18:12:1981 |
| मिथुन | 18:12:1982 |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |

### मकर दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| मिथुन | 18:12:1983 |
| कर्क | 18:12:1984 |
| सिहं | 18:12:1985 |
| कन्या | 18:12:1986 |
| तुला | 18:12:1987 |
| वृश्चिक | 18:12:1988 |
| धनु | 18:12:1989 |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |

### सिहं दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| धनु | 18:12:1990 |
| मकर | 18:12:1991 |
| कुम्भ | 18:12:1992 |
| मीन | 18:12:1993 |
| मेष | 18:12:1994 |
| वृष | 18:12:1995 |
| मिथुन | 18:12:1996 |
| कर्क | 18:12:1997 |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | |

### मेष दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| मेष | 18:12:1998 |
| वृष | 18:12:1999 |
| मिथुन | 18:12:2000 |
| कर्क | 18:12:2001 |
| सिहं | 18:12:2002 |
| कन्या | 18:12:2003 |
| तुला | 18:12:2004 |
| वृश्चिक | 18:12:2005 |
| धनु | 18:12:2006 |
| मकर | 18:12:2007 |
| कुम्भ | 18:12:2008 |
| मीन | 18:12:2009 |

### धनु दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| मकर | 18:12:2010 |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |

### कर्क दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| कन्या | 18:12:2011 |
| सिहं | 18:12:2012 |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |

### मीन दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| मकर | 18:12:2013 |
| धनु | 18:12:2014 |
| वृश्चिक | 18:12:2015 |
| तुला | 18:12:2016 |
| कन्या | 18:12:2017 |
| सिहं | 18:12:2018 |
| कर्क | 18:12:2019 |
| मिथुन | 18:12:2020 |
| वृष | 18:12:2021 |
| मेष | 18:12:2022 |
| .. | -- |
| .. | -- |

### वृश्चिक दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| मेष | 18:12:2023 |
| वृष | 18:12:2024 |
| मिथुन | 18:12:2025 |
| कर्क | 18:12:2026 |
| सिहं | 18:12:2027 |
| कन्या | 18:12:2028 |
| तुला | 18:12:2029 |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |

### मिथुन दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| वृश्चिक | 18:12:2030 |
| तुला | 18:12:2031 |
| कन्या | 18:12:2032 |
| सिहं | 18:12:2033 |
| कर्क | 18:12:2034 |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |

### कुम्भ दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| मिथुन | 18:12:2035 |
| कर्क | 18:12:2036 |
| सिहं | 18:12:2037 |
| कन्या | 18:12:2038 |
| तुला | 18:12:2039 |
| वृश्चिक | 18:12:2040 |
| धनु | 18:12:2041 |
| मकर | 18:12:2042 |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |

### तुला दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| मकर | 18:12:2043 |
| धनु | 18:12:2044 |
| वृश्चिक | 18:12:2045 |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |
| .. | -- |

# जैमिनी चर दशा (नीलकान्त सिद्धान्त)

## मीन दशा (18:12:2013 से 18:12:2023)

### मकर दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| मिथुन | 18:12:2013 |
| कर्क | 17:01:2014 |
| सिहं | 16:02:2014 |
| कन्या | 19:03:2014 |
| तुला | 18:04:2014 |
| वृश्चिक | 19:05:2014 |
| धनु | 18:06:2014 |
| मकर | 18:07:2014 |
| कुम्भ | 18:08:2014 |
| मीन | 17:09:2014 |
| मेष | 18:10:2014 |
| वृष | 17:11:2014 |

### धनु दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| मकर | 18:12:2014 |
| धनु | 17:01:2015 |
| वृश्चिक | 16:02:2015 |
| तुला | 19:03:2015 |
| कन्या | 18:04:2015 |
| सिहं | 19:05:2015 |
| कर्क | 18:06:2015 |
| मिथुन | 18:07:2015 |
| वृष | 18:08:2015 |
| मेष | 17:09:2015 |
| मीन | 18:10:2015 |
| कुम्भ | 17:11:2015 |

### वृश्चिक दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| मेष | 18:12:2015 |
| वृष | 17:01:2016 |
| मिथुन | 17:02:2016 |
| कर्क | 18:03:2016 |
| सिहं | 18:04:2016 |
| कन्या | 18:05:2016 |
| तुला | 18:06:2016 |
| वृश्चिक | 18:07:2016 |
| धनु | 18:08:2016 |
| मकर | 17:09:2016 |
| कुम्भ | 18:10:2016 |
| मीन | 17:11:2016 |

### तुला दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| मकर | 18:12:2016 |
| धनु | 17:01:2017 |
| वृश्चिक | 16:02:2017 |
| तुला | 19:03:2017 |
| कन्या | 18:04:2017 |
| सिहं | 19:05:2017 |
| कर्क | 18:06:2017 |
| मिथुन | 18:07:2017 |
| वृष | 18:08:2017 |
| मेष | 17:09:2017 |
| मीन | 18:10:2017 |
| कुम्भ | 17:11:2017 |

### कन्या दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| वृश्चिक | 18:12:2017 |
| तुला | 17:01:2018 |
| कन्या | 16:02:2018 |
| सिहं | 19:03:2018 |
| कर्क | 18:04:2018 |
| मिथुन | 19:05:2018 |
| वृष | 18:06:2018 |
| मेष | 18:07:2018 |
| मीन | 18:08:2018 |
| कुम्भ | 17:09:2018 |
| मकर | 18:10:2018 |
| धनु | 17:11:2018 |

### सिहं दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| धनु | 18:12:2018 |
| मकर | 17:01:2019 |
| कुम्भ | 16:02:2019 |
| मीन | 19:03:2019 |
| मेष | 18:04:2019 |
| वृष | 19:05:2019 |
| मिथुन | 18:06:2019 |
| कर्क | 18:07:2019 |
| सिहं | 18:08:2019 |
| कन्या | 17:09:2019 |
| तुला | 18:10:2019 |
| वृश्चिक | 17:11:2019 |

### कर्क दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| कन्या | 18:12:2019 |
| सिहं | 17:01:2020 |
| कर्क | 17:02:2020 |
| मिथुन | 18:03:2020 |
| वृष | 18:04:2020 |
| मेष | 18:05:2020 |
| मीन | 18:06:2020 |
| कुम्भ | 18:07:2020 |
| मकर | 18:08:2020 |
| धनु | 17:09:2020 |
| वृश्चिक | 18:10:2020 |
| तुला | 17:11:2020 |

### मिथुन दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| वृश्चिक | 18:12:2020 |
| तुला | 17:01:2021 |
| कन्या | 16:02:2021 |
| सिहं | 19:03:2021 |
| कर्क | 18:04:2021 |
| मिथुन | 19:05:2021 |
| वृष | 18:06:2021 |
| मेष | 18:07:2021 |
| मीन | 18:08:2021 |
| कुम्भ | 17:09:2021 |
| मकर | 18:10:2021 |
| धनु | 17:11:2021 |

### वृष दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| मकर | 18:12:2021 |
| धनु | 17:01:2022 |
| वृश्चिक | 16:02:2022 |
| तुला | 19:03:2022 |
| कन्या | 18:04:2022 |
| सिहं | 19:05:2022 |
| कर्क | 18:06:2022 |
| मिथुन | 18:07:2022 |
| वृष | 18:08:2022 |
| मेष | 17:09:2022 |
| मीन | 18:10:2022 |
| कुम्भ | 17:11:2022 |

### मेष दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| मेष | 18:12:2022 |
| वृष | 17:01:2023 |
| मिथुन | 16:02:2023 |
| कर्क | 19:03:2023 |
| सिहं | 18:04:2023 |
| कन्या | 19:05:2023 |
| तुला | 18:06:2023 |
| वृश्चिक | 18:07:2023 |
| धनु | 18:08:2023 |
| मकर | 17:09:2023 |
| कुम्भ | 18:10:2023 |
| मीन | 17:11:2023 |

### दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| ... | --- |
| ... | --- |
| ... | --- |
| ... | --- |
| ... | --- |
| ... | --- |
| ... | --- |
| ... | --- |
| ... | --- |
| ... | --- |
| ... | --- |
| ... | --- |

### दशा

| भुक्ति | से |
|---|---|
| ... | --- |
| ... | --- |
| ... | --- |
| ... | --- |
| ... | --- |
| ... | --- |
| ... | --- |
| ... | --- |
| ... | --- |
| ... | --- |
| ... | --- |
| ... | --- |

# जातक से संबंधित सामान्य भविष्यफल

## सामान्य जानकारी :–

आपकी लग्न राशि कन्या है, जिसका स्वामी बुध है। यह एक भौतिक, साधारण, लचीली तथा वायु तत्व की राशि है। विशेषतः यह नीरस और मानवीय राशि है।

इस लग्न में जन्म होने के कारण आप मेधावी, अध्ययनपरायण एवं समझदार होंगे। आप विचारक, सिद्धान्तवादी तथा विधिवत कार्य करने वाले होंगे तथा ज्ञान की खोज में लगे रहेंगे। आप शान्त और स्थिर दिमाग वाले होंगे और लम्बे समय तक अपने मस्तिष्क को एकाग्रचित करके कोई कार्य कर सकते हैं। भौतिक और रासायनिक विज्ञान में आपकी रूचि होगी। अनौपचारिक अध्ययन एवं अनुसंधान में भी आपकी रूचि होगी। आपका ज्ञान विस्तृत होगा और आप वाक्पटु होंगे। आपके ये गुण दूसरों को प्रभावित करेंगे और लोग आपकी प्रशंसा करेंगे। आपका व्यक्तित्व आकर्षक होगा। आप सतत प्रयास और धैर्य के लिए जाने जायेंगे। अपनी भावनाओं और आवेगों पर आपका नियंत्रण होगा। आप एक कूटनीतिज्ञ और चतुर व्यक्ति होंगे। आपकी वाणी में मिठास और नम्रता होगी।

कला, संगीत और साहित्य में भी आपकी रूचि होगी और आप इन विधाओं में निपुणता प्राप्त करेंगे। आप महत्वाकांक्षी होंगे। आप बहुत उदार और सुशील होंगे। आप सादा जीवन और ऊँचे विचार की शैली को मान्यता देंगे ओर कम खर्चीले होंगे। आप धार्मिक होंगे और धर्म तथा परम्पराओं के प्रति आपके हृदय में सम्मान होगा। यात्रा और भ्रमण पर जाना आपको पसन्द होगा। आपमें अनेक प्रकार की चीजों को इकट्ठा करने की उत्सुकता होगी, जो आपकी कल्पना को जागृत करेगा। आप अपने द्वारा इकट्ठा की गयी चीजों को नष्ट करने के पक्ष में नहीं होंगे।

## मानसिक स्थिति :–

आपकी कुण्डली में चन्द्रमा कन्या राशि में स्थित है, जो बुध द्वारा संचालित होता है। यह साधारण, नकारात्मक और भौतिक राशि है। आप शान्त स्वभाव वाले, लेकिन चंचल प्रवृति के हो सकते हैं। आप अधिक महत्वाकांक्षी नहीं होंगे। आप अहंकारी तथा निराधार वादे करने वालों से घृणा करेंगे। आपका भौतिक स्तर ऊँचा होगा तथा आप बौद्धिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। आप ऐसा कार्य करना पसन्द करेंगे, जिसमें जिम्मेदारी और अधीनस्थता हो। आप शान्तिमय तथा तनावमुक्त जीवन पसन्द करेंगे।

आपका अपने परिवार से लगाव होगा तथा आपके निकट सम्बन्धी आपके जीवन को आनन्दमय तथा खुशहाल बना देंगे। कृषि उत्पाद, दवाइयां, आयुर्वेद, खाद्य पदार्थ, मिष्ठान तथा घर में प्रयोग किये जाने वाले दूसरे उपकरण आपको आकर्षित करेंगे। आप अपने सहयोगियों, वरिष्ठ अधिकारियों तथा अधीनस्थ अधिकारियों से मीठे

सम्बन्ध विकसित करेंगे। यदि आपका कोई घरेलू नौकर है, तो उसका आचरण ठीक होगा और वो आपका आदर करेगा।

आपका स्वभाव जन्म से ही जागरूक और तेज होगा, फिर भी आप कुछ कम बोलने वाले भी हो सकते हैं, जिसके कारण आप सामान्य रूप से धैर्यवान होंगे। कम उम्र में ही आपका पारिवारिक भाग्य क्षीण होने के कारण या घरेलू विवाद, किसी तरह का प्रतिबन्ध या कमी आपके जीवन को पीछे की ओर खींच सकती है। औपचारिक तौर पर आप विष्लेषण विज्ञान पढ़ेंगे, लेकिन हस्तकला में भी दिलचस्पी होगी और आप केवल सैद्धान्तिक विषय पढ़ने में ही दिलचस्पी नहीं रखेंगे, लेकिन व्यवहारिक भी होंगे और आप उनका पूर्णतया उपयोग करने में रूचि रखेंगे। आप कुछ नई जानकारियों तथा तथ्यों की खोज कर सकते हैं या आप रोजमर्रा में प्रयोग किये जाने वाले कुछ उपकरणों का अविष्कार भी कर सकते हैं। समय के साथ–साथ आपकी परिपक्वता और भागीदारी की क्षमता बढ़ेगी, स्वभाव मिलनसार होगा, संवाद बेहतर होगा। शिक्षण या सांस्कृतिक कार्यक्रम के सिलसिले में आपके किसी दूरस्थ स्थान या विदेश जाने की संभावना है।

## शारीरिक संरचना :–

आपकी रंगत गोरी और व्यक्तित्व आकर्षक होगा। आपके नेत्र सुन्दर और चेहरा चौड़ा होगा। आपके चेहरे पर एक मुस्कराहट विराजमान रहेगी। आप मध्यम कद के बढ़िया आकृति, पतले तथा गोल चेहरे वाले हो सकते हैं। आपका शरीर छरहरा होगा, लेकिन सीना चौड़ा होगा। आप देखने में युवा प्रतीत होंगे। आपकी नाक सीधी और नुकीली तथा आवाज तीखी हो सकती है। आपका स्वभाव चंचल हो सकता हैं।

## गुण :–

आपकी ताक्रिक क्षमता विलक्षण होगी और आप बहुत बुद्धिमान और विवेकी होंगे। आपकी स्मरण शक्ति बहुत उतम होगी। आपको कई विषयों का ज्ञान होगा। आपको ललित कलाओं, जैसे संगीत, साहित्य आदि से प्रेम होगा। आप झगड़ों और कलहों से दूर रहेंगे और सौहार्दप्रिय होंगे। आप धीरे–धीरे नम्रतापूर्वक बोलेंगे तथा आपकी वाणी मृदु होगी। आप चीजों को व्यवस्थित ढ़ंग से करना और रखना पसन्द करेंगे। आप मितव्ययी होंगे और फिजूलखर्ची से दूर रहेंगे।

## अवगुण :–

आपमें आत्मविश्वास की कमी हो सकती है। कभी–कभी आप भ्रमित हो सकते हैं, जिससे आपको अपने निर्णय पर पहुंचने में विलम्ब हो सकता है, इस कारण से आप निरूत्साहित हो सकते हैं। आप छदम रूप से दंभी हो सकते है। आप नकचढ़े हो सकते हैं और आपको खुश करना कठिन हो सकता है। आप दूसरों के धन और घर का लाभ उठा सकते हैं। आप आवेगी हो सकते हैं। आपमें प्रतिशेध की भावना हो सकती है। आपका वास्तविकता से कोई नाता नहीं हो सकता है और आप सपनों के संसार में विचरण कर सकते हैं।

## विशेष लक्षण :–

1– आप कर्तव्यपरायण होंगे और अपने कार्यों और जिम्मेदारियों को पूर्ण समर्पण के साथ निभायेंगे।

2– चीजों का विश्लेषण करके अपनी तक्रशक्ति के अधार पर आप उनकी समालोचना करेंगे।

3– आपकी बुद्धि बहुत तीक्ष्ण होगी और अपनी विलक्षण ग्राह्य क्षमता के कारण नवीन चीजों को आप शीघ्र आत्मसात कर लेंगे।

4– आप प्रत्येक कार्य विधिवत ढ़ंग से करेंगे और उनके हर पहलू, हर बारीकी और तथ्य पर ध्यान देंगे।

5– आप एक कुशल अन्वेशक होंगे और अपने आस–पास की परिस्थितियों को जांचने–परखने की आपमें अद्‌भुत क्षमता होगी।

## रोजगार :–

आपका मेधावी होने का गुण आपको बौद्धिक कार्यों की तरफ आकर्षित करेगा। आपके लिए ऐसे कार्य जहां दिमाग का प्रयोग हो, उत्तम रहेंगे। आप सलाहकार, वकील, अध्यापक, गणितज्ञ, चिकित्सक, प्रबंधक, सांख्यिकी विद्, प्रोफेसर, कांउसलर, लेखक, लेखाकार आदि बनकर अपने भविष्य को चमका सकते हैं। आप संगीतज्ञ, अभिनेता, कम्प्यूटर प्रोग्रामर, टेलीफोन आपरेटर, सुनार, ट्रांसपोर्ट या टूर प्रबंधक के रूप में भी प्रगति कर सकते हैं।

## शुभ एवं अशुभ ग्रह :–

1– आप कर्तव्यपरायण होंगे और अपने कार्यों और जिम्मेदारियों को पूर्ण समर्पण के साथ निभायेंगे।

2– चीजों का विश्लेषण करके अपनी तक्रशक्ति के अधार पर आप उनकी समालोचना करेंगे।

3– आपकी बुद्धि बहुत तीक्ष्ण होगी और अपनी विलक्षण ग्राह्य क्षमता के कारण नवीन चीजों को आप शीघ्र आत्मसात कर लेंगे।

4– आप प्रत्येक कार्य विधिवत ढ़ंग से करेंगे और उनके हर पहलू, हर बारीकी और तथ्य पर ध्यान देंगे।

5– आप एक कुशल अन्वेशक होंगे और अपने आस–पास की परिस्थितियों को जांचने–परखने की आपमें अद्‌भुत क्षमता होगी।

6– आपके लग्न का स्वामी बुध होने के कारण आपके लिए सबसे शुभ होगा।

7– द्वितीयेश और नवमेश शुक्र एक लाभकारी ग्रह होगा।3–तृतीयेश और अष्टमेश मंगल अति अशुभ होगा। एकाददेश चन्द्रमा भी शुभ है।

8– बृहस्पति सप्तमेश होने के कारण मारकेश है।

## कन्या लग्न वाले कुछ महत्वपूर्ण व्यक्ति :–

अजहरूद्‌दीन, सचिन तेंदुलकर, वेंकटेश प्रसाद – क्रिकेटर, जान एफ कैनेडी, विल क्लींटन – पूर्व अमेरिकी

राष्ट्रपति, प्रिंसेस डायना – वेल्स की राजकुमारी, मुजीबुर रहमान – बांग्लादेश के जन्मदाता, राजीव गांधी, पी वी नरसिम्हाराव – पूर्व प्रधनमंत्री, लियंडर पेस – टेनिस खिलाड़ी, राधाकृष्णनन – भारत के पूर्व राष्ट्रपति।

# विभिन्न ज्योतिष कारकों का फल

## जन्म कालिक ब्राहस्पत्य (संवत्सर) का फल :

आपका जन्म प्रमादी संवत्सर में हुआ है।यदि आपकी कुण्डली में कुछ अनुकूल योग मौजूद नहीं हैं, और/या यदि कुछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव मौजूद नहीं हैं, तो आपको कुछ प्रतिकूल परिणाम प्राप्त होने की संभावना है। आप बहुत बुद्धिमान या ज्ञानी नहीं हो सकते हैं, और उत्तम आजीविका कमाने के लिए पर्याप्त कुशल नहीं हो सकते हैं। तो भी आप वृथा अभिमानी प्रकृति और अत्यधिक घमंडी स्वभाव के हो सकते हैं, एवं विद्वेषी व लालची व्यक्ति हो सकते हैं। आप विचारहीन और झगड़ालु हो सकते हैं, कई लोगों का विरोध कर सकते हैं, तथा निन्दनीय व बुरे कामों को करने में आपको विशेष सुख मिल सकता है।

## जन्म कालिक सौर अयन का फल :

आपका जन्म सूर्य के दक्षिणायन (यमयायन) में हुआ है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रतिकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो संकेत अनुकूल नहीं हैं। आप कुछ हद तक दम्भी और हठी प्रकृति या असहिष्णु स्वभाव वाले व्यक्ति हो सकते हैं। आप कठोर हृदय वाले या कपटी हो सकते हैं। आप कृषि कार्यों और/या मवेशियों के पालन से अपनी जीविकोपार्जन कर सकते हैं। साथ ही, आप कुछ ऐसे कार्यों को करने में संलग्न हो सकते हैं, जहां आपके द्वारा किए गए कार्यों की अपेक्षा आपको प्राप्त होने वाला पारिश्रमिक बिल्कुल भी सामंजस्यपूर्ण नहीं हो सकता है।

## जन्म कालिक ऋतु का फल :

आपका जन्म हेमन्त ऋतु में हुआ है। यदि कुछ प्रतिकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में मौजूद नहीं हैं, तो ये संकेत अनुकूल हैं। आप अत्यंत बुद्धिमान, विचारवान, ज्ञानी और विवेकशील व्यक्ति होंगे। आप स्वतन्त्र विचारों के साथ–साथ उदार प्रवृत्ति वाले व्यक्ति होंगे और सदैव न्यायसंगत कार्य करने में संलग्न रहेंगे। आपकी धार्मिक रूचि उत्कृष्ट होगी और आप अपनी आजीविका एक वरिष्ठ सलाहकार या एक परामर्शदाता बनकर अर्जित कर सकते हैं। आप सुन्दर आचरण और विनम्र प्रवृत्ति के व्यक्ति होंगे– जिसके लिए लोग आपके साथ सम्मानपूर्ण व्यवहार करेंगे।

## जन्म कालिक मास का फल :

आपका जन्म पौष मास (दिसम्बर/जनवरी) में हुआ है। यदि आपकी कुण्डली मे कुछ संशोधनकारी प्रभाव मौजूद नहीं हैं, तो संकेत बहुत अनुकूल नहीं हैं। यद्यपि आप आकर्षक व्यक्तित्व और सुन्दर स्वरूप वाले होंगे, फिर भी, आपकी शारीरिक संरचना कमजोर हो सकती है, आपको अपने माता–पिता से आर्थिक सहयोग प्राप्त नहीं हो सकता है।, तो भी आप लापरवाही से खर्च कर सकते हैं। साथ ही, आप गोपनीय प्रकृति के हो सकते हैं और अपने विचार व निर्णय अपने तक ही सीमित रख सकते हैं– जिससे आप अपने विरोधियों को आघात पहुंचाने में सक्षम हो सकते हैं। सुखद पहलु यह है, कि आप धार्मिक विचारों वाले, पवित्र ग्रन्थों का अध्ययन करने के शौकीन

और विद्वानों व धर्मपरायण लोगों का उचित सम्मान करने वाले होंगे।

## जन्म कालिक पक्ष का फल :

आपका जन्म कृष्ण पक्ष में हुआ है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो ये संकेत अनुकूल नहीं हैं। आपकी शारीरिक संरचना कुछ–कुछ कमजोर हो सकती है और आप आसानी से रोगादि से ग्रसित हो सकती हैं। आप चंचल प्रकृति और अस्थिर स्वभाव वाली हो सकती हैं। आप पर शरारती और/या झगड़ालु होने की छाप लग सकती है। आप बहुत भावुक प्रकृति की हो सकती हैं, चीजों को उनके उचित परिपेक्ष्य में देखे बिना ही आप राई को पहाड़ बना सकती हैं।
जैसाकि आपकी कुण्डली में अति शुभ ग्रह बृहस्पति की चंद्रमा के साथ युति है (या इस पर उसकी दृष्टि पड़ रही है), आपमें मानसिक शांति और मिजाज की समानता विद्यमान होगी। आप खुले विचारों के साथ–साथ स्पष्टवादी प्रकृति, आशावादी दृष्टिकोण और परोपकारी स्वभाव की महिला होंगी। आर्थिक रूप से आप काफी सम्पन्न होंगी और आपके मित्रों व परिचितों का दायरा विस्तृत होगा। आप सदैव स्वयं निर्णय करने की स्थिति में होंगी और आपके दायरे के लोग कुछ महत्वपूर्ण मामलों में आपकी कीमती राय या सलाह ले सकते हैं।

## जन्म कालिक वार का फल :

आपका जन्म सोमवार को हुआ है। दिवसपति चंद्रमा की स्थिति आपकी कुण्डली में काफी महत्वपूर्ण है। इसका फल– भाव में इसकी स्थिति के अनुसार– और भी अधिक महत्वपूर्ण होगा। सामान्यतः अन्य सारे संकेत अनुकूल हैं। आप शांत स्वभाव के ज्ञानी व्यक्ति होंगे– इसके अतिरिक्त मृदुभाषी व स्थिर चित्त वाले होंगे। बाहरी स्थिति में परिवर्तन के बाद भी आप सुव्यवस्थित/अनुद्विग्न रहेंगे एवं अपने उद्देश्यों की पूर्ति का मार्ग आपको ज्ञात होगा। आप बहुत लोकप्रिय होंगे एवं अधिकारियों से अनेक प्रत्यक्ष समर्थन और अप्रत्यक्ष लाभ का आनन्द लेंगे।

## दिन या रात के जन्म का फल :

आपका जन्म रात्रि के समय में हुआ है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो आप कुछ हद तक आलसी हो सकते हैं और आपको दिन में सोने का शौक हो सकता है। आप कुछ–कुछ गोपनीय प्रकृति के हो सकते हैं और आप अपनी कुछ इच्छायें या उद्देश्य गुप्त रखना चाहेंगे। इसके अतिरिक्त आप थोड़े कामुक भी हो सकते हैं– जिसकी वजह से आप अपने जीवनसाथी से दबे हो सकते हैं। आप सक्रिय, उर्जावान, आशावादी और उत्साह से परिपूर्ण होंगे।

## जन्म कालिक सूर्य सिद्धान्त योग का फल :

सूर्य–सिद्धान्त के अनुसार आपका जन्म सौभाग्य योग में हुआ है। यह योग अनुकूल श्रेणी से संबंध रखता है। इस योग में जन्म होने के कारण, आप कई मामलों में अत्यंत भाग्यशाली होंगे। आप सदाचारी प्रवृत्ति वाले विद्वान और बुद्धिमान व्यक्ति होंगे और सदैव न्यायसंगत मार्ग का चयन करेंगे। आपके व्यवहार, ईमानदारी, विवेकशीलता और

दूरदर्शिता के लिए लोग आपको अधिक सम्मान देंगे और उनसे संबंधित महत्वपूर्ण मामलों में आपसे विशिष्ट सलाह ले सकते हैं।

## जन्म कालिक तिथि का फल :

आपका जन्म नवमी तिथि को हुआ है। आपका अपने पिता से नजदीकी लगाव होगा और शिक्षकों व उपदेशकों के प्रति सम्मानपूर्ण व्यवहार करेंगे, लेकिन स्वभाव से आप कुछ हद तक भिन्न हो सकते हैं– जिसकी वजह से आपके कुछ अपने लोग ही आपका विरोध कर सकते हैं या आपसे फायदा उठाने का प्रयास कर सकते हैं। आपका धार्मिक रूझान उत्कृष्ट होगा और आपमें न्याय व शिष्टाचार की समझ अत्यंत सराहनीय होगी। आप कक्रश व कड़क बोली तथा भ्रष्ट प्रकृति के हो सकते हैं, यहां तक कि आपके अपने लोग भी आपके बुरे बर्ताव के कारण आपकी निन्दा कर सकते हैं।

## जन्म कालिक करन का फल :

आपका जन्म गरिजा करन में हुआ है। यह चर श्रेणी का पांचवां करन है। आप उत्तम स्वास्थ्य, सुगठित शारीरिक संरचना, सुन्दर स्वरूप और मनोहारी बर्ताव से सुसम्पन्न होंगे। आप बुद्धिमान और ज्ञानी होंगे, उदार वादी विचारों वाले, सम्माननीय और दूसरों के प्रति हितकारी भाव रखने वाले होंगे। आप चतुर होंगे, किन्तु विवेकपूर्ण भी होंगे, आप अपने सभी शत्रुओं को पूर्णतः परास्त करने में सक्षम होंगे– किन्तु आप ऐसा बिना किसी गुट, सामाजिक संघ या कपटपूर्ण कार्यों का सहारा लिए ही करेंगे। आपकी सफलता की कुंजी आपकी सहनशीलता, दृढ़ता, समझदारी और समय पर कार्य करने की आदत होगी। आप अपना मार्ग स्वयं बनाने में सक्षम होंगे और दीर्घकाल में अपने समकालीनों से आगे निकल जाएंगे।

## जन्म कालिक नक्षत्र का फल :

आपकी जन्मकुण्डली में, चंद्रमा हस्त नक्षत्र में स्थित है। इस नक्षत्र में जन्म लेने के कारण, आप अनेक मामलों में बहुत भाग्यशाली होंगी। आप सक्रिय आदतों, संवेदनशील प्रकृति और विचारशील प्रवृत्ति की महिला होंगी। आप अत्यंत बुद्धिमान और सुशिक्षित होंगी। इसके अतिरिक्त, आपको पवित्र प्राचीन ग्रन्थों का अध्ययन करने में गहन रूचि होगी, या फिर, आप ललित कलाओं की किसी विधा में प्रवीणता अर्जित कर सकती हैं। आप रचनात्मक कल्पना और उत्कृष्ट विचारों से सम्पन्न होंगी। आप एक लेखक, सम्पादक, अंशदाता, आलोचक आदि के रूप में विख्यात हो सकती हैं। आपके व्यवसाय का कुछ संबंध नगर निगम, जल–कार्य, व्यापारी जलयान (मर्चेन्ट–नेवी), आयात–निर्यात आदि से हो सकता है, आपकी आय उत्कृष्ट होगी।

## जन्म कालिक लग्न का फल :

आपका जन्म कन्या लग्न में हुआ है। यह राशिचक्र की छठवीं राशि है। संरचनात्मक रूप से यह एक पृथ्वी तत्व की उभय राशि है– शासित ग्रह बुध की नकारात्मक राशि। आप उदीयमान राशि कन्या और इसके स्वामी ग्रह

बुध की नैसर्गिक विशेषताओं और विशिष्ट गुणों से सम्पन्न होंगे। इस राशि की लाक्षणिक विशेषताएं फसल और पालन–पोषण है। इस राशि का स्वामित्व शरीर के आंतों और सौर तंतुजाल (अमाशय के पीछे का तंत्रिका–जाल) के भाग पर है। आपको आंतों की धीमी गतिविधि के कारण समस्याएं हो सकती हैं। आपको जैतून का रंग पसन्द होगा, आपका भाग्यशाली रत्न गोमेद है और आपका पसन्दीदा फूल एस्टर (गेंदे के प्रकार का कई रंगों वाला) है।

आप अपनी स्वयं की दुनिया में रहने में विश्वास कर सकते हैं, तथा या फिर, किसी समय आप काफी शर्मीले और किसी दूसरे समय में बहुत स्पष्टवादी हो सकते हैं। बहुत शीघ्र ही बड़े हो जाने और भारी जिम्मेदारियों का बोझ उठाने का भय आपके मन में उत्पन्न असुरक्षा की भावना का प्रमुख कारण हो सकता है। किन्तु एक ऐसा समय आएगा, जब आप अचानक ही जीवन के गंभीर उद्देश्यों को समझेंगे।

आपका सकारात्मक पक्ष यह है कि, आप मेहनती प्रकृति और गैरसमझौतावादी प्रवृत्ति के एक चैतन्य व्यक्ति होंगे। हालांकि, आप कुछ हद तक अल्पभाषी और एकान्तप्रिय हो सकते हैं। आप अविष्कारक दिमाग, रचनात्मक कल्पनाशीलता, स्पष्ट समझ, ताक्रिक सोच और पक्षपातरहित दृष्टिकोण से सम्पन्न होगे। आप सहनशीलता और दृढ़ता की प्रतिमूर्ति होंगे एवं अत्यंत उत्तम कार्य करने के उद्देश्य से समर्पित होंगे।

इसका दूसरा पक्ष यह है, कि आप स्वकेन्द्रित, छिद्रान्वेषी और घमण्डी प्रवृत्ति के हो सकते हैं– व्यर्थ में बाल की खाल निकालने की आदत हो सकती है। आप जिम्मेदारी से दूर भागने और सुविधाजनक तरीकों से लाभ प्राप्त करने की कलात्मक दक्षता प्राप्त कर सकते हैं। आपका दिमाग विकृत विचारों से पूर्ण हो सकता है और धूर्तता एवं कपटपूर्ण तरीकों से अपने हितों को पूरा करने की अनुचित भावना आपके अन्दर जन्म ले सकती है।

आपकी कुण्डली में संचालित ग्रहीय प्रभावों का एकत्रित प्रभाव और आपके द्वारा अपनी इच्छा–शक्ति के प्रयोग का तरीका यह निर्धारित करेगा, कि आप कौन सा रास्ता चुनना पसन्द करेंगे और आपको उस पर चलने से वास्तव में किस प्रकार का परिणाम प्राप्त होगा।

## जन्म कालिक होरा का फल :

आपकी कुण्डली में लग्न मेष राशि के प्रथम होरा में स्थित है– जो कि सिंह होरा के समकक्ष है। इस युति के कारण आपका कद लम्बा और व्यक्तित्व ओजपूर्ण होगा। लेकिन आपका मिजाज गर्म हो सकता है और आपको बदमाश किस्म के लोगों की संगति पसन्द हो सकती है। आपमें अनावश्यक रूप से इधर–उधर देखने की विशेष आदत हो सकती है, और आप यह मान सकते हैं कि आप दूसरों से अधिक चालाक हैं।

## जन्म कालिक द्रेष्काण का फल :

आपकी कुण्डली में, लग्न कन्या राशि के तीसरे द्रेष्काण में स्थित है– जो वृषभ द्रेष्काण के समकक्ष है। इस योग के कारण, आप कई मामलों में भाग्यशाली होंगे। आपकी शारीरिक संरचना औसत होगी, लेकिन काया स्थूल और

आकृतियां स्पष्ट होंगी। आपको आडम्बर से घृणा होगी, अतः आप समस्याओं से मुक्त रहेंगे, आपमें चीजों का हल खोजने और कुछ लोगों को नियुक्त करने की विलक्षण क्षमता होगी– जो उनको हल कर सकें तथा आप उनको अपने मित्रों व परिचितों के दायरे में पाएंगे। वित्तिय मामलों में भी आप चिन्ता मुक्त रहेंगे। आपकी अपनी आय बहुत उत्तम होगी और आवश्यकता पड़ने पर दूसरों से भी आप मदद प्राप्त करेंगे। ईश्वर आपको एक शांतिपूर्ण और खुशहाल जीवन के आनन्द का वरदान देंगे।

## जन्म कालिक प्राणपद का फल :

आपकी कुण्डली में, प्राणपद सातवें भाव (डर–भाव) में स्थित है। यह एक अनुकूल योग नहीं है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो संकेत अनेक मामलों में बहुत अनुकूल नहीं हैं। आपके विचार विकृत हो सकते हैं और आप कारण व तर्क सुनना पसन्द नहीं कर सकते हैं। आप दूषित दिमाग और कामुक प्रकृति के होने के साथ–साथ क्रोधी मिजाज के हो सकते हैं, जिसे शांत करना कठिन हो सकता है। आपके व्यवहार के कारण आपके कुछ मित्र शत्रु भी बन सकते हैं।

## जन्म कालिक गुलिक का फल :

आपकी कुण्डली में, गुलिक सातवें भाव (डर–भाव) में स्थित है। यह बिल्कुल भी अनुकूल योग नहीं है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो संकेत अनेक मामलों में अनुकूल नहीं हैं। आपके जीवनसाथी का मिजाज बहुत खराब और बर्ताव बुरा हो सकता है तथा आपको उसके अधीन रहना पड़ सकता है। इसके अतिरिक्त, आपको कई क्षेत्रों से विरोध का सामना करना पड़ सकता है। आपके मित्रों की संख्या बहुत कम हो सकती है, और जीवन बहुत अरूचिकर और आनन्दरहित हो सकता है।

## जन्म कालिक गण का फल :

देव गण नक्षत्र में जन्म लेने के कारण आप अनेक मामलों में भाग्यशाली होंगे। आप आकर्षक व्यक्तित्व, सुन्दर स्वरूप, मनोहारी बर्ताव और उदार स्वभाव के व्यक्ति होंगे। आप ईश्वर के प्रति समर्पित, बड़ों, शिक्षकों व उपदेशकों के प्रति श्रद्धापूर्ण होंगे। आपकी आवाज सुरीली और वचन मधुर होंगे। आपकी भूख कम होगी और आप सात्विक भोजन करना पसन्द करेंगे। आप धनी और सद्‍गुणी होंगे। आप दूसरों की योग्यताओं की प्रशंसा करने और सद्‍गुणों को सुनने में भी सक्षम होंगे।

## जन्म कालिक वर्ण का फल :

वैश्य वर्ण नक्षत्र में जन्म लेने के कारण आप कुछ मामलों में भाग्यशाली होंगे। आप आध्यात्मिक विकास की तीसरी श्रेणी से संबद्ध होंगे, आर्थिक लाभ एवं धन संग्रह आपका मुख्य उद्‍देश्य हो सकता है। शैक्षिणिक उपलब्धियों एवं आध्यात्मिक उन्नति का आपके लिए बहुत अधिक महत्व नहीं हो सकता है, आप आय के मानक और भौतिक अधिग्रहणों के स्तर से अधिक प्रभावित होंगे। आप बहुत युक्तिपूर्ण और चतुर होंगे– हमेशा अपने

हितों को ही पूरा करने में लगे रहेंगे। आपका मनोबल बहुत ऊँचा नहीं हो सकता है, और सिद्धान्त लचीले हो सकते हैं। आप बहुत धनी होंगे एवं अपने जीवनसाथी व संतानों से बहुत प्रेम करेंगे, फिर भी आप बहुत खुश नहीं हो सकते हैं– जैसाकि कहीं पर किसी चीज के अभाव के कारण खालीपन महसूस कर सकते हैं। आपकी धन और अधिग्रहणों के प्रति दीवानगी के कारण आपके अपने लोग आपको एक मशीनी यंत्र के समान समझ सकते हैं।

# कुण्डली में लागू होने वाले ग्रह योग (ग्रहयुति)

## कुण्डली में लागू होने वाले महत्वपूर्ण योग

आपकी जन्मकुण्डली में, चतुर्थेश नीच का है या एक शत्रु की राशि में स्थित है अथवा एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह के साथ संबद्ध है या एक बुरे षष्ठीआंश में स्थित है। यह योग काफी प्रतिकूल है, इसे बन्धुभिसत्याक्त योग कहा जाता है। यदि आपकी कुण्डली में कुंछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस योग के होने के कारण आपके संबंधियों और मित्रों द्वारा जीवन में कभी आपका परित्याग किया जा सकता है– भले ही आपकी कोई छोटी गलती हो या वास्तव में कोई गलती ना हो।

आपकी जन्मकुण्डली में, पंचमेश बलशाली नहीं है– उच्चस्थ या अपनी राशि या अपने नक्षत्र में नहीं होने के कारण। इसके अतिरिक्त, यह एक केन्द्र या त्रिकोण भाव में स्थित है। इस विशिष्ट योग को एक–पुत्र योग कहा जाता है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव मौजूद नहीं हैं, तो आपको केवल एक संतान की प्राप्ति हो सकती है– जिसके पुत्र होने की संभावना अत्यधिक है।

आपकी जन्मकुण्डली में, द्वितीयेश की चतुर्थेश के साथ युति है या उसपर इसकी दृष्टि है, जबकि इन दोनों ग्रहों में से कोई भी ग्रह अस्त या ग्रसित नहीं है। यह एक अनुकूल योग है, इसे मातृ मूलत धन योग कहा जाता है। इस योग के होने के कारण, आपको अपनी माता से आर्थिक लाभ प्राप्त होगा।

आपकी जन्मकुण्डली में, बृहस्पति और शुक्र की पांचवें भाव में युति है। पांचवें भाव में कोई नैसर्गिक अशुभ ग्रह ना तो स्थित है और ना ही दृष्टि डाल रहा है। यह एक अनुकूल योग है, इसे अपत्य सुख योग कहा जाता है। इस योग के होने के कारण, आप योग्य संतानों की प्राप्ति के संदर्भ में विशेष रूप से भाग्यशाली होंगे– जो आपके परिवार के लिए सदैव गर्व व आनन्द का स्रोत बनेंगे।

आपकी जन्मकुण्डली में, विवाह का नैसर्गिक कारक (शुक्र) वक्री या अस्त या ग्रसित नहीं है। इसके अतिरिक्त, इसकी सर्वोत्तम नैसर्गिक शुभ ग्रह (बृहस्पति) के साथ युति है या इसकी उस पर दृष्टि है। यह एक अनुकूल योग है, इसे सत कलत्र योग कहा जाता है। आपकी कुण्डली में इस योग के होने के कारण, आप जीवनसाथी प्राप्त करने के मामले में वास्तव में बहुत भाग्यशाली होंगे– जो एक कुलीन परिवार से होंगी और सदगुणों व विशेषताओं की प्रतिमूर्ति होंगी।

आपकी जन्मकुण्डली में, तीसरा भाव एक नैसर्गिक शुभ ग्रह की राशि में है और एक नैसर्गिक शुभ ग्रह तीसरे भाव में स्थित है या इस पर दृष्टि डाल रहा है, जबकि तृतीयेश का नवांश–राशिपति भी एक नैसर्गिक शुभ ग्रह है।

समग्र रूप से यह एक लाभकारी योग है, इसे सत कथादि श्रवण योग कहा जाता है। आपकी कुण्डली में इस योग की उपस्थिति के कारण, आप एक पवित्र आत्मा वाले व्यक्ति होंगे, आपको प्राचीन शास्त्रों, धार्मिक ग्रन्थों और दर्शनशास्त्र का अध्ययन करने में रूचि होगी। आपको साधुजनों का दर्शन करने में भी गहन रूचि होगी तथा उनके धार्मिक प्रवचनों को आप बहुत ध्यान से सुनेंगे।

आपकी जन्मकुण्डली में, द्वितीयेश की एक नैसर्गिक शुभ ग्रह के साथ युति है तथा यह एक केन्द्र या त्रिकोण भाव में स्थित है। यह समग्र योग बहुत अनुकूल है, इसे युक्ति समन्वित वाग्मि योग कहा जाता है। आप वाक्पटुता की प्रतिभा से सम्पन्न होंगे तथा अपनी अकाट्य तर्कशक्ति और भाषण दक्षता के कारण सुविख्यात होंगे। अत्यधिक संभावना है कि आप सभाओं में अपनी चमक बिखेर सकते हैं और ख्याति अर्जित कर सकते हैं।

## कुण्डली में लागू होने वाले अरिष्ट योग

आपकी जन्मकुण्डली में, सूर्य और राहु आपके चौथे भाव में स्थित हैं– जबकि इनमें से कोई भी उच्चस्थ या अपने भाव में स्थित नहीं है। यह एक प्रतिकूल योग है– इसे अरिष्ट योग कहते हैं। आपके पिता को आपके जन्म के आस–पास किसी समय कष्ट सहन करना पड़ा होगा तथा उनका स्वास्थ्य व सुख आपके पारिवारिक सदस्यों की गंभीर चिन्ता का कारण बना होगा। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो आपके पिता की सोच उनके जीवनकाल में किसी समय कुछ–कुछ भ्रमित हो सकती है।

## कुण्डली में लागू होने वाले रवि योग

जैसाकि एक ग्रह (चंद्रमा के अलावा) सूर्य से दूसरे भाव में उपस्थित है तथा ऐसा ही एक ग्रह सूर्य से बारहवें भाव में भी स्थित है। इससे उभयचारी योग नामक ग्रह स्थिति उत्पन्न होती है। इसके अतिरिक्त, जैसाकि ये दोनों ही ग्रह नैसर्गिक शुभ ग्रह हैं, अतः यह योग बहुत शुभ होगा, क्योंकि सूर्य आपकी कुण्डली में शुभ–करतरी योग में है। इस समग्र योग को उभयचारी शुभ करतरी योग कहा जाता है। जैसाकि यह योग अनेक अनुकूल परिणामों और शुभ घटनाओं का सूचक है, आपका जन्म एक धनी परिवार में हुआ है, और आप निश्चित रूप से अपने जीवन में काफी कम आयु में ही एक विशिष्ट स्थान तक पहुंचेंगे। आप सरकारी स्रोतों से लाभ प्राप्त करेंगे, जीवन की सभी प्रकार की सुख–सुविधाओं का आनन्द लेंगे तथा आपका नाम व यश दूर–दूर तक फैलेगा।

## कुण्डली में लागू होने वाले नभश योग

आपकी कुण्डली में दामिनी योग नामक एक नभश योग मौजूद है। यह एक प्रशंसनीय ग्रह स्थिति है। आप बहुत समृद्ध होंगे, पूर्णतः सभ्य प्रकृति, धैर्यवान और बहुत विद्वान होंगे। आप उदार प्रवृति वाले होंगे तथा सदैव दूसरों के प्रति करूणा का भाव रखेंगे। आप जानवरों के प्रति दयालु होंगे एवं उनकी किसी प्रकार से सेवा भी करेंगे। आप

पारम्परिक धार्मिक रीतियों का निर्वाहन करेंगे, सुखमय व शांतिपूर्ण वैवाहिक जीवन का आनन्द लेंगे तथा आपकी संतानें योग्य और कर्तव्यनिष्ठ होंगी। आपका नाम व यश दूर–दूर तक फैलेगा।

## कुण्डली में लागू होने वाले धन योग

आपकी जन्मकुण्डली में, आठवें भाव का स्वामी मजबूत स्थिति में है, आप आर्थिक रूप से सम्पन्न होंगे। इसके अतिरिक्त, आपको एक लाभप्रद पद प्राप्त होने की बहुत अधिक संभावना है एवं नौकरी में उत्तम स्थान प्राप्त करेंगे– आपके कार्य का कोई संबंध बीमा, प्रॉविडेन्ट फंड, कर संग्रह आदि से हो सकता है। या फिर, आपको अपने जीवनसाथी या व्यावसायिक साझेदार से आर्थिक लाभ प्राप्त हो सकता है। या फिर, आप अपना स्वयं का उपक्रम प्रारम्भ करने के लिए कुछ प्रमुख वित्तीय संस्थानों से ऋण के रूप में बड़ी मात्रा में धन प्राप्त कर सकते हैं।

आपकी जन्मकुण्डली में, एक अत्यंत शुभ योग मौजूद है। अपने स्वयं के प्रयत्नों को निर्देशित करके तथा अपनी इच्छाशक्ति के वास्तविक शक्ति के आधार पर आप अपने समकालीनों से बहुत आगे निकल जाएंगे। आपकी सभी महात्वाकांक्षाएं फलीभूत होंगी और आपकी अभिलाषित इच्छाएं पूर्ण होंगी। आपके आस–पास के लोग आपको एक अनुकरणीय व्यक्ति तथा एक प्रेरणादायक स्रोत के रूप में मानेंगे। आप अपने जीवनसाथी, संतानों, संबंधियों और मित्रों के साथ समृद्धिपूर्ण और खुशहाल जीवन व्यतीत करेंगे।जैसाकि आपकी जन्मकुण्डली में, लग्नेश की बृहस्पति के साथ युति है– जो कि एक अनुकूल स्थिति में है। एक शुभ योग का निर्माण हो रहा है। आप धन संबंधी मामलों में भाग्यशाली होंगे, अत्युत्तम आय होगी तथा निश्चित रूप से बहुत धनवान होंगे।

आपकी जन्मकुण्डली में, चतुर्थेश द्वितीयेश के साथ संबद्ध है (या इस पर उसकी दृष्टि है)– जबकि इन दोनों ग्रहों में से कोई भी ग्रह किसी प्रकार से पीड़ित नहीं है। आप अपनी माता के संबंध में भाग्यशाली होंगे तथा उनसे आपको धन–सम्पदा की प्राप्ति होगी। आपको अपने संबंधियों तथा कृषि से भी लाभ मिलेगा।जैसाकि आपके ग्यारहवें भाव में एक जल तत्व की राशि स्थित है। आपको अपने पैतृक/जन्म स्थान से उत्तर दिशा में स्थित स्थानों पर/से उत्तम लाभ प्राप्त हो सकता है।

## कुण्डली में लागू होने वाले वित्तहानि योग

जैसाकि आपकी जन्मकुण्डली में, एक घोर अशुभ ग्रह आपके आठवें भाव में स्थित है– जो कि किसी शुभ ग्रह से प्रभावित नहीं है। यद्यपि आप काफी सम्पन्न होंगे, तो भी आपको बहुत सावधान और सतर्क रहना चाहिए एवं अनावश्यक रूप से अत्यधिक जोखिम नहीं उठाना चाहिए। आपको गम्भीर प्रकार की अशुभ घटना का सामना करना पड़ सकता है। इस बात की भी संभावना है, कि आप किसी अन्य व्यक्ति/व्यक्तियों को गंभीर चोट पहुंचा सकते हैं– जिसके लिए आपकी पेशी हो सकती है या दंडित तक किया जा सकता है।

# ग्रह स्थिती वर्षफल

**Varhphal Years: 43 (2016-2017) Varhphal Date: 18:12:2016, Time: 02:19Hrs**

| ग्रह | राशि | अंश | नक्षत्र | विशेष |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | कन्या | 28:15 | चित्रा(2) | |
| सूर्य(ग्र.) | धनु | 02:15 | मूला (1) | **मित्र राशि** |
| चन्द्रमा | कन्या | 16:00 | हस्ता (2) | **स्व नक्षत्र** |
| मंगल | मेष | 04:42 | अश्विनी (2) | **स्व राशि** |
| बुध(अ.) | वृश्चिक | 19:51 | ज्येष्ठा (1) | **स्व नक्षत्र** |
| बृहस्पति | मकर | 17:56 | श्रवण (3) | **नीच राशि** |
| शुक्र | मकर | 13:00 | श्रवण (1) | **मित्र राशि** |
| शनि(व.) | मिथुन | 08:12 | अरिद्रा (1) | **मित्र राशि** |
| राहु(व.) | धनु | 05:10 | मूला (2) | **सम राशि** |
| केतु(व.) | मिथुन | 05:10 | मृगशिर (4) | **सम राशि** |
| हर्षल | तुला | 03:20 | चित्रा (4) | ..... |
| नेपच्यून | वृश्चिक | 14:20 | अनुराधा (4) | ..... |
| प्लूटो | कन्या | 13:11 | हस्ता (1) | ..... |

| ग्रह | राशि | अंश | नक्षत्र | विशेष |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | तुला | 05:46 | चित्रा(4) | |
| सूर्य | धनु | 02:15 | मूला (1) | मित्र राशि |
| चन्द्रमा | कर्क | 24:11 | अश्लेषा (3) | स्व राशि |
| मंगल | कुंभ | 04:45 | धनिष्ठा (4) | स्व राशि |
| बुध | धनु | 20:49 | पूर्वाषाढ़ (3) | सम राशि |
| बृहस्पति | कन्या | 25:19 | चित्रा (1) | शत्रु राशि |
| शुक्र | मकर | 17:40 | श्रवण (3) | मित्र राशि |
| शनि(अ.) | वृश्चि | 25:38 | ज्येष्ठा (3) | शत्रु राशि |
| राहु(व.) | सिंह | 12:52 | मघा (4) | शत्रु राशि |
| केतु(व.) | कुंभ | 12:52 | शतभिषा (2) | शत्रु राशि |
| हर्षल(व.) | मीन | 26:31 | रेवती (3) | .... |
| नेपच्यून(ग्र.) | कुंभ | 15:22 | शतभिषा (3) | .... |
| प्लूटो | धनु | 22:22 | पूर्वाषाढ़ (3) | .... |

## लग्न कुण्डली

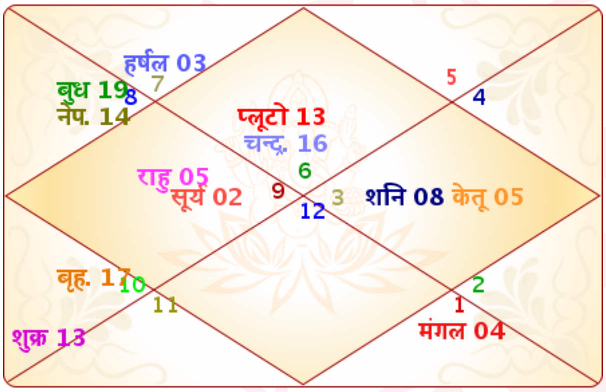


## चन्द्र कुण्डली

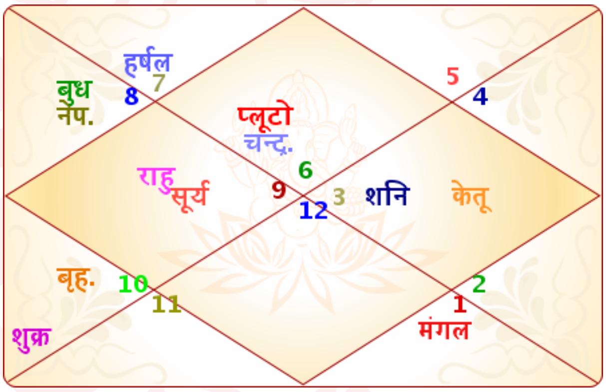


## लग्न कुण्डली ( वर्षफल )

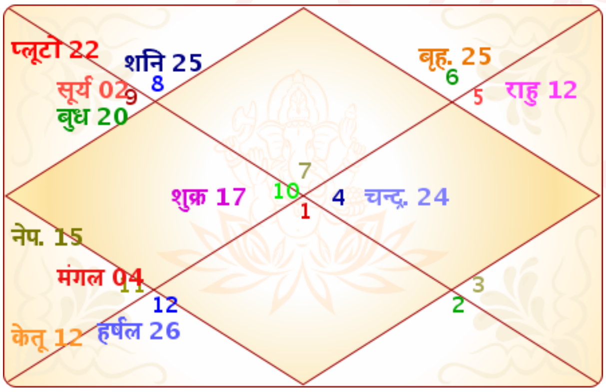


## चन्द्र कुण्डली ( वर्षफल )

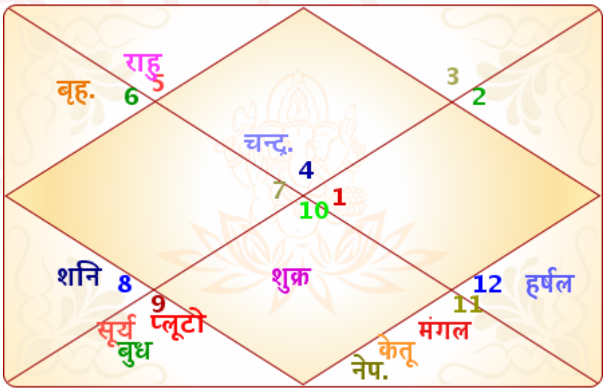


**MindSutra Software Technologies**

**A-16, Ramdutt Enclave, Milap Nagar,**

Uttam Nagar, New Delhi-110059

# वर्षफल कुण्डली में ग्रहों का बल

Varhphal Years: 43 (2016-2017) Varhphal Date: 18:12:2016, Time: 02:19Hrs

## पंचवर्गीय बल

| क्र0स0 | बल | रवि | चंद्र | मंगळ | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | क्षेत्र बल | 7.5 | 30.0 | 7.5 | 7.5 | 7.5 | 22.5 | 7.5 |
| 2 | उच्च बल | 5.81 | 10.98 | 19.25 | 9.35 | 11.07 | 12.3 | 16.04 |
| 3 | हद्दा बल | 3.75 | 11.25 | 11.25 | 15.0 | 7.5 | 15.0 | 15.0 |
| 4 | द्रेक्कन बल | 2.5 | 10.0 | 5.0 | 5.0 | 2.5 | 5.0 | 7.5 |
| 5 | नवांश बल | 3.75 | 3.75 | 5.0 | 2.5 | 1.25 | 2.5 | 5.0 |
| | योग | 5.83 | 16.5 | 12.0 | 9.84 | 7.46 | 14.32 | 12.76 |
| | तुलनात्मक बल | साधारण | पूर्णबली | बलशाली | साधारण | साधारण | बलशाली | बलशाली |

## द्वादश वर्गीय बल

| क्र0स0 | बल | रवि | चंद्र | मंगळ | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | राशि बल | 0 | +2 | 0 | 0 | 0 | -1 | 0 |
| 2 | होरा बल | +2 | 0 | -1 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 3 | द्रेक्कन बल | 0 | -1 | 0 | 0 | -1 | +2 | -1 |
| 4 | चतुर्थांश बल | 0 | 0 | 0 | +2 | 0 | 0 | 0 |
| 5 | पंचमाशं बल | -1 | 0 | +2 | +2 | -1 | -1 | -1 |
| 6 | षष्टाशं बल | -1 | -1 | +2 | 0 | +2 | -1 | -1 |
| 7 | सप्तमाशं बल | 0 | 0 | 0 | -1 | 0 | 0 | -1 |
| 8 | अष्टमाशं बल | 0 | 0 | -1 | 0 | 0 | 0 | +2 |
| 9 | नवाशं बल | -1 | -1 | +2 | 0 | 0 | 0 | +2 |
| 10 | दसाशं बल | 0 | 0 | 0 | +2 | -1 | -1 | -1 |
| 11 | एकादसाशं बल | 0 | -1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 12 | द्ववादशाशं बल | 0 | 0 | 0 | 0 | -1 | 0 | 0 |
| | योग | -1 | -2 | +4 | +5 | -2 | -2 | -1 |
| | तुलनात्मक बल | सम | सम | अच्छा | बहुत अच्छा | सम | सम | सम |

## हर्ष बल

| क्र0स0 | बल | रवि | चंद्र | मंगळ | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | स्थान बल | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 |
| 2 | क्षेत्र बल | 0.0 | 5.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 |
| 3 | ओज–युग्म बल | 0.0 | 0.0 | 5.0 | 5.0 | 5.0 | 0.0 | 5.0 |
| 4 | दिवा–रात्रि बल | 0.0 | 5.0 | 0.0 | 5.0 | 0.0 | 5.0 | 5.0 |
| | योग | 0 | 10 | 5 | 10 | 5 | 5 | 10 |
| | तुलनात्मक बल | निर्बबली | मध्यबली | अल्पबली | मध्यबली | अल्पबली | अल्पबली | मध्यबली |

# द्वादश वर्ग कुण्डली

लग्न कुण्डली

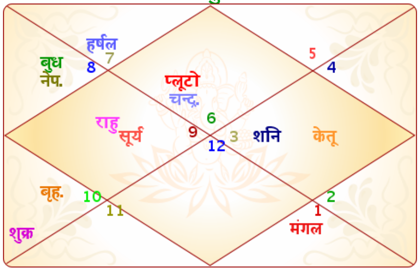


होरा कुण्डली

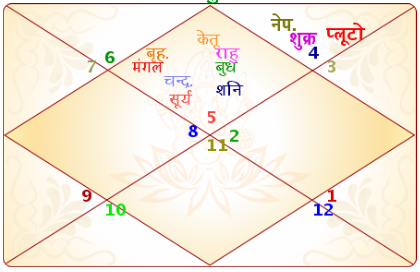


द्रेष्काण कुण्डली

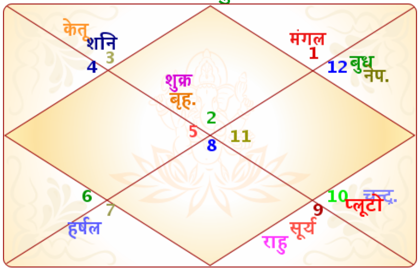


चतुर्थांश कुण्डली

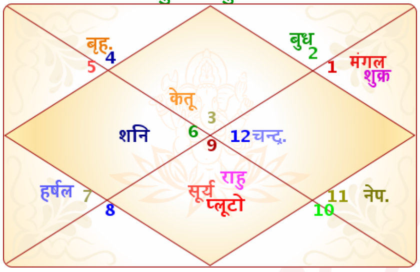


पंचमांश कुण्डली

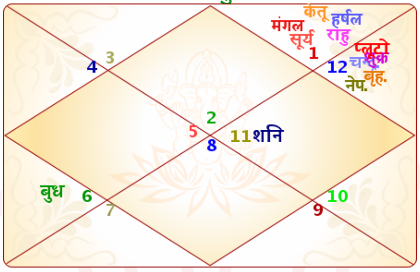


षष्टमांश कुण्डली

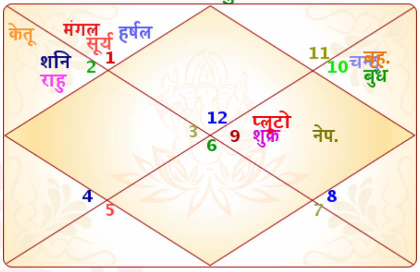


सप्तमांश कुण्डली

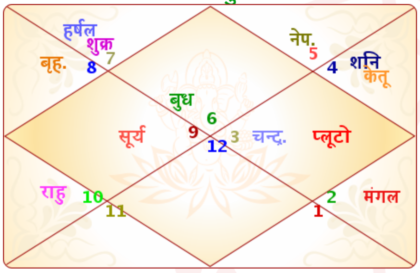


अष्टमांश कुण्डली

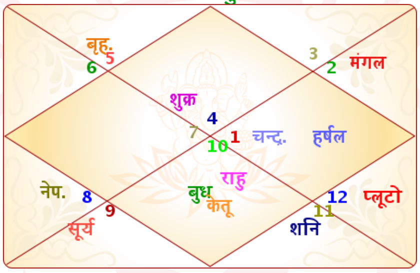


नवांश कुण्डली

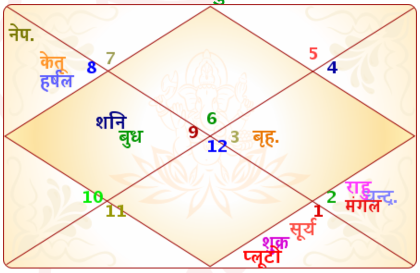


चर्तुविशांश कुण्डली

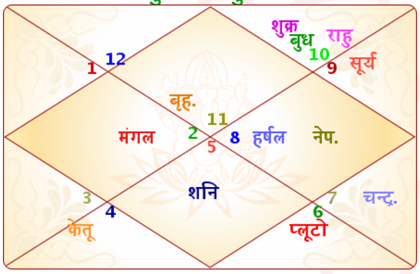


एकादशांश कुण्डली

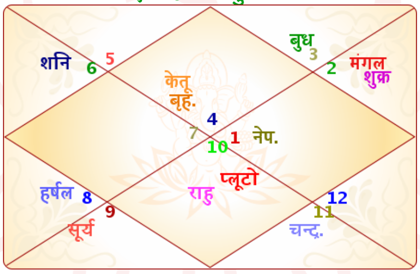


द्वादशांश कुण्डली

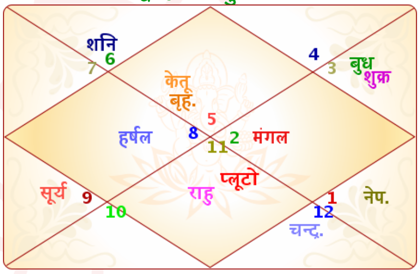


## वर्षफल कुण्डली में ग्रहों की दृष्टि

| | रवि | चंद्र | मंगळ | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहू | केतु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रवि | .... | सम | गु.प्रेम | प्र.शत्रु | गु.शत्रु | सम | सम | प्र.प्रेम | गु.प्रेम |
| चंद्र | सम | .... | सम | सम | गु.प्रेम | प्र.शत्रु | प्र.प्रेम | सम | सम |
| मंगळ | गु.प्रेम | सम | .... | गु.प्रेम | सम | सम | गु.शत्रु | प्र.शत्रु | प्र.शत्रु |
| बुध | प्र.शत्रु | सम | गु.प्रेम | .... | गु.शत्रु | सम | सम | प्र.प्रेम | गु.प्रेम |
| गुरु | गु.शत्रु | गु.प्रेम | सम | गु.शत्रु | .... | प्र.प्रेम | गु.प्रेम | सम | सम |
| शुक्र | सम | प्र.शत्रु | सम | सम | प्र.प्रेम | .... | गु.प्रेम | सम | सम |
| शनि | सम | प्र.प्रेम | गु.शत्रु | सम | गु.प्रेम | गु.प्रेम | .... | गु.शत्रु | गु.शत्रु |
| राहू | प्र.प्रेम | सम | प्र.शत्रु | प्र.प्रेम | सम | सम | गु.शत्रु | .... | प्र.शत्रु |
| केतु | गु.प्रेम | सम | प्र.शत्रु | गु.प्रेम | सम | सम | गु.शत्रु | प्र.शत्रु | .... |

प्र.प्रेमः–प्रकट प्रेम दृष्टि ,गु.प्रेमः–गुप्त प्रेम दृष्टि ,प्र.शत्रुः–प्रकट शत्रु दृष्टि ,गु.शत्रुः–गुप्त शत्रु दृष्टि ,समः–सम दृष्टि ,

**Varhphal Years: 43 (2016-2017) Varhphal Date: 18:12:2016, Time: 02:19Hrs**

| मुद्दा योगिनी दशा | | | मुद्दा षोडशोत्तरी दशा | | |
|---|---|---|---|---|---|
| दशा | अवधि | से | दशा | अवधि | से |
| भभद्रिका (बुध) | 0.0 y.1.0 m.21 d. | 18:12:2016 | चंद्र | 0.0 y.1.0 m.20 d. | 18:12:2016 |
| उल्का (शनि) | 0.0 y.2.0 m.0 d. | 06:02:2017 | बुध | 0.0 y.1.0 m.23 d. | 06:02:2017 |
| सिद्धा (शुक्र) | 0.0 y.2.0 m.11 d. | 08:04:2017 | शुक्र | 0.0 y.1.0 m.26 d. | 31:03:2017 |
| संकटा (शनि) | 0.0 y.2.0 m.20 d. | 18:06:2017 | रवि | 0.0 y.1.0 m.5 d. | 27:05:2017 |
| मंगला (चन्द्रमा) | 0.0 y.0.0 m.10 d. | 07:09:2017 | मंगल | 0.0 y.1.0 m.8 d. | 01:07:2017 |
| पिगंला (सूर्य) | 0.0 y.0.0 m.20 d. | 17:09:2017 | गुरु | 0.0 y.1.0 m.11 d. | 07:08:2017 |
| धान्य (वृहस्पति) | 0.0 y.1.0 m.0 d. | 08:10:2017 | रवि | 0.0 y.1.0 m.5 d. | 17:09:2017 |
| भ्रमरि (मंगल) | 0.0 y.1.0 m.10 d. | 07:11:2017 | मंगल | 0.0 y.1.0 m.8 d. | 22:10:2017 |

## पत्ययनी दशा

| क्र0स0 | दशा | अवधि | से |
|---|---|---|---|
| 1 | रवि | 0.0 y.1.0 m.2 d. | 18:12:2016 |
| 2 | मंगल | 0.0 y.1.0 m.6 d. | 19:01:2017 |
| 3 | लग्न | 0.0 y.0.0 m.15 d. | 23:02:2017 |
| 4 | शुक्र | 0.0 y.5.0 m.18 d. | 10:03:2017 |
| 5 | बुध | 0.0 y.1.0 m.15 d. | 26:08:2017 |
| 6 | चंद्र | 0.0 y.1.0 m.18 d. | 10:10:2017 |
| 7 | गुरु | 0.0 y.0.0 m.16 d. | 27:11:2017 |
| 8 | शनि | 0.0 y.0.0 m.5 d. | 13:12:2017 |

## मुद्दा विंशोत्तरी दशा

| क्र0स0 | दशा | अवधि | से |
|---|---|---|---|
| 1 | शुक्र | 0.0 y.2.0 m.0 d. | 18:12:2016 |
| 2 | रवि | 0.0 y.0.0 m.19 d. | 16:02:2017 |
| 3 | चंद्र | 0.0 y.1.0 m.0 d. | 07:03:2017 |
| 4 | मंगल | 0.0 y.0.0 m.21 d. | 06:04:2017 |
| 5 | राहू | 0.0 y.1.0 m.24 d. | 27:04:2017 |
| 6 | गुरु | 0.0 y.1.0 m.19 d. | 21:06:2017 |
| 7 | शनि | 0.0 y.1.0 m.27 d. | 09:08:2017 |
| 8 | बुध | 0.0 y.1.0 m.21 d. | 06:10:2017 |
| 9 | केतु | 0.0 y.0.0 m.21 d. | 26:11:2017 |

## वर्ष जैमिनी चर दशा

| क्र0स0 | दशा | अवधि | से |
|---|---|---|---|
| 1 | तुला | 0.0 y.0.0 m.11 d. | 18:12:2016 |
| 2 | वृश्चिक | 0.0 y.1.0 m.3 d. | 29:12:2016 |
| 3 | धनु | 0.0 y.1.0 m.3 d. | 31:01:2017 |
| 4 | मकर | 0.0 y.1.0 m.7 d. | 05:03:2017 |
| 5 | कुंभ | 0.0 y.1.0 m.3 d. | 11:04:2017 |
| 6 | मीन | 0.0 y.1.0 m.7 d. | 14:05:2017 |
| 7 | मेष | 0.0 y.0.0 m.8 d. | 20:06:2017 |
| 8 | वृष | 0.0 y.0.0 m.30 d. | 27:06:2017 |
| 9 | मिथुन | 0.0 y.1.0 m.7 d. | 27:07:2017 |
| 10 | कर्क | 0.0 y.1.0 m.14 d. | 02:09:2017 |
| 11 | सिंह | 0.0 y.0.0 m.30 d. | 16:10:2017 |
| 12 | कन्या | 0.0 y.1.0 m.3 d. | 14:11:2017 |

# पत्ययनी दशाफल

**Varhphal Years: 43 (2016-2017) Varhphal Date: 18:12:2016, 02:19Hrs**

## रवि दशा

**18:12:2016-18:01:2017**

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, सूर्य उपचय भाव (तीसरे या छठें या दसवें या ग्यारहवें) में स्थित है। यह नीचस्थ अथवा राहु (या केतु) के निकट स्थित नहीं है। यह एक अनुकूल योग है एवं सूर्य की दशा आपके लिए उपयोगी व लाभदायक साबित होगी। आप अपने सभी प्रयासों में सफल होंगे एवं इस अवधि के दौरान कुछ विशेष उपलब्धि हासिल करेंगे। वरिष्ठ अधिकारी एवं सरकारी कर्मचारी आपके प्रति अनुकूल होंगे एवं आपको उनसे समर्थन व लाभ प्राप्त हो सकता है।

## मंगल दशा

**19:01:2017-22:02:2017**

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, मंगल उच्चस्थ या नीचस्थ या अपनी राशि में स्थित नहीं है एवं यह ग्रसित या अस्त नहीं है। समग्र रूप से ये एक उदासीन योग का निर्माण करते है। अतः मंगल की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना/अवसर के होगी। हालांकि आपको अपने कार्यस्थल पर कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। या फिर आप अपने सगे या चचेरे भाई या पड़ोसी के साथ संपत्ति–विवाद में फंस सकते हैं, जिसके कारण आप झुंझलाहट महसूस कर सकते हैं।

## लग्न दशा

**23:02:2017-09:03:2017**

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, लग्नेश उच्चस्थ अथवा अपनी राशि में अथवा नीचस्थ नहीं है। किन्तु यह वक्री या अस्त या ग्रसित नहीं है। समग्र रूप से ये एक उदासीन योग का निर्माण करते हैं। अतः लग्न की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना या अवसर के होगी। हालांकि आपके कार्यस्थल की स्थिति कुछ हद तक बिगड़ सकती है। यद्यपि सामान्य लोग आपके साथ सम्मानपूर्ण व्यवहार करेंगे, फिर भी आपके वरिष्ठ/अधिकारी आपको दबाने का प्रयास कर सकते हैं एवं तक्रसंगत रूप से आपको मिलने वाला श्रेय किसी और को दे सकते हैं। या फिर आपको अन्यायपूर्वक बहुत छोटी अथवा बिना किसी गलती के दोषी ठहराया जा सकता है।

## शुक्र दशा

**10:03:2017-25:08:2017**

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, शुक्र उच्चस्थ या नीचस्थ या अपनी राशि में स्थित नहीं है एवं यह ग्रसित या अस्त नहीं है। समग्र रूप से ये एक उदासीन योग का निर्माण करते है। अतः शुक्र की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना/अवसर के होगी। सामान्यतः आपके सभी मामलें भली भांति चलेंगे। आपके पेशे के क्षेत्र में चीजें बहुत सहजतापूर्ण ढंग से होंगी। अपने सगे–संबंधियों व मित्रों की संगति में बिताने के लिए आप कुछ खाली समय निकालने में सक्षम होंगे। आपका घरेलू जीवन आनन्दपूर्ण व सुखमय

होगा।

## बुध दशा

**26:08:2017-09:10:2017**

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, बुध उच्चस्थ या नीचस्थ या अपनी राशि में स्थित नहीं है एवं यह ग्रसित या अस्त नहीं है। समग्र रूप से ये एक उदासीन योग का निर्माण करते है। अतः बुध की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना/अवसर के होगी। सामान्यतः आपके सभी मामलें भली भांति चलेंगे। आपके पेशे के क्षेत्र में चीजें बहुत सहजतापूर्ण ढंग से होंगी। अपने सगे–संबंधियों व मित्रों के साथ मिलने–जुलने के लिए आप कुछ खाली समय निकालने में सक्षम होंगे।

## चंद्र दशा

**10:10:2017-26:11:2017**

इस वर्ष आपकी वर्षफल कुण्डली में, चंद्रमा उच्चस्थ या अपनी राशि में है एवं यह ग्रसित नहीं है। चंद्रमा की दशा के दौरान आप अनेक मामलों में भाग्यशाली होंगे। आपकी आय एवं अर्जित लाभ में वृद्धि होगी एवं आपका घरेलू जीवन सुखमय व शांतिपूर्ण होगा। आप आभूषण व कुछ सम्पत्ति खरीदने के लिए अच्छी रकम खर्च कर सकते हैं। आप अपने संबंधियों व मित्रों से मिलने के लिए कुछ छोटी यात्राएं कर सकते हैं। आप पिकनिक व भ्रमण का भी आनन्द प्राप्त कर सकते हैं।

## गुरु दशा

**27:11:2017-12:12:2017**

श्श इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, गुरु उच्चस्थ या नीचस्थ या अपनी राशि में स्थित नहीं है एवं यह ग्रसित या अस्त नहीं है। समग्र रूप से ये एक उदासीन योग का निर्माण करते है। अतः गुरु की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना/अवसर के होगी। सामान्यतः आपके सभी मामलें भली भांति चलेंगे। आपके पेशे के क्षेत्र में चीजें बहुत सहजतापूर्ण ढंग से होंगी। अपने सगे–संबंधियों व मित्रों की संगति में बिताने के लिए आप कुछ खाली समय निकालने में सक्षम होंगे।

## शनि दशा

**13:12:2017-17:12:2017**

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, शनि नीचस्थ है या अस्त अथवा ग्रसित होने के कारण दूषित है। यह एक अनुकूल योग नहीं है। शनि की दशा आपके लिए अच्छी अवधि नहीं हो सकती है। अतः आपको सावधान व सचेत रहना चाहिए एवं अपने स्वास्थ्य का उचित ध्यान रखना चाहिए। आपके कुछ पारिवारिक सदस्यों का बिगड़ता हुआ स्वास्थ्य आपको कुछ चिन्तित कर सकता है। अथवा धन के अवरूद्ध होने के कारण आप अपने वचनों को पूरा करने में बहुत कठिनाई महसूस कर सकते हैं। आप कई कारणों से दुखी हो सकते हैं एवं अप्रसन्न या व्यथित महसूस कर सकते हैं। अथवा आप दुख या निराशा से पीड़ित हो सकते हैं। इस अवधि के दौरान किसी भी महत्वपूर्ण कार्य की शुरूआत करना अथवा किसी लम्बी यात्रा के लिए प्रस्थान करना अधिक फलदायक नहीं हो सकता है।

# ग्रह स्थिती वर्षफल

**Varhphal Years: 44 (2017-2018) Varhphal Date: 18:12:2017, Time: 08:23Hrs**

| ग्रह | राशि | अंश | नक्षत्र | विशेष |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | कन्या | 28:15 | चित्रा(2) | |
| सूर्य(ग्र.) | धनु | 02:15 | मूला (1) | **मित्र राशि** |
| चन्द्रमा | कन्या | 16:00 | हस्ता (2) | **स्व नक्षत्र** |
| मंगल | मेष | 04:42 | अश्विनी (2) | **स्व राशि** |
| बुध(अ.) | वृश्चिक | 19:51 | ज्येष्ठा (1) | **स्व नक्षत्र** |
| बृहस्पति | मकर | 17:56 | श्रवण (3) | **नीच राशि** |
| शुक्र | मकर | 13:00 | श्रवण (1) | **मित्र राशि** |
| शनि(व.) | मिथुन | 08:12 | अरिद्रा (1) | **मित्र राशि** |
| राहु(व.) | धनु | 05:10 | मूला (2) | **सम राशि** |
| केतु(व.) | मिथुन | 05:10 | मृगशिर (4) | **सम राशि** |
| हर्षल | तुला | 03:20 | चित्रा (4) | ..... |
| नेपच्यून | वृश्चिक | 14:20 | अनुराधा (4) | ..... |
| प्लूटो | कन्या | 13:11 | हस्ता (1) | ..... |

| ग्रह | राशि | अंश | नक्षत्र | विशेष |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | धनु | 27:25 | चित्रा(1) | |
| सूर्य | धनु | 02:15 | मूला (1) | मित्र राशि |
| चन्द्रमा(अ.) | धनु | 00:37 | मूला (1) | सम राशि |
| मंगल | तुला | 11:23 | स्वाति (2) | सम राशि |
| बुध(व.)(अ.) | वृश्चि | 21:02 | ज्येष्ठा (2) | स्व राशि |
| बृहस्पति | तुला | 20:20 | विशाखा (1) | स्व राशि |
| शुक्र(अ.) | वृश्चि | 26:57 | ज्येष्ठा (4) | सम राशि |
| शनि(अ.) | धनु | 05:38 | मूला (2) | सम राशि |
| राहु(व.) | कर्क | 23:31 | अश्लेषा (3) | शत्रु राशि |
| केतु(व.) | मकर | 23:31 | धनिष्ठा (1) | शत्रु राशि |
| हर्षल(व.) | मेष | 00:34 | अश्विनी (1) | .... |
| नेपच्यून | कुंभ | 17:32 | शतभिषा (4) | .... |
| प्लूटो | धनु | 24:12 | पूर्वाषाढ़ (4) | .... |

## लग्न कुण्डली

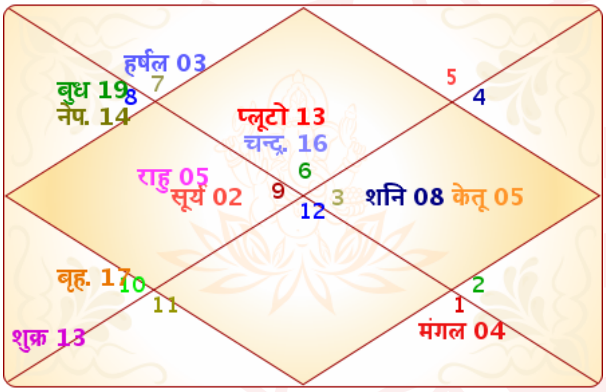


## चन्द्र कुण्डली

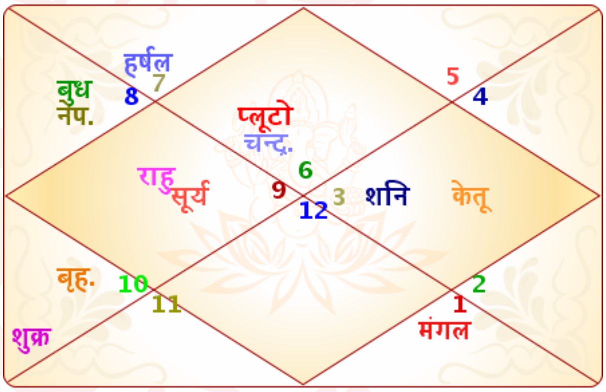


## लग्न कुण्डली ( वर्षफल )

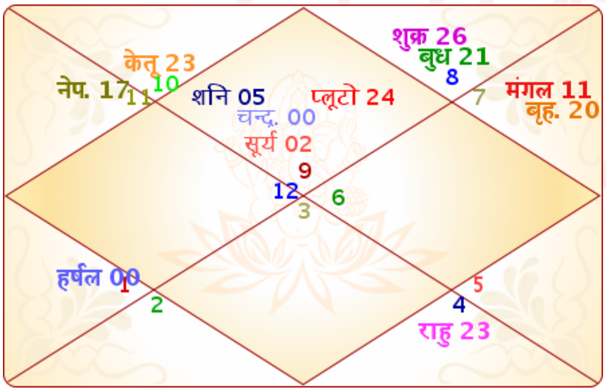


## चन्द्र कुण्डली ( वर्षफल )

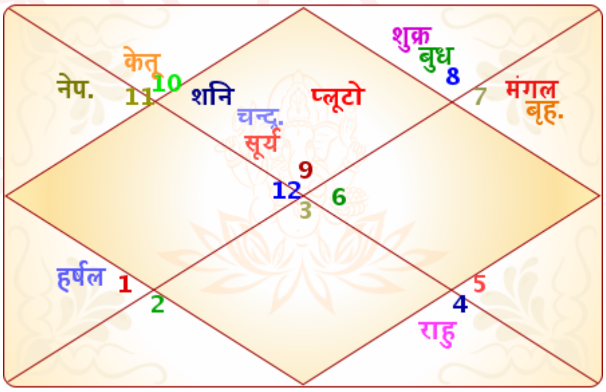

# वर्षफल कुण्डली में ग्रहों का बल

Varhphal Years: 44 (2017-2018) Varhphal Date: 18:12:2017, Time: 08:23Hrs

## पंचवर्गीय बल

| क्र0स0 | बल | रवि | चंद्र | मंगळ | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | क्षेत्र बल | 22.5 | 22.5 | 15.0 | 15.0 | 15.0 | 15.0 | 22.5 |
| 2 | उच्च बल | 5.81 | 3.07 | 8.15 | 12.66 | 8.29 | 6.66 | 14.93 |
| 3 | हद्दा बल | 11.25 | 11.25 | 7.5 | 7.5 | 15.0 | 7.5 | 11.25 |
| 4 | द्रेक्कन बल | 5.0 | 5.0 | 7.5 | 2.5 | 10.0 | 10.0 | 5.0 |
| 5 | नवांश बल | 3.75 | 3.75 | 3.75 | 2.5 | 1.25 | 2.5 | 2.5 |
| | योग | 12.08 | 11.39 | 10.47 | 10.04 | 12.38 | 10.41 | 14.04 |
| | तुलनात्मक बल | बलशाली | बलशाली | बलशाली | बलशाली | बलशाली | बलशाली | बलशाली |

## द्वादश वर्गीय बल

| क्र0स0 | बल | रवि | चंद्र | मंगळ | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | राशि बल | -1 | -1 | 0 | 0 | 0 | 0 | -1 |
| 2 | होरा बल | +2 | 0 | -1 | 0 | -1 | 0 | 0 |
| 3 | द्रेक्कन बल | -1 | -1 | -1 | 0 | 0 | 0 | -1 |
| 4 | चतुर्थांश बल | -1 | -1 | -1 | 0 | 0 | 0 | -1 |
| 5 | पंचमाशं बल | -1 | -1 | -1 | +2 | 0 | +2 | -1 |
| 6 | षष्टाशं बल | -1 | -1 | 0 | 0 | -1 | 0 | 0 |
| 7 | सप्तमाशं बल | -1 | -1 | 0 | +2 | -1 | 0 | +2 |
| 8 | अष्टमाशं बल | -1 | -1 | -1 | 0 | 0 | 0 | +2 |
| 9 | नवाशं बल | -1 | -1 | -1 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 10 | दसाशं बल | -1 | -1 | -1 | 0 | 0 | 0 | +2 |
| 11 | एकादसाशं बल | -1 | -1 | -1 | +2 | 0 | 0 | +2 |
| 12 | द्रवादशाशं बल | -1 | -1 | -1 | 0 | 0 | 0 | +2 |
| | योग | -9 | -11 | -9 | +6 | -3 | +2 | +6 |
| | तुलनात्मक बल | निकृष्ट | निकृष्ट | निकृष्ट | बहुत अच्छा | बुरा | साधारण | बहुत अच्छा |

## हर्ष बल

| क्र0स0 | बल | रवि | चंद्र | मंगळ | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | स्थान बल | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 5.0 | 0.0 | 0.0 |
| 2 | क्षेत्र बल | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 |
| 3 | ओज–युग्म बल | 0.0 | 5.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 5.0 |
| 4 | दिवा–रात्रि बल | 5.0 | 0.0 | 5.0 | 0.0 | 5.0 | 0.0 | 0.0 |
| | योग | 5 | 5 | 5 | 0 | 10 | 0 | 5 |
| | तुलनात्मक बल | अल्पबली | अल्पबली | अल्पबली | निर्बबली | मध्यबली | निर्बबली | अल्पबली |

# द्वादश वर्ग कुण्डली

लग्न कुण्डली

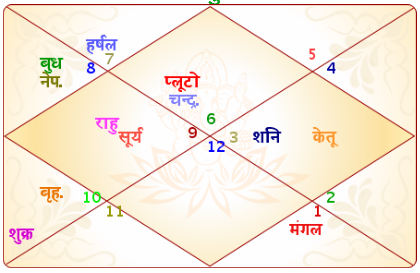


होरा कुण्डली

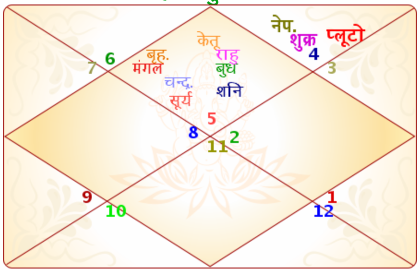


द्रेष्काण कुण्डली

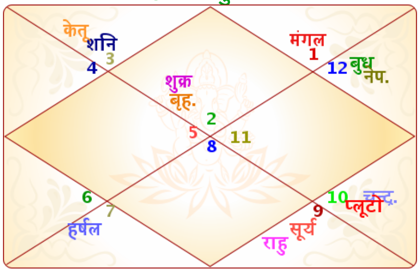


चतुर्थांश कुण्डली

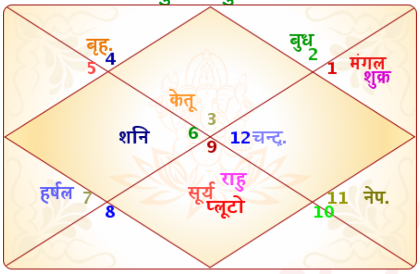


पंचमांश कुण्डली

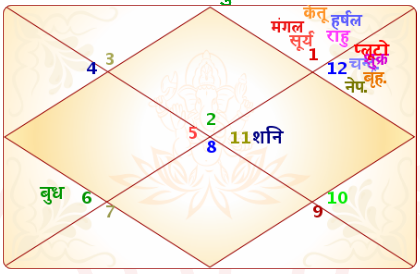


षष्टमांश कुण्डली

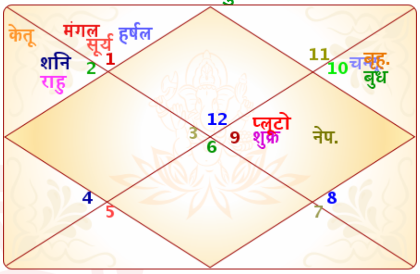


सप्तमांश कुण्डली

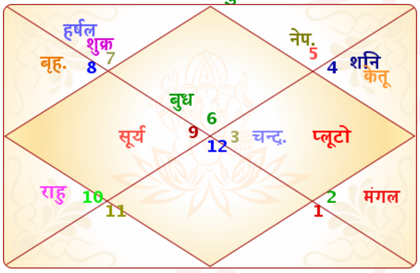


अष्टमांश कुण्डली

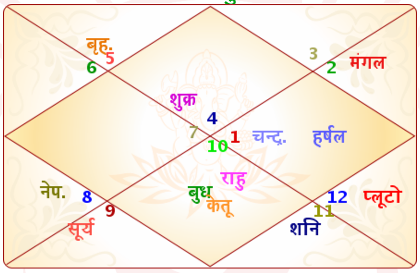


नवांश कुण्डली

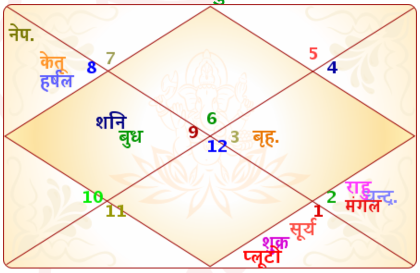


चर्तुविशांश कुण्डली

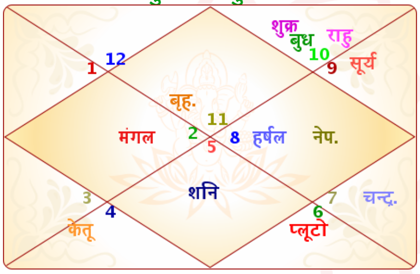


एकादशांश कुण्डली

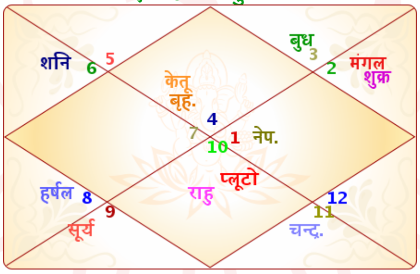


द्वादशांश कुण्डली

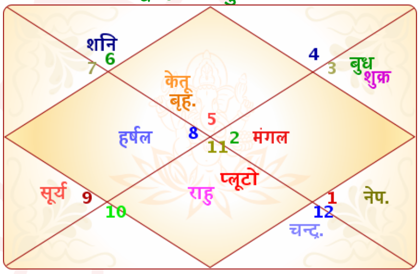


## वर्षफल कुण्डली में ग्रहों की दृष्टि

| | रवि | चंद्र | मंगळ | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहू | केतु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रवि | .... | प्र.शत्रु | गु.प्रेम | सम | गु.प्रेम | सम | प्र.शत्रु | सम | सम |
| चंद्र | प्र.शत्रु | .... | गु.प्रेम | सम | गु.प्रेम | सम | प्र.शत्रु | सम | सम |
| मंगळ | गु.प्रेम | गु.प्रेम | .... | सम | प्र.शत्रु | सम | गु.प्रेम | गु.शत्रु | गु.शत्रु |
| बुध | सम | सम | सम | .... | सम | प्र.शत्रु | सम | प्र.प्रेम | गु.प्रेम |
| गुरु | गु.प्रेम | गु.प्रेम | प्र.शत्रु | सम | .... | सम | गु.प्रेम | गु.शत्रु | गु.शत्रु |
| शुक्र | सम | सम | सम | प्र.शत्रु | सम | .... | सम | प्र.प्रेम | गु.प्रेम |
| शनि | प्र.शत्रु | प्र.शत्रु | गु.प्रेम | सम | गु.प्रेम | सम | .... | सम | सम |
| राहू | सम | सम | गु.शत्रु | प्र.प्रेम | गु.शत्रु | प्र.प्रेम | सम | .... | प्र.शत्रु |
| केतु | सम | सम | गु.शत्रु | गु.प्रेम | गु.शत्रु | गु.प्रेम | सम | प्र.शत्रु | .... |

प्र.प्रेमः–प्रकट प्रेम दृष्टि ,गु.प्रेमः–गुप्त प्रेम दृष्टि ,प्र.शत्रुः–प्रकट शत्रु दृष्टि ,गु.शत्रुः–गुप्त शत्रु दृष्टि ,समः–सम दृष्टि ,

**Varhphal Years: 44 (2017-2018) Varhphal Date: 18:12:2017, Time: 08:23Hrs**

| मुद्दा योगिनी दशा | | | मुद्दा षोडशोत्तरी दशा | | |
|---|---|---|---|---|---|
| दशा | अवधि | से | दशा | अवधि | से |
| उल्का (शनि) | 0.0 y.2.0 m.0 d. | 18:12:2017 | बुध | 0.0 y.1.0 m.23 d. | 18:12:2017 |
| सिद्धा (शुक्र) | 0.0 y.2.0 m.11 d. | 17:02:2018 | शुक्र | 0.0 y.1.0 m.26 d. | 09:02:2018 |
| संकटा (शनि) | 0.0 y.2.0 m.20 d. | 29:04:2018 | रवि | 0.0 y.1.0 m.5 d. | 07:04:2018 |
| मंगला (चन्द्रमा) | 0.0 y.0.0 m.10 d. | 19:07:2018 | मंगल | 0.0 y.1.0 m.8 d. | 12:05:2018 |
| पिगंला (सूर्य) | 0.0 y.0.0 m.20 d. | 29:07:2018 | गुरु | 0.0 y.1.0 m.11 d. | 18:06:2018 |
| धान्य (वृहस्पति) | 0.0 y.1.0 m.0 d. | 18:08:2018 | रवि | 0.0 y.1.0 m.5 d. | 29:07:2018 |
| भ्रमरि (मंगल) | 0.0 y.1.0 m.10 d. | 18:09:2018 | मंगल | 0.0 y.1.0 m.8 d. | 02:09:2018 |
| भभद्रिका (बुध) | 0.0 y.1.0 m.21 d. | 28:10:2018 | गुरु | 0.0 y.1.0 m.11 d. | 10:10:2018 |

## पत्ययनी दशा

| क्र0स0 | दशा | अवधि | से |
|---|---|---|---|
| 1 | चंद्र | 0.0 y.0.0 m.9 d. | 18:12:2017 |
| 2 | रवि | 0.0 y.0.0 m.22 d. | 26:12:2017 |
| 3 | शनि | 0.0 y.1.0 m.15 d. | 17:01:2018 |
| 4 | मंगल | 0.0 y.2.0 m.16 d. | 03:03:2018 |
| 5 | गुरु | 0.0 y.3.0 m.28 d. | 18:05:2018 |
| 6 | बुध | 0.0 y.0.0 m.10 d. | 15:09:2018 |
| 7 | शुक्र | 0.0 y.2.0 m.18 d. | 24:09:2018 |
| 8 | लग्न | 0.0 y.0.0 m.7 d. | 12:12:2018 |

## मुद्दा विंशोत्तरी दशा

| क्र0स0 | दशा | अवधि | से |
|---|---|---|---|
| 1 | रवि | 0.0 y.0.0 m.19 d. | 18:12:2017 |
| 2 | चंद्र | 0.0 y.1.0 m.0 d. | 05:01:2018 |
| 3 | मंगल | 0.0 y.0.0 m.21 d. | 05:02:2018 |
| 4 | राहू | 0.0 y.1.0 m.24 d. | 26:02:2018 |
| 5 | गुरु | 0.0 y.1.0 m.19 d. | 22:04:2018 |
| 6 | शनि | 0.0 y.1.0 m.27 d. | 09:06:2018 |
| 7 | बुध | 0.0 y.1.0 m.21 d. | 06:08:2018 |
| 8 | केतु | 0.0 y.0.0 m.21 d. | 27:09:2018 |
| 9 | शुक्र | 0.0 y.2.0 m.0 d. | 18:10:2018 |

## वर्ष जैमिनी चर दशा

| क्र0स0 | दशा | अवधि | से |
|---|---|---|---|
| 1 | धनु | 0.0 y.0.0 m.14 d. | 18:12:2017 |
| 2 | मेष | 0.0 y.2.0 m.7 d. | 31:12:2017 |
| 3 | सिंह | 0.0 y.1.0 m.24 d. | 09:03:2018 |
| 4 | मकर | 0.0 y.0.0 m.7 d. | 02:05:2018 |
| 5 | वृष | 0.0 y.2.0 m.7 d. | 09:05:2018 |
| 6 | कन्या | 0.0 y.0.0 m.14 d. | 15:07:2018 |
| 7 | कुंभ | 0.0 y.0.0 m.14 d. | 29:07:2018 |
| 8 | मिथुन | 0.0 y.1.0 m.4 d. | 11:08:2018 |
| 9 | तुला | 0.0 y.0.0 m.7 d. | 14:09:2018 |
| 10 | मीन | 0.0 y.1.0 m.4 d. | 21:09:2018 |
| 11 | कर्क | 0.0 y.1.0 m.17 d. | 25:10:2018 |
| 12 | वृश्चिक | 0.0 y.0.0 m.7 d. | 11:12:2018 |

# पत्ययनी दशाफल

**Varhphal Years: 44 (2017-2018) Varhphal Date: 18:12:2017, 08:23Hrs**

## चंद्र दशा

**18:12:2017-25:12:2017**

## रवि दशा

**26:12:2017-16:01:2018**

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, सूर्य उच्चस्थ या नीचस्थ या अपनी राशि में स्थित नहीं है एवं यह ग्रसित नहीं है। समग्र रूप से यह एक उदासीन योग का निर्माण करता है। अतः सूर्य की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना/अवसर के होगी। हालांकि आपको अपने कार्यस्थल पर कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है एवं आप अपने किसी वरिष्ठ अथवा सहकर्मी के साथ मामूली असहमति अथवा गलतफहमी के कारण झुंझलाहट महसूस कर सकते हैं।

## शनि दशा

**17:01:2018-02:03:2018**

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, शनि नीचस्थ है या अस्त अथवा ग्रसित होने के कारण दूषित है। यह एक अनुकूल योग नहीं है। शनि की दशा आपके लिए अच्छी अवधि नहीं हो सकती है। अतः आपको सावधान व सचेत रहना चाहिए एवं अपने स्वास्थ्य का उचित ध्यान रखना चाहिए। आपके कुछ पारिवारिक सदस्यों का बिगड़ता हुआ स्वास्थ्य आपको कुछ चिन्तित कर सकता है। अथवा धन के अवरूद्ध होने के कारण आप अपने वचनों को पूरा करने में बहुत कठिनाई महसूस कर सकते हैं। आप कई कारणों से दुखी हो सकते हैं एवं अप्रसन्न या व्यथित महसूस कर सकते हैं। अथवा आप दुख या निराशा से पीड़ित हो सकते हैं। इस अवधि के दौरान किसी भी महत्वपूर्ण कार्य की शुरूआत करना अथवा किसी लम्बी यात्रा के लिए प्रस्थान करना अधिक फलदायक नहीं हो सकता है।

## मंगल दशा

**03:03:2018-17:05:2018**

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, मंगल उपचय भाव (तीसरे या छठें या दसवें या ग्यारहवें) में स्थित है। यह नीचस्थ अथवा अस्त या ग्रसित होने के कारण दूषित नहीं है। वास्तव में यह एक अनुकूल योग है एवं सूर्य की दशा आपके लिए उपयोगी व लाभदायक साबित होगी। आप अपने सभी प्रयासों में सफल होंगे एवं इस अवधि के दौरान कुछ विशेष उपलब्धि हासिल करेंगे। वरिष्ठ एवं सरकारी अधिकारी आपके प्रति अनुकूल होंगे एवं आपको उनसे समर्थन व लाभ प्राप्त हो सकता है।

## गुरु दशा

**18:05:2018-14:09:2018**

श्श इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, गुरु उच्चस्थ या नीचस्थ या अपनी राशि में स्थित नहीं है एवं यह

ग्रसित या अस्त नहीं है। समग्र रूप से ये एक उदासीन योग का निर्माण करते है। अतः गुरु की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना/अवसर के होगी। सामान्यतः आपके सभी मामलें भली भांति चलेंगे। आपके पेशे के क्षेत्र में चीजें बहुत सहजतापूर्ण ढंग से होंगी। अपने सगे–संबंधियों व मित्रों की संगति में बिताने के लिए आप कुछ खाली समय निकालने में सक्षम होंगे।

## बुध दशा

**15:09:2018-23:09:2018**

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, बुध नीचस्थ है या अस्त अथवा ग्रसित होने के कारण दूषित है। यह एक अनुकूल योग नहीं है। बुध की दशा आपके लिए अच्छी अवधि नहीं हो सकती है। अतः आपको सावधान व सचेत रहना चाहिए एवं अपने स्वास्थ्य का उचित ध्यान रखना चाहिए। आप कफमय एवं वातमय रोगों से पीड़ित हो सकते हैं। इस अवधि के दौरान किसी भी महत्वपूर्ण कार्य की शुरूआत अथवा किसी लम्बी यात्रा के लिए प्रस्थान करना अधिक फलदायक नहीं हो सकता है। आपके कार्यस्थल की स्थिति कुछ–कुछ बिगड़ सकती है एवं अपने किसी सहकर्मी से विवाद होने के कारण आप चिड़चिड़े हो सकते हैं।

## शुक्र दशा

**24:09:2018-11:12:2018**

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, शुक्र नीचस्थ है या अस्त अथवा ग्रसित होने के कारण दूषित है। यह एक अनुकूल योग नहीं है। शुक्र की दशा आपके लिए अच्छी अवधि नहीं हो सकती है। अतः आपको सावधान व सचेत रहना चाहिए एवं अपने स्वास्थ्य का उचित ध्यान रखना चाहिए। आपके कुछ पारिवारिक सदस्य– विशेषकर आपकी पत्नी– का बिगड़ता हुआ स्वास्थ्य आपको कुछ चिन्तित कर सकता है। अथाव धन के अवरूद्ध होने के कारण आप अपने वचनों को पूरा करने में कठिनाई का सामना कर सकते हैं। इस अवधि के दौरान किसी भी महत्वपूर्ण कार्य की शुरूआत करना अथवा किसी लम्बी यात्रा के लिए प्रस्थान करना अधिक फलदायक नहीं हो सकता है।

## लग्न दशा

**12:12:2018-17:12:2018**

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, लग्नेश उच्चस्थ अथवा अपनी राशि में अथवा नीचस्थ नहीं है। किन्तु यह वक्री या अस्त या ग्रसित नहीं है। समग्र रूप से ये एक उदासीन योग का निर्माण करते हैं। अतः लग्न की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना या अवसर के होगी। हालांकि आपके कार्यस्थल की स्थिति कुछ हद तक बिगड़ सकती है। यद्यपि सामान्य लोग आपके साथ सम्मानपूर्ण व्यवहार करेंगे, फिर भी आपके वरिष्ठ/अधिकारी आपको दबाने का प्रयास कर सकते हैं एवं तक्रसंगत रूप से आपको मिलने वाला श्रेय किसी और को दे सकते हैं। या फिर आपको अन्यायपूर्वक बहुत छोटी अथवा बिना किसी गलती के दोषी ठहराया जा सकता है।

# ग्रह स्थिती वर्षफल

**Varhphal Years: 45 (2018-2019) Varhphal Date: 18:12:2018, Time: 14:33Hrs**

| ग्रह | राशि | अंश | नक्षत्र | विशेष |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | कन्या | 28:15 | चित्रा(2) | |
| सूर्य(ग्र.) | धनु | 02:15 | मूला (1) | **मित्र राशि** |
| चन्द्रमा | कन्या | 16:00 | हस्ता (2) | **स्व नक्षत्र** |
| मंगल | मेष | 04:42 | अश्विनी (2) | **स्व राशि** |
| बुध(अ.) | वृश्चिक | 19:51 | ज्येष्ठा (1) | **स्व नक्षत्र** |
| बृहस्पति | मकर | 17:56 | श्रवण (3) | **नीच राशि** |
| शुक्र | मकर | 13:00 | श्रवण (1) | **मित्र राशि** |
| शनि(व.) | मिथुन | 08:12 | अरिद्रा (1) | **मित्र राशि** |
| राहु(व.) | धनु | 05:10 | मूला (2) | **सम राशि** |
| केतु(व.) | मिथुन | 05:10 | मृगशिर (4) | **सम राशि** |
| हर्षल | तुला | 03:20 | चित्रा (4) | ..... |
| नेपच्यून | वृश्चिक | 14:20 | अनुराधा (4) | ..... |
| प्लूटो | कन्या | 13:11 | हस्ता (1) | ..... |

| ग्रह | राशि | अंश | नक्षत्र | विशेष |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | मेष | 23:45 | चित्रा(4) | |
| सूर्य | धनु | 02:15 | मूला (1) | मित्र राशि |
| चन्द्रमा | मेष | 05:34 | अश्विनी (2) | सम राशि |
| मंगल | कुंभ | 26:43 | पूर्वाभाद (3) | सम राशि |
| बुध | वृश्चि | 11:19 | अनुराधा (3) | सम राशि |
| बृहस्पति | वृश्चि | 14:43 | अनुराधा (4) | मित्र राशि |
| शुक्र | तुला | 16:54 | स्वाति (4) | स्व राशि |
| शनि(अ.) | धनु | 15:39 | पूर्वाषाढ़ (1) | सम राशि |
| राहु(व.) | कर्क | 04:10 | पुष्य (1) | शत्रु राशि |
| केतु(व.) | मकर | 04:10 | उत्तरा (3) | शत्रु राशि |
| हर्षल(व.) | मेष | 04:38 | अश्विनी (2) | .... |
| नेपच्यून | कुंभ | 19:43 | शतभिषा (4) | .... |
| प्लूटो | धनु | 26:01 | पूर्वाषाढ़ (4) | .... |

## लग्न कुण्डली

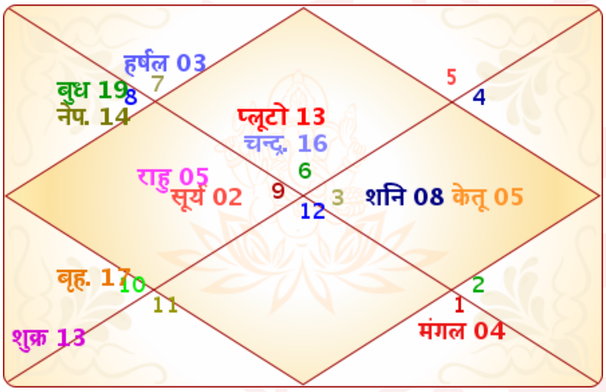


## चन्द्र कुण्डली

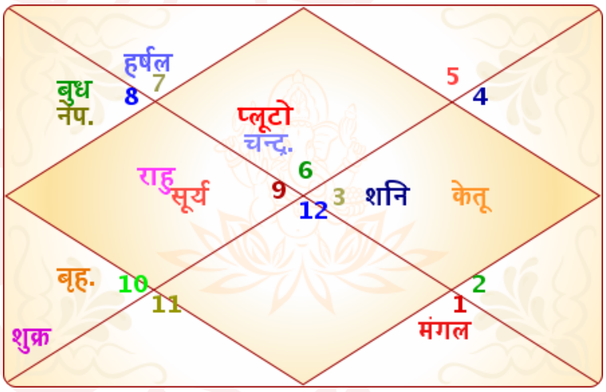


## लग्न कुण्डली ( वर्षफल )

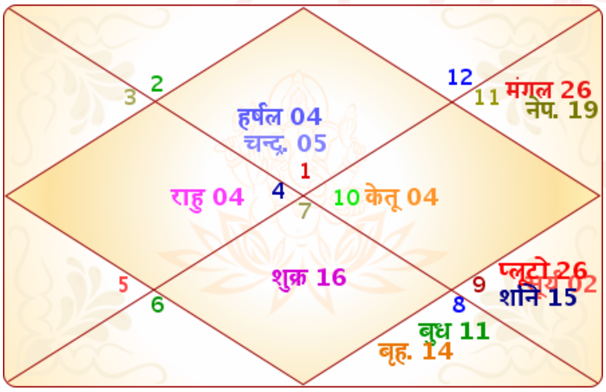


## चन्द्र कुण्डली ( वर्षफल )

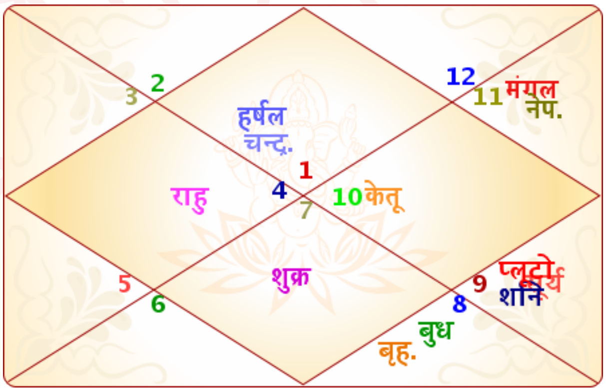

# वर्षफल कुण्डली में ग्रहों का बल

Varhphal Years: 45 (2018-2019) Varhphal Date: 18:12:2018, Time: 14:33Hrs

## पंचवर्गीय बल

| क्र0स0 | बल | रवि | चंद्र | मंगळ | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | क्षेत्र बल | 15.0 | 22.5 | 22.5 | 7.5 | 7.5 | 30.0 | 15.0 |
| 2 | उच्च बल | 5.81 | 16.95 | 16.81 | 13.74 | 5.59 | 2.21 | 13.82 |
| 3 | हद्दा बल | 7.5 | 7.5 | 11.25 | 15.0 | 3.75 | 7.5 | 11.25 |
| 4 | द्रेक्कन बल | 5.0 | 7.5 | 7.5 | 5.0 | 5.0 | 7.5 | 7.5 |
| 5 | नवांश बल | 3.75 | 1.25 | 1.25 | 2.5 | 1.25 | 2.5 | 1.25 |
| | योग | 9.27 | 13.93 | 14.83 | 10.94 | 5.77 | 12.43 | 12.21 |
| | तुलनात्मक बल | साधारण | बलशाली | बलशाली | बलशाली | साधारण | बलशाली | बलशाली |

## द्वादश वर्गीय बल

| क्र0स0 | बल | रवि | चंद्र | मंगळ | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | राशि बल | 0 | -1 | -1 | 0 | 0 | +2 | 0 |
| 2 | होरा बल | +2 | -1 | -1 | 0 | 0 | 0 | -1 |
| 3 | द्रेक्कन बल | 0 | -1 | -1 | 0 | +2 | -1 | -1 |
| 4 | चतुर्थांश बल | 0 | -1 | +2 | 0 | 0 | -1 | 0 |
| 5 | पंचमाशं बल | -1 | -1 | -1 | 0 | +2 | 0 | 0 |
| 6 | षष्टाशं बल | -1 | 0 | 0 | 0 | +2 | 0 | -1 |
| 7 | सप्तमाशं बल | 0 | 0 | -1 | 0 | 0 | -1 | 0 |
| 8 | अष्टमाशं बल | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | -1 | -1 |
| 9 | नवाशं बल | -1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 10 | दसाशं बल | 0 | 0 | -1 | 0 | 0 | 0 | -1 |
| 11 | एकादसाशं बल | 0 | 0 | +2 | 0 | 0 | -1 | -1 |
| 12 | द्वादशाशं बल | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | -1 | 0 |
| | योग | -1 | -5 | -2 | 0 | +6 | -4 | -6 |
| | तुलनात्मक बल | सम | बहुत बुरा | सम | सम | बहुत अच्छा | बुरा | बहुत बुरा |

## हर्ष बल

| क्र0स0 | बल | रवि | चंद्र | मंगळ | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | स्थान बल | 5.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 |
| 2 | क्षेत्र बल | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 5.0 | 0.0 |
| 3 | ओज–युग्म बल | 0.0 | 5.0 | 0.0 | 5.0 | 0.0 | 5.0 | 5.0 |
| 4 | दिवा–रात्रि बल | 5.0 | 0.0 | 5.0 | 0.0 | 5.0 | 0.0 | 0.0 |
| | योग | 10 | 5 | 5 | 5 | 5 | 10 | 5 |
| | तुलनात्मक बल | मध्यबली | अल्पबली | अल्पबली | अल्पबली | अल्पबली | मध्यबली | अल्पबली |

# द्वादश वर्ग कुण्डली

लग्न कुण्डली

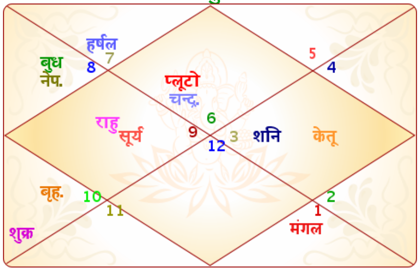


होरा कुण्डली

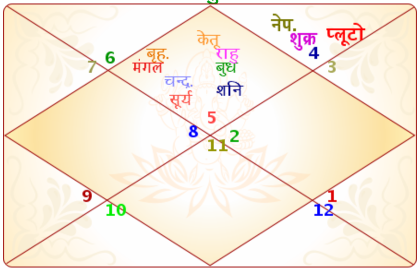


द्रेष्काण कुण्डली

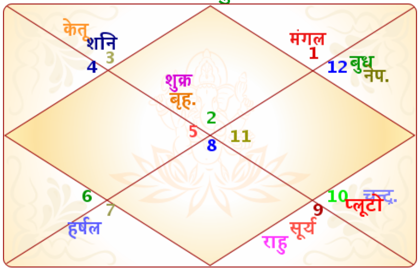


चतुर्थांश कुण्डली

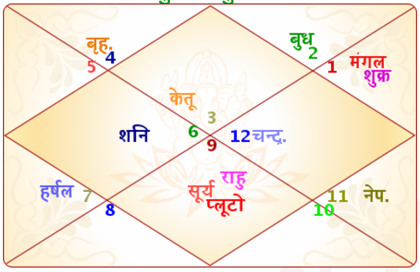


पंचमांश कुण्डली

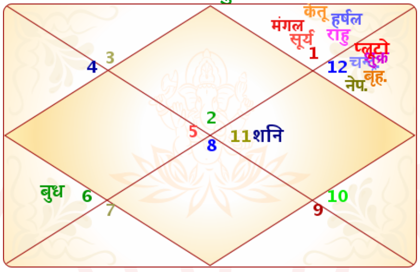


षष्टमांश कुण्डली

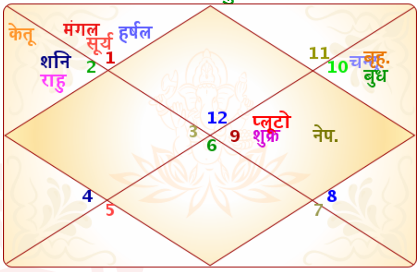


सप्तमांश कुण्डली

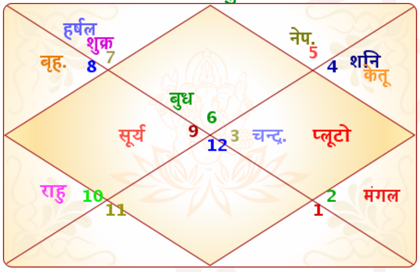


अष्टमांश कुण्डली

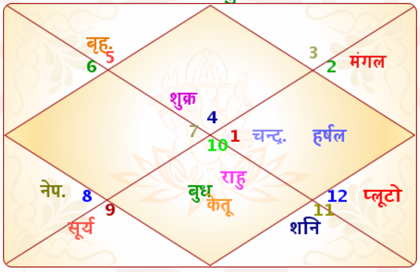


नवांश कुण्डली

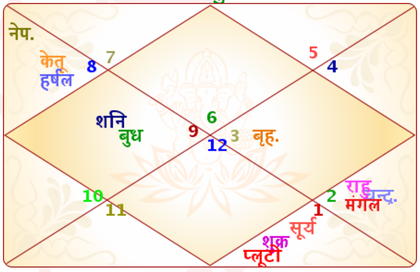


चर्तुविशांश कुण्डली

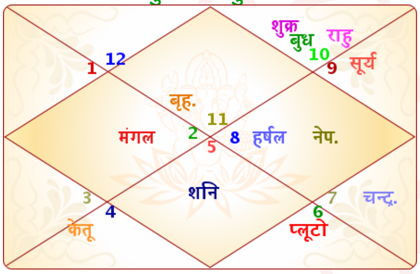


एकादशांश कुण्डली

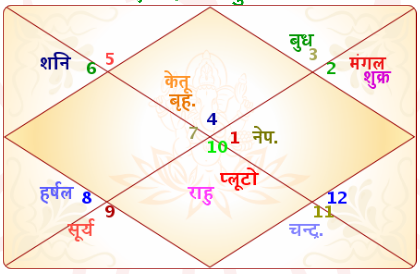


द्वादशांश कुण्डली

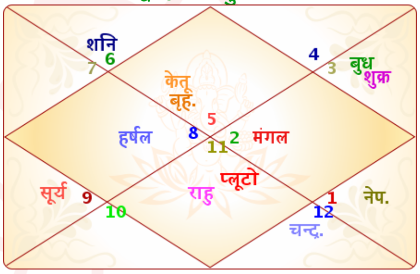


## वर्षफल कुण्डली में ग्रहों की दृष्टि

| | रवि | चंद्र | मंगळ | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहू | केतु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रवि | .... | प्र.प्रेम | गु.प्रेम | सम | सम | गु.प्रेम | प्र.शत्रु | सम | सम |
| चंद्र | प्र.प्रेम | .... | गु.प्रेम | सम | सम | प्र.शत्रु | प्र.प्रेम | गु.शत्रु | गु.शत्रु |
| मंगळ | गु.प्रेम | गु.प्रेम | .... | गु.शत्रु | गु.शत्रु | प्र.प्रेम | गु.प्रेम | सम | सम |
| बुध | सम | सम | गु.शत्रु | .... | प्र.शत्रु | सम | सम | प्र.प्रेम | गु.प्रेम |
| गुरु | सम | सम | गु.शत्रु | प्र.शत्रु | .... | सम | सम | प्र.प्रेम | गु.प्रेम |
| शुक्र | गु.प्रेम | प्र.शत्रु | प्र.प्रेम | सम | सम | .... | गु.प्रेम | गु.शत्रु | गु.शत्रु |
| शनि | प्र.शत्रु | प्र.प्रेम | गु.प्रेम | सम | सम | गु.प्रेम | .... | सम | सम |
| राहू | सम | गु.शत्रु | सम | प्र.प्रेम | प्र.प्रेम | गु.शत्रु | सम | .... | प्र.शत्रु |
| केतु | सम | गु.शत्रु | सम | गु.प्रेम | गु.प्रेम | गु.शत्रु | सम | प्र.शत्रु | .... |

प्र.प्रेमः–प्रकट प्रेम दृष्टि ,गु.प्रेमः–गुप्त प्रेम दृष्टि ,प्र.शत्रुः–प्रकट शत्रु दृष्टि ,गु.शत्रुः–गुप्त शत्रु दृष्टि ,समः–सम दृष्टि ,

Varhphal Years: 45 (2018-2019) Varhphal Date: 18:12:2018, Time: 14:33Hrs

| मुद्दा योगिनी दशा | | | मुद्दा षोडशोत्तरी दशा | | |
|---|---|---|---|---|---|
| दशा | अवधि | से | दशा | अवधि | से |
| सिद्धा (शुक्र) | 0.0 y.2.0 m.11 d. | 18:12:2018 | शुक्र | 0.0 y.1.0 m.26 d. | 18:12:2018 |
| संकटा (शनि) | 0.0 y.2.0 m.20 d. | 27:02:2019 | रवि | 0.0 y.1.0 m.5 d. | 13:02:2019 |
| मंगला (चन्द्रमा) | 0.0 y.0.0 m.10 d. | 19:05:2019 | मंगल | 0.0 y.1.0 m.8 d. | 19:03:2019 |
| पिगंला (सूर्य) | 0.0 y.0.0 m.20 d. | 29:05:2019 | गुरु | 0.0 y.1.0 m.11 d. | 26:04:2019 |
| धान्य (वृहस्पति) | 0.0 y.1.0 m.0 d. | 19:06:2019 | रवि | 0.0 y.1.0 m.5 d. | 06:06:2019 |
| भ्रमरि (मंगल) | 0.0 y.1.0 m.10 d. | 19:07:2019 | मंगल | 0.0 y.1.0 m.8 d. | 11:07:2019 |
| भभद्रिका (बुध) | 0.0 y.1.0 m.21 d. | 29:08:2019 | गुरु | 0.0 y.1.0 m.11 d. | 17:08:2019 |
| उल्का (शनि) | 0.0 y.2.0 m.0 d. | 18:10:2019 | शनि | 0.0 y.1.0 m.14 d. | 27:09:2019 |

## पत्ययनी दशा

| क्र0स0 | दशा | अवधि | से |
|---|---|---|---|
| 1 | रवि | 0.0 y.1.0 m.1 d. | 18:12:2018 |
| 2 | चंद्र | 0.0 y.1.0 m.15 d. | 18:01:2019 |
| 3 | बुध | 0.0 y.2.0 m.18 d. | 04:03:2019 |
| 4 | गुरु | 0.0 y.1.0 m.16 d. | 22:05:2019 |
| 5 | शनि | 0.0 y.0.0 m.13 d. | 07:07:2019 |
| 6 | शुक्र | 0.0 y.0.0 m.17 d. | 20:07:2019 |
| 7 | लग्न | 0.0 y.3.0 m.3 d. | 06:08:2019 |
| 8 | मंगल | 0.0 y.1.0 m.10 d. | 08:11:2019 |

## मुद्दा विंशोत्तरी दशा

| क्र0स0 | दशा | अवधि | से |
|---|---|---|---|
| 1 | चंद्र | 0.0 y.1.0 m.0 d. | 18:12:2018 |
| 2 | मंगल | 0.0 y.0.0 m.21 d. | 18:01:2019 |
| 3 | राहू | 0.0 y.1.0 m.24 d. | 08:02:2019 |
| 4 | गुरु | 0.0 y.1.0 m.19 d. | 04:04:2019 |
| 5 | शनि | 0.0 y.1.0 m.27 d. | 22:05:2019 |
| 6 | बुध | 0.0 y.1.0 m.21 d. | 19:07:2019 |
| 7 | केतु | 0.0 y.0.0 m.21 d. | 09:09:2019 |
| 8 | शुक्र | 0.0 y.2.0 m.0 d. | 30:09:2019 |
| 9 | रवि | 0.0 y.0.0 m.19 d. | 30:11:2019 |

## वर्ष जैमिनी चर दशा

| क्र0स0 | दशा | अवधि | से |
|---|---|---|---|
| 1 | मेष | 0.0 y.0.0 m.11 d. | 18:12:2018 |
| 2 | वृष | 0.0 y.1.0 m.6 d. | 28:12:2018 |
| 3 | मिथुन | 0.0 y.0.0 m.26 d. | 03:02:2019 |
| 4 | कर्क | 0.0 y.0.0 m.16 d. | 01:03:2019 |
| 5 | सिंह | 0.0 y.1.0 m.12 d. | 16:03:2019 |
| 6 | कन्या | 0.0 y.0.0 m.11 d. | 27:04:2019 |
| 7 | तुला | 0.0 y.2.0 m.2 d. | 07:05:2019 |
| 8 | वृश्चिक | 0.0 y.1.0 m.17 d. | 09:07:2019 |
| 9 | धनु | 0.0 y.1.0 m.27 d. | 25:08:2019 |
| 10 | मकर | 0.0 y.0.0 m.6 d. | 21:10:2019 |
| 11 | कुंभ | 0.0 y.0.0 m.11 d. | 26:10:2019 |
| 12 | मीन | 0.0 y.1.0 m.12 d. | 06:11:2019 |

# पत्ययनी दशाफल

**Varhphal Years: 45 (2018-2019) Varhphal Date: 18:12:2018, 14:33Hrs**

## रवि दशा

**18:12:2018-17:01:2019**

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, सूर्य उच्चस्थ या नीचस्थ या अपनी राशि में स्थित नहीं है एवं यह ग्रसित नहीं है। समग्र रूप से यह एक उदासीन योग का निर्माण करता है। अतः सूर्य की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना/अवसर के होगी। हालांकि आपको अपने कार्यस्थल पर कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है एवं आप अपने किसी वरिष्ठ अथवा सहकर्मी के साथ मामूली असहमति अथवा गलतफहमी के कारण झुंझलाहट महसूस कर सकते हैं।

## चंद्र दशा

**18:01:2019-03:03:2019**

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, सूर्य उच्चस्थ या नीचस्थ या अपनी राशि में स्थित नहीं है एवं यह ग्रसित या अस्त भी नहीं है। अतः चंद्रमा की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना/समारोह के होगी। हालांकि आप अपने घरेलू क्षेत्र में कुछ समस्याओं का सामना कर सकते हैं। आपके कुछ पारिवारिक–सदस्य क्रोधपूर्ण ढंग से बात व व्यवहार कर सकते हैं, जिसके कारण आप काफी चिड़चिड़े व अप्रसन्न हो सकते हैं।

## बुध दशा

**04:03:2019-21:05:2019**

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, बुध उच्चस्थ या नीचस्थ या अपनी राशि में स्थित नहीं है एवं यह ग्रसित या अस्त नहीं है। समग्र रूप से ये एक उदासीन योग का निर्माण करते है। अतः बुध की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना/अवसर के होगी। सामान्यतः आपके सभी मामलें भली भांति चलेंगे। आपके पेशे के क्षेत्र में चीजें बहुत सहजतापूर्ण ढंग से होंगी। अपने सगे–संबंधियों व मित्रों के साथ मिलने–जुलने के लिए आप कुछ खाली समय निकालने में सक्षम होंगे।

## गुरु दशा

**22:05:2019-06:07:2019**

श्श इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, गुरु उच्चस्थ या नीचस्थ या अपनी राशि में स्थित नहीं है एवं यह ग्रसित या अस्त नहीं है। समग्र रूप से ये एक उदासीन योग का निर्माण करते है। अतः गुरु की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना/अवसर के होगी। सामान्यतः आपके सभी मामलें भली भांति चलेंगे। आपके पेशे के क्षेत्र में चीजें बहुत सहजतापूर्ण ढंग से होंगी। अपने सगे–संबंधियों व मित्रों की संगति में बिताने के लिए आप कुछ खाली समय निकालने में सक्षम होंगे।

## शनि दशा

**07:07:2019-19:07:2019**

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, शनि नीचस्थ है या अस्त अथवा ग्रसित होने के कारण दूषित है। यह एक अनुकूल योग नहीं है। शनि की दशा आपके लिए अच्छी अवधि नहीं हो सकती है। अतः आपको सावधान व सचेत रहना चाहिए एवं अपने स्वास्थ्य का उचित ध्यान रखना चाहिए। आपके कुछ पारिवारिक सदस्यों का बिगड़ता हुआ स्वास्थ्य आपको कुछ चिन्तित कर सकता है। अथवा धन के अवरूद्ध होने के कारण आप अपने वचनों को पूरा करने में बहुत कठिनाई महसूस कर सकते हैं। आप कई कारणों से दुखी हो सकते हैं एवं अप्रसन्न या व्यथित महसूस कर सकते हैं। अथवा आप दुख या निराशा से पीड़ित हो सकते हैं। इस अवधि के दौरान किसी भी महत्वपूर्ण कार्य की शुरूआत करना अथवा किसी लम्बी यात्रा के लिए प्रस्थान करना अधिक फलदायक नहीं हो सकता है।

## शुक्र दशा

**20:07:2019-05:08:2019**

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, शुक्र उच्चस्थ अथवा अपनी राशि में स्थित है एवं यह अस्त या ग्रसित होने से दूषित नहीं है। शुक्र की दशा के दौरान आप अनेक मामलों में भाग्यशाली होंगे। आपको अपने वरिष्ठों एवं अधिकारियों से लाभ व समर्थन प्राप्त होगा। आप उच्च पद वाले लोगों से मित्रता स्थापित करेंगे एवं आपके शत्रु पूर्णतः परास्त होंगे। आपको सभी प्रकार से संतुष्टि प्राप्त होगी एवं एक विपरीत लिंग का व्यक्ति आपके लिए विशेष प्रसन्नता का स्रोत हो सकता है। आपकी आय एवं बहुमूल्य अधिग्रहण में वृद्धि होगी एवं आपका घरेलू जीवन बहुत आनन्दमय होगा। यदि आप व्यापारी हैं तो यह अवधि आपके लिए उपयोगी, सहजतापूर्ण व लाभदायक होगी।

## लग्न दशा

**06:08:2019-07:11:2019**

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, लग्नेश उच्चस्थ अथवा अपनी राशि में अथवा नीचस्थ नहीं है। किन्तु यह वक्री या अस्त या ग्रसित नहीं है। समग्र रूप से ये एक उदासीन योग का निर्माण करते हैं। अतः लग्न की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना या अवसर के होगी। हालांकि आपके कार्यस्थल की स्थिति कुछ हद तक बिगड़ सकती है। यद्यपि सामान्य लोग आपके साथ सम्मानपूर्ण व्यवहार करेंगे, फिर भी आपके वरिष्ठ/अधिकारी आपको दबाने का प्रयास कर सकते हैं एवं तक्रसंगत रूप से आपको मिलने वाला श्रेय किसी और को दे सकते हैं। या फिर आपको अन्यायपूर्वक बहुत छोटी अथवा बिना किसी गलती के दोषी ठहराया जा सकता है।

## मंगल दशा

**08:11:2019-17:12:2019**

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, मंगल उपचय भाव (तीसरे या छठें या दसवें या ग्यारहवें) में स्थित है। यह नीचस्थ अथवा अस्त या ग्रसित होने के कारण दूषित नहीं है। वास्तव में यह एक अनुकूल योग है एवं सूर्य की दशा आपके लिए उपयोगी व लाभदायक साबित होगी। आप अपने सभी प्रयासों में सफल होंगे एवं इस अवधि के दौरान कुछ विशेष उपलब्धि हासिल करेंगे। वरिष्ठ एवं सरकारी अधिकारी आपके प्रति अनुकूल होंगे एवं आपको उनसे समर्थन व लाभ प्राप्त हो सकता है।

# ग्रह स्थिती वर्षफल

**Varhphal Years: 46 (2019-2020) Varhphal Date: 18:12:2019, Time: 20:51Hrs**

| ग्रह | राशि | अंश | नक्षत्र | विशेष |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | कन्या | 28:15 | चित्रा(2) | |
| सूर्य(ग्र.) | धनु | 02:15 | मूला (1) | **मित्र राशि** |
| चन्द्रमा | कन्या | 16:00 | हस्ता (2) | **स्व नक्षत्र** |
| मंगल | मेष | 04:42 | अश्विनी (2) | **स्व राशि** |
| बुध(अ.) | वृश्चिक | 19:51 | ज्येष्ठा (1) | **स्व नक्षत्र** |
| बृहस्पति | मकर | 17:56 | श्रवण (3) | **नीच राशि** |
| शुक्र | मकर | 13:00 | श्रवण (1) | **मित्र राशि** |
| शनि(व.) | मिथुन | 08:12 | अरिद्रा (1) | **मित्र राशि** |
| राहु(व.) | धनु | 05:10 | मूला (2) | **सम राशि** |
| केतु(व.) | मिथुन | 05:10 | मृगशिर (4) | **सम राशि** |
| हर्षल | तुला | 03:20 | चित्रा (4) | ..... |
| नेपच्यून | वृश्चिक | 14:20 | अनुराधा (4) | ..... |
| प्लूटो | कन्या | 13:11 | हस्ता (1) | ..... |

| ग्रह | राशि | अंश | नक्षत्र | विशेष |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | कर्क | 22:39 | चित्रा(2) | |
| सूर्य | धनु | 02:15 | मूला (1) | मित्र राशि |
| चन्द्रमा | सिंह | 24:48 | पुर्वफाल्ग (4) | मित्र राशि |
| मंगल | तुला | 25:17 | विशाखा (2) | सम राशि |
| बुध(अ.) | वृश्चि | 19:35 | ज्येष्ठा (1) | स्व राशि |
| बृहस्पति(अ.) | धनु | 09:27 | मूला (3) | स्व राशि |
| शुक्र | मकर | 03:50 | उत्तरा (3) | मित्र राशि |
| शनि | धनु | 25:43 | पूर्वाषाढ़ (4) | सम राशि |
| राहु(व.) | मिथुन | 14:48 | अरिद्रा (3) | मित्र राशि |
| केतु(व.) | धनु | 14:48 | पूर्वाषाढ़ (1) | सम राशि |
| हर्षल(व.) | मेष | 08:45 | अश्विनी (3) | .... |
| नेपच्यून | कुंभ | 21:55 | पूर्वाभाद (1) | .... |
| प्लूटो | धनु | 27:49 | उत्तरा (1) | .... |

लग्न कुण्डली

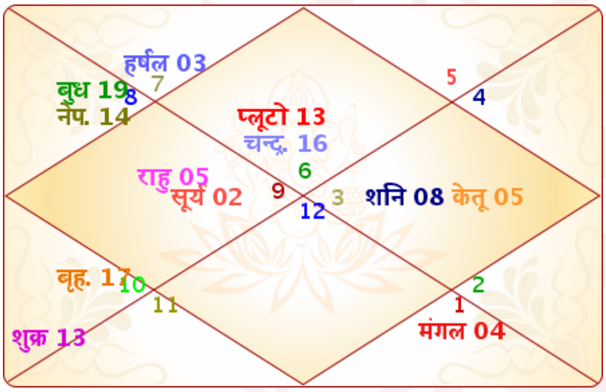


चन्द्र कुण्डली

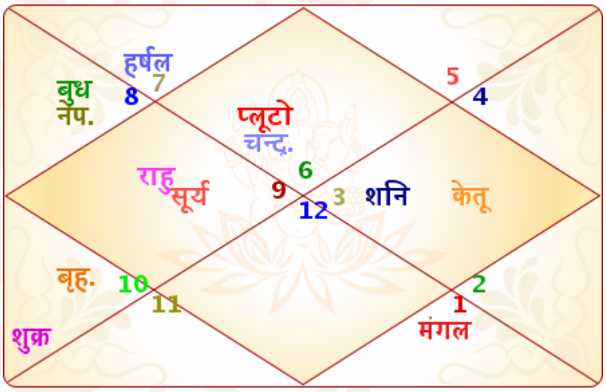


लग्न कुण्डली ( वर्षफल )

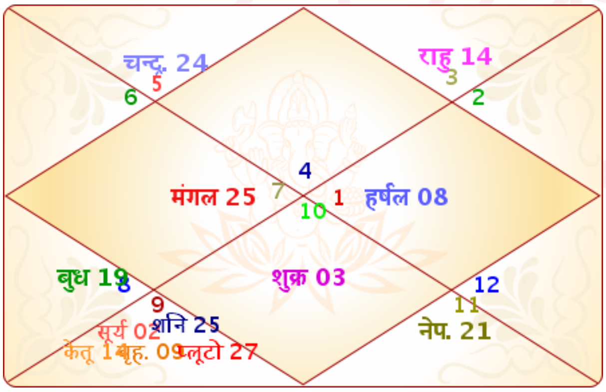


चन्द्र कुण्डली ( वर्षफल )

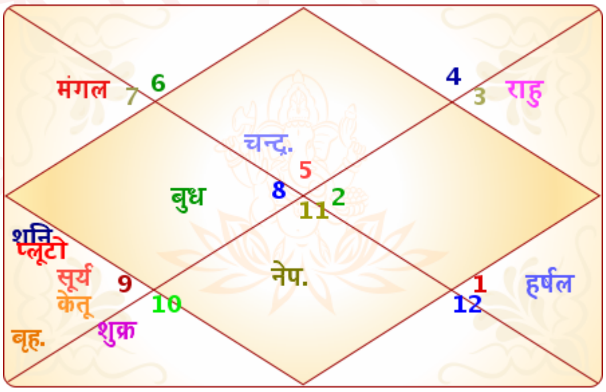

# वर्षफल कुण्डली में ग्रहों का बल

Varhphal Years: 46 (2019-2020) Varhphal Date: 18:12:2019, Time: 20:51Hrs

## पंचवर्गीय बल

| क्र0स0 | बल | रवि | चंद्र | मंगळ | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | क्षेत्र बल | 7.5 | 22.5 | 7.5 | 15.0 | 30.0 | 15.0 | 7.5 |
| 2 | उच्च बल | 5.81 | 7.58 | 9.7 | 12.82 | 2.84 | 10.76 | 12.7 |
| 3 | हद्दा बल | 3.75 | 11.25 | 3.75 | 7.5 | 15.0 | 11.25 | 11.25 |
| 4 | द्रेक्कन बल | 5.0 | 7.5 | 7.5 | 5.0 | 5.0 | 5.0 | 10.0 |
| 5 | नवांश बल | 3.75 | 3.75 | 1.25 | 2.5 | 2.5 | 2.5 | 3.75 |
| | योग | 6.45 | 13.14 | 7.42 | 10.71 | 13.84 | 11.13 | 11.3 |
| | तुलनात्मक बल | साधारण | बलशाली | साधारण | बलशाली | बलशाली | बलशाली | बलशाली |

## द्वादश वर्गीय बल

| क्र0स0 | बल | रवि | चंद्र | मंगळ | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | राशि बल | 0 | -1 | 0 | 0 | +2 | 0 | 0 |
| 2 | होरा बल | +2 | +2 | -1 | 0 | 0 | 0 | -1 |
| 3 | द्रेक्कन बल | 0 | -1 | 0 | 0 | +2 | 0 | 0 |
| 4 | चतुर्थांश बल | 0 | 0 | -1 | -1 | +2 | 0 | 0 |
| 5 | पंचमाशं बल | -1 | 0 | 0 | +2 | 0 | 0 | 0 |
| 6 | षष्टाशं बल | -1 | -1 | 0 | 0 | 0 | +2 | 0 |
| 7 | सप्तमाशं बल | 0 | -1 | -1 | +2 | 0 | 0 | 0 |
| 8 | अष्टमाशं बल | 0 | -1 | 0 | 0 | 0 | +2 | 0 |
| 9 | नवाशं बल | -1 | -1 | 0 | 0 | 0 | 0 | -1 |
| 10 | दसाशं बल | 0 | -1 | 0 | 0 | +2 | +2 | 0 |
| 11 | एकादसाशं बल | 0 | 0 | -1 | +2 | +2 | 0 | 0 |
| 12 | द्वादशाशं बल | 0 | 0 | -1 | +2 | +2 | 0 | 0 |
| | योग | -1 | -5 | -5 | +7 | +12 | +6 | -2 |
| | तुलनात्मक बल | सम | बहुत बुरा | बहुत बुरा | बहुत अच्छा | साधारण | बहुत अच्छा | सम |

## हर्ष बल

| क्र0स0 | बल | रवि | चंद्र | मंगळ | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | स्थान बल | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 |
| 2 | क्षेत्र बल | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 5.0 | 0.0 | 0.0 |
| 3 | ओज–युग्म बल | 5.0 | 5.0 | 5.0 | 0.0 | 5.0 | 5.0 | 0.0 |
| 4 | दिवा–रात्रि बल | 0.0 | 5.0 | 0.0 | 5.0 | 0.0 | 5.0 | 5.0 |
| | योग | 5 | 10 | 5 | 5 | 10 | 10 | 5 |
| | तुलनात्मक बल | अल्पबली | मध्यबली | अल्पबली | अल्पबली | मध्यबली | मध्यबली | अल्पबली |

# द्वादश वर्ग कुण्डली

लग्न कुण्डली

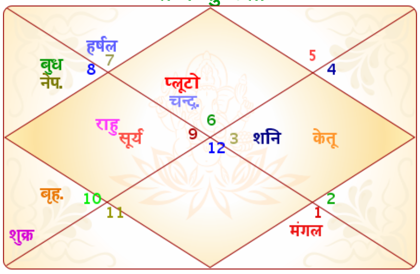


होरा कुण्डली

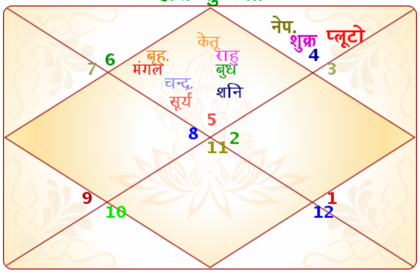


द्रेष्काण कुण्डली

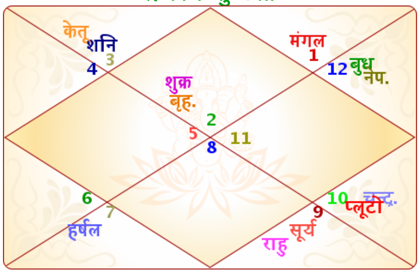


चतुर्थांश कुण्डली

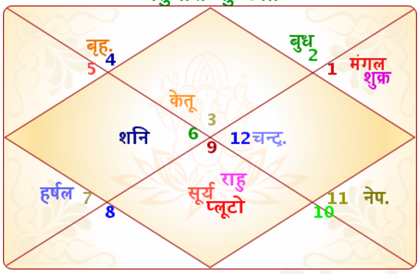


पंचमांश कुण्डली

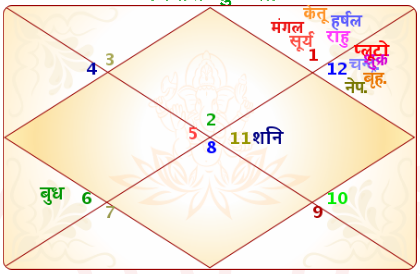


षष्टमांश कुण्डली

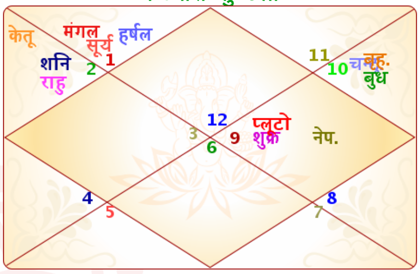


सप्तमांश कुण्डली

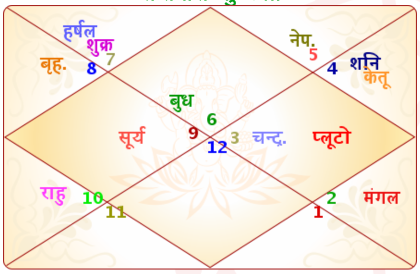


अष्टमांश कुण्डली

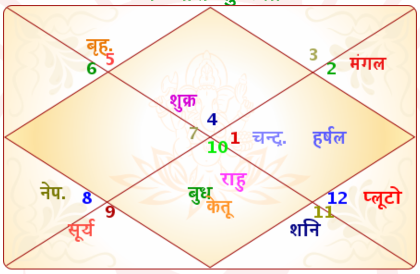


नवांश कुण्डली

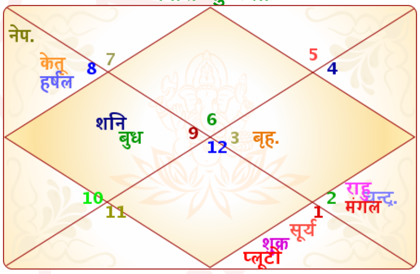


चर्तुविशांश कुण्डली

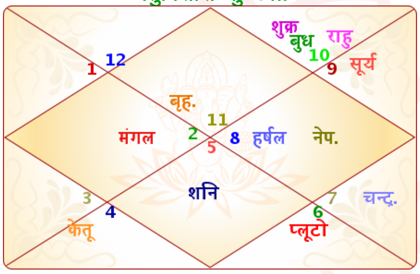


एकादशांश कुण्डली

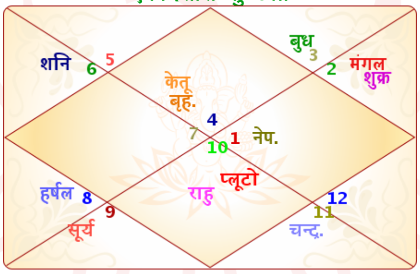


द्वादशांश कुण्डली

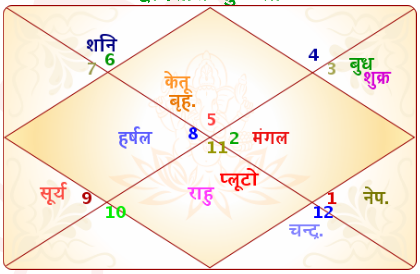


## वर्षफल कुण्डली में ग्रहों की दृष्टि

| | रवि | चंद्र | मंगळ | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहू | केतु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रवि | .... | प्र.प्रेम | गु.प्रेम | सम | प्र.शत्रु | सम | प्र.शत्रु | प्र.शत्रु | प्र.शत्रु |
| चंद्र | प्र.प्रेम | .... | गु.प्रेम | गु.शत्रु | प्र.प्रेम | सम | प्र.प्रेम | गु.प्रेम | प्र.प्रेम |
| मंगळ | गु.प्रेम | गु.प्रेम | .... | सम | गु.प्रेम | गु.शत्रु | गु.प्रेम | प्र.प्रेम | गु.प्रेम |
| बुध | सम | गु.शत्रु | सम | .... | सम | गु.प्रेम | सम | सम | सम |
| गुरु | प्र.शत्रु | प्र.प्रेम | गु.प्रेम | सम | .... | सम | प्र.शत्रु | प्र.शत्रु | प्र.शत्रु |
| शुक्र | सम | सम | गु.शत्रु | गु.प्रेम | सम | .... | सम | सम | सम |
| शनि | प्र.शत्रु | प्र.प्रेम | गु.प्रेम | सम | प्र.शत्रु | सम | .... | प्र.शत्रु | प्र.शत्रु |
| राहू | प्र.शत्रु | गु.प्रेम | प्र.प्रेम | सम | प्र.शत्रु | सम | प्र.शत्रु | .... | प्र.शत्रु |
| केतु | प्र.शत्रु | प्र.प्रेम | गु.प्रेम | सम | प्र.शत्रु | सम | प्र.शत्रु | प्र.शत्रु | .... |

प्र.प्रेमः–प्रकट प्रेम दृष्टि ,गु.प्रेमः–गुप्त प्रेम दृष्टि ,प्र.शत्रुः–प्रकट शत्रु दृष्टि ,गु.शत्रुः–गुप्त शत्रु दृष्टि ,समः–सम दृष्टि ,

Varhphal Years: 46 (2019-2020) Varhphal Date: 18:12:2019, Time: 20:51Hrs

| मुद्दा योगिनी दशा | | | मुद्दा षोडशोत्तरी दशा | | |
|---|---|---|---|---|---|
| दशा | अवधि | से | दशा | अवधि | से |
| संकटा (शनि) | 0.0 y.2.0 m.20 d. | 18:12:2019 | रवि | 0.0 y.1.0 m.5 d. | 18:12:2019 |
| मंगला (चन्द्रमा) | 0.0 y.0.0 m.10 d. | 09:03:2020 | मंगल | 0.0 y.1.0 m.8 d. | 22:01:2020 |
| पिगंला (सूर्य) | 0.0 y.0.0 m.20 d. | 19:03:2020 | गुरु | 0.0 y.1.0 m.11 d. | 29:02:2020 |
| धान्य (वृहस्पति) | 0.0 y.1.0 m.0 d. | 08:04:2020 | रवि | 0.0 y.1.0 m.5 d. | 10:04:2020 |
| भ्रमरि (मंगल) | 0.0 y.1.0 m.10 d. | 09:05:2020 | मंगल | 0.0 y.1.0 m.8 d. | 15:05:2020 |
| भभद्रिका (बुध) | 0.0 y.1.0 m.21 d. | 18:06:2020 | गुरु | 0.0 y.1.0 m.11 d. | 21:06:2020 |
| उल्का (शनि) | 0.0 y.2.0 m.0 d. | 08:08:2020 | शनि | 0.0 y.1.0 m.14 d. | 02:08:2020 |
| सिद्धा (शुक्र) | 0.0 y.2.0 m.11 d. | 08:10:2020 | केतु | 0.0 y.1.0 m.17 d. | 15:09:2020 |

## पत्ययनी दशा

| क्र0स0 | दशा | अवधि | से |
|---|---|---|---|
| 1 | रवि | 0.0 y.1.0 m.2 d. | 18:12:2019 |
| 2 | शुक्र | 0.0 y.0.0 m.23 d. | 20:01:2020 |
| 3 | गुरु | 0.0 y.2.0 m.19 d. | 11:02:2020 |
| 4 | बुध | 0.0 y.4.0 m.22 d. | 01:05:2020 |
| 5 | लग्न | 0.0 y.1.0 m.13 d. | 22:09:2020 |
| 6 | चंद्र | 0.0 y.1.0 m.1 d. | 05:11:2020 |
| 7 | मंगल | 0.0 y.0.0 m.7 d. | 05:12:2020 |
| 8 | शनि | 0.0 y.0.0 m.7 d. | 12:12:2020 |

## मुद्दा विंशोत्तरी दशा

| क्र0स0 | दशा | अवधि | से |
|---|---|---|---|
| 1 | मंगल | 0.0 y.0.0 m.21 d. | 18:12:2019 |
| 2 | राहू | 0.0 y.1.0 m.24 d. | 09:01:2020 |
| 3 | गुरु | 0.0 y.1.0 m.19 d. | 04:03:2020 |
| 4 | शनि | 0.0 y.1.0 m.27 d. | 21:04:2020 |
| 5 | बुध | 0.0 y.1.0 m.21 d. | 18:06:2020 |
| 6 | केतु | 0.0 y.0.0 m.21 d. | 09:08:2020 |
| 7 | शुक्र | 0.0 y.2.0 m.0 d. | 31:08:2020 |
| 8 | रवि | 0.0 y.0.0 m.19 d. | 31:10:2020 |
| 9 | चंद्र | 0.0 y.1.0 m.0 d. | 18:11:2020 |

## वर्ष जैमिनी चर दशा

| क्र0स0 | दशा | अवधि | से |
|---|---|---|---|
| 1 | कर्क | 0.0 y.2.0 m.0 d. | 18:12:2019 |
| 2 | मिथुन | 0.0 y.0.0 m.28 d. | 17:02:2020 |
| 3 | वृष | 0.0 y.1.0 m.14 d. | 15:03:2020 |
| 4 | मेष | 0.0 y.1.0 m.25 d. | 29:04:2020 |
| 5 | मीन | 0.0 y.0.0 m.17 d. | 23:06:2020 |
| 6 | कुंभ | 0.0 y.0.0 m.11 d. | 10:07:2020 |
| 7 | मकर | 0.0 y.0.0 m.6 d. | 21:07:2020 |
| 8 | धनु | 0.0 y.2.0 m.6 d. | 26:07:2020 |
| 9 | वृश्चिक | 0.0 y.0.0 m.6 d. | 01:10:2020 |
| 10 | तुला | 0.0 y.0.0 m.17 d. | 06:10:2020 |
| 11 | कन्या | 0.0 y.0.0 m.11 d. | 23:10:2020 |
| 12 | सिंह | 0.0 y.1.0 m.14 d. | 03:11:2020 |

# पत्ययनी दशाफल

**Varhphal Years: 46 (2019-2020) Varhphal Date: 18:12:2019, 20:51Hrs**

## रवि दशा

**18:12:2019-19:01:2020**

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, सूर्य उपचय भाव (तीसरे या छठें या दसवें या ग्यारहवें) में स्थित है। यह नीचस्थ अथवा राहु (या केतु) के निकट स्थित नहीं है। यह एक अनुकूल योग है एवं सूर्य की दशा आपके लिए उपयोगी व लाभदायक साबित होगी। आप अपने सभी प्रयासों में सफल होंगे एवं इस अवधि के दौरान कुछ विशेष उपलब्धि हासिल करेंगे। वरिष्ठ अधिकारी एवं सरकारी कर्मचारी आपके प्रति अनुकूल होंगे एवं आपको उनसे समर्थन व लाभ प्राप्त हो सकता है।

## शुक्र दशा

**20:01:2020-10:02:2020**

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, शुक्र उच्चस्थ या नीचस्थ या अपनी राशि में स्थित नहीं है एवं यह ग्रसित या अस्त नहीं है। समग्र रूप से ये एक उदासीन योग का निर्माण करते है। अतः शुक्र की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना/अवसर के होगी। सामान्यतः आपके सभी मामलें भली भांति चलेंगे। आपके पेशे के क्षेत्र में चीजें बहुत सहजतापूर्ण ढंग से होंगी। अपने सगे–संबंधियों व मित्रों की संगति में बिताने के लिए आप कुछ खाली समय निकालने में सक्षम होंगे। आपका घरेलू जीवन आनन्दपूर्ण व सुखमय होगा।

## गुरु दशा

**11:02:2020-30:04:2020**

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, गुरु उच्चस्थ या अपनी राशि में स्थित है, किन्तु यह अस्त अथवा ग्रसित होने के कारण दूषित है। अतः गुरु की दशा के दौरान आप कुछ मामूली समस्याओं का सामना कर सकते हैं। आपको अपने स्वास्थ्य का उचित ध्यान रखना चाहिए। या फिर आपकी एक संतान का बिगड़ता स्वास्थ्य आपको कुछ चिन्तित कर सकता है। यदि आप नौकरी में हैं तो आप अपने कार्यस्थल पर कुछ बाधाओं का सामना कर सकते हैं। यदि आप व्यापार में हैं तो परिस्थितियों में प्रतिकूल परिवर्तन के कारण आपको मंदी की अवस्था से गुजरना पड़ सकता हैं, जिससे आप कुछ–कुछ चिन्तित रह सकते हैं।

## बुध दशा

**01:05:2020-21:09:2020**

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, बुध नीचस्थ है या अस्त अथवा ग्रसित होने के कारण दूषित है। यह एक अनुकूल योग नहीं है। बुध की दशा आपके लिए अच्छी अवधि नहीं हो सकती है। अतः आपको सावधान व सचेत रहना चाहिए एवं अपने स्वास्थ्य का उचित ध्यान रखना चाहिए। आप कफमय एवं वातमय रोगों से पीड़ित हो सकते हैं। इस अवधि के दौरान किसी भी महत्वपूर्ण कार्य की शुरूआत अथवा किसी लम्बी यात्रा के लिए प्रस्थान करना अधिक फलदायक नहीं हो सकता है। आपके कार्यस्थल की स्थिति कुछ–कुछ बिगड़ सकती है एवं अपने

किसी सहकर्मी से विवाद होने के कारण आप चिड़चिड़े हो सकते हैं।

## लग्न दशा

**22:09:2020-04:11:2020**

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, लग्नेश उच्चस्थ अथवा अपनी राशि में अथवा नीचस्थ नहीं है। किन्तु यह वक्री या अस्त या ग्रसित नहीं है। समग्र रूप से ये एक उदासीन योग का निर्माण करते हैं। अतः लग्न की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना या अवसर के होगी। हालांकि आपके कार्यस्थल की स्थिति कुछ हद तक बिगड़ सकती है। यद्यपि सामान्य लोग आपके साथ सम्मानपूर्ण व्यवहार करेंगे, फिर भी आपके वरिष्ठ/अधिकारी आपको दबाने का प्रयास कर सकते हैं एवं तक्रसंगत रूप से आपको मिलने वाला श्रेय किसी और को दे सकते हैं। या फिर आपको अन्यायपूर्वक बहुत छोटी अथवा बिना किसी गलती के दोषी ठहराया जा सकता है।

## चंद्र दशा

**05:11:2020-04:12:2020**

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, सूर्य उच्चस्थ या नीचस्थ या अपनी राशि में स्थित नहीं है एवं यह ग्रसित या अस्त भी नहीं है। अतः चंद्रमा की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना/समारोह के होगी। हालांकि आप अपने घरेलू क्षेत्र में कुछ समस्याओं का सामना कर सकते हैं। आपके कुछ पारिवारिक–सदस्य क्रोधपूर्ण ढंग से बात व व्यवहार कर सकते हैं, जिसके कारण आप काफी चिड़चिड़े व अप्रसन्न हो सकते हैं।

## मंगल दशा

**05:12:2020-11:12:2020**

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, मंगल उच्चस्थ या नीचस्थ या अपनी राशि में स्थित नहीं है एवं यह ग्रसित या अस्त नहीं है। समग्र रूप से ये एक उदासीन योग का निर्माण करते है। अतः मंगल की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना/अवसर के होगी। हालांकि आपको अपने कार्यस्थल पर कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। या फिर आप अपने सगे या चचेरे भाई या पड़ोसी के साथ संपत्ति–विवाद में फंस सकते हैं, जिसके कारण आप झुंझलाहट महसूस कर सकते हैं।

## शनि दशा

**12:12:2020-17:12:2020**

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, शनि उच्चस्थ या नीचस्थ या अपनी राशि में स्थित नहीं है एवं यह ग्रसित या अस्त नहीं है। समग्र रूप से ये एक उदासीन योग का निर्माण करते है। अतः शनि की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना/अवसर के होगी। सामान्यतः आपके सभी मामलें भली भांति चलेंगे। आपके पेशे के क्षेत्र में चीजें बहुत सहजतापूर्ण ढंग से होंगी। संभवतः आप उद्योगों या खानों के लोगों के साथ संबंध स्थापित कर सकते हैं। आपका घरेलू जीवन आनन्दपूर्ण व सुखमय होगा।

# ग्रह स्थिती वर्षफल

**Varhphal Years: 47 (2020-2021) Varhphal Date: 18:12:2020, Time: 02:54Hrs**

| ग्रह | राशि | अंश | नक्षत्र | विशेष |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | कन्या | 28:15 | चित्रा(2) | |
| सूर्य(ग्र.) | धनु | 02:15 | मूला (1) | **मित्र राशि** |
| चन्द्रमा | कन्या | 16:00 | हस्ता (2) | **स्व नक्षत्र** |
| मंगल | मेष | 04:42 | अश्विनी (2) | **स्व राशि** |
| बुध(अ.) | वृश्चिक | 19:51 | ज्येष्ठा (1) | **स्व नक्षत्र** |
| बृहस्पति | मकर | 17:56 | श्रवण (3) | **नीच राशि** |
| शुक्र | मकर | 13:00 | श्रवण (1) | **मित्र राशि** |
| शनि(व.) | मिथुन | 08:12 | अरिद्रा (1) | **मित्र राशि** |
| राहु(व.) | धनु | 05:10 | मूला (2) | **सम राशि** |
| केतु(व.) | मिथुन | 05:10 | मृगशिर (4) | **सम राशि** |
| हर्षल | तुला | 03:20 | चित्रा (4) | ..... |
| नेपच्यून | वृश्चिक | 14:20 | अनुराधा (4) | ..... |
| प्लूटो | कन्या | 13:11 | हस्ता (1) | ..... |

| ग्रह | राशि | अंश | नक्षत्र | विशेष |
|---|---|---|---|---|
| लग्न | तुला | 13:26 | चित्रा(3) | |
| सूर्य | धनु | 02:15 | मूला (1) | मित्र राशि |
| चन्द्रमा | मकर | 14:20 | श्रवण (2) | स्व राशि |
| मंगल | मीन | 27:39 | रेवती (4) | मित्र राशि |
| बुध(अ.) | धनु | 01:00 | मूला (1) | सम राशि |
| बृहस्पति | मकर | 05:29 | उत्तरा (3) | नीच राशि |
| शुक्र | वृशि | 08:36 | अनुराधा (2) | सम राशि |
| शनि | मकर | 05:55 | उत्तरा (3) | स्व राशि |
| राहु(व.) | वृष | 25:27 | मृगशिर (1) | उच्च राशि |
| केतु(व.) | वृशि | 25:27 | ज्येष्ठा (3) | उच्च राशि |
| हर्षल(व.) | मेष | 12:53 | अश्विनी (4) | .... |
| नेपच्यून | कुंभ | 24:07 | पूर्वाभाद (2) | .... |
| प्लूटो | धनु | 29:35 | उत्तरा (1) | .... |

## लग्न कुण्डली

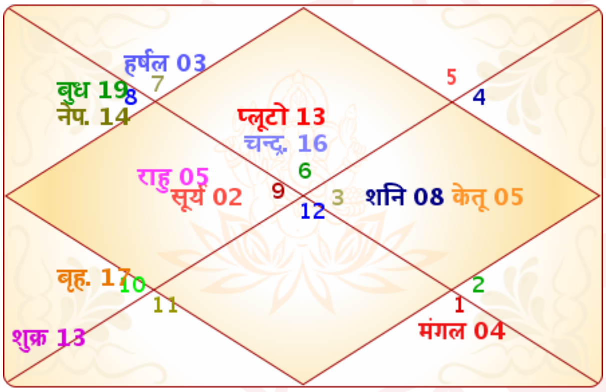


## चन्द्र कुण्डली

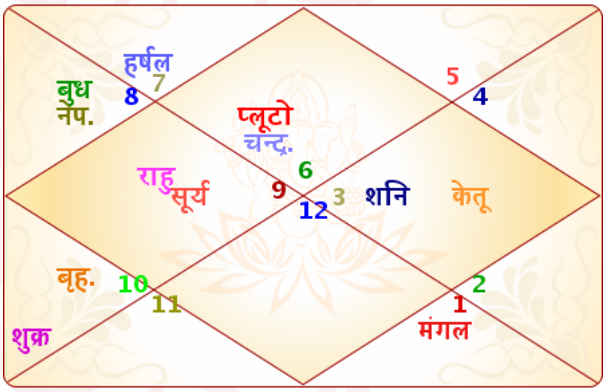


## लग्न कुण्डली ( वर्षफल )

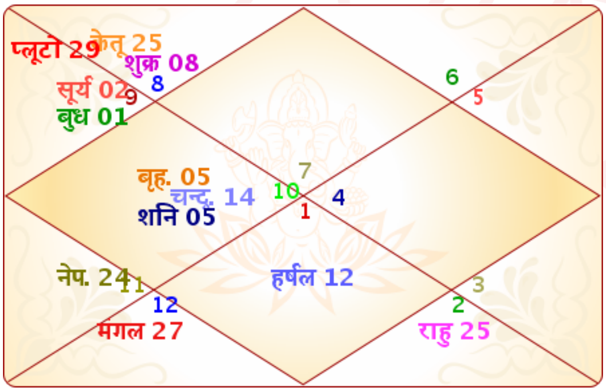


## चन्द्र कुण्डली ( वर्षफल )

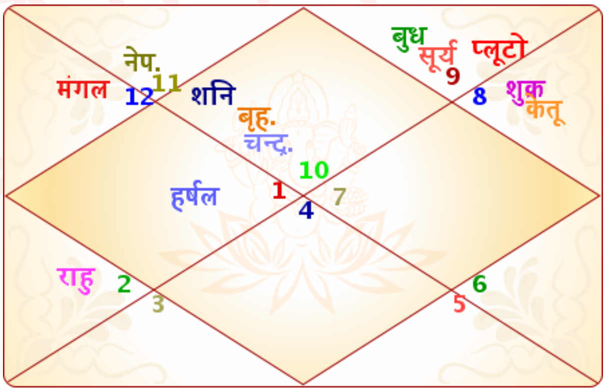

# वर्षफल कुण्डली में ग्रहों का बल

**Varhphal Years: 47 (2020-2021) Varhphal Date: 18:12:2020, Time: 02:54Hrs**

## पंचवर्गीय बल

| क्र0स0 | बल | रवि | चंद्र | मंगळ | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | क्षेत्र बल | 15.0 | 7.5 | 22.5 | 15.0 | 7.5 | 22.5 | 30.0 |
| 2 | उच्च बल | 5.81 | 7.93 | 13.37 | 11.56 | 0.06 | 4.62 | 11.56 |
| 3 | हद्दा बल | 7.5 | 11.25 | 15.0 | 7.5 | 7.5 | 15.0 | 7.5 |
| 4 | द्रेक्कन बल | 2.5 | 7.5 | 10.0 | 10.0 | 10.0 | 7.5 | 2.5 |
| 5 | नवांश बल | 1.25 | 3.75 | 3.75 | 1.25 | 1.25 | 2.5 | 5.0 |
| | योग | 8.02 | 9.48 | 16.16 | 11.33 | 6.58 | 13.03 | 14.14 |
| | तुलनात्मक बल | साधारण | साधारण | पूर्णबली | बलशाली | साधारण | बलशाली | बलशाली |

## द्वादश वर्गीय बल

| क्र0स0 | बल | रवि | चंद्र | मंगळ | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | राशि बल | 0 | 0 | -1 | 0 | 0 | -1 | +2 |
| 2 | होरा बल | +2 | +2 | 0 | 0 | 0 | -1 | 0 |
| 3 | द्रेक्कन बल | 0 | -1 | +2 | 0 | 0 | -1 | +2 |
| 4 | चतुर्थांशं बल | 0 | -1 | -1 | 0 | 0 | -1 | +2 |
| 5 | पंचमाशं बल | 0 | 0 | -1 | 0 | -1 | -1 | -1 |
| 6 | षष्टाशं बल | 0 | 0 | -1 | 0 | -1 | -1 | -1 |
| 7 | सप्तमाशं बल | 0 | -1 | -1 | 0 | 0 | -1 | 0 |
| 8 | अष्टमाशं बल | 0 | +2 | -1 | 0 | -1 | +2 | -1 |
| 9 | नवाशं बल | 0 | -1 | -1 | 0 | 0 | 0 | +2 |
| 10 | दसाशं बल | 0 | 0 | 0 | 0 | -1 | 0 | -1 |
| 11 | एकादसाशं बल | 0 | 0 | -1 | 0 | +2 | -1 | 0 |
| 12 | द्ववादशाशं बल | 0 | 0 | -1 | 0 | +2 | -1 | 0 |
| | योग | +2 | 0 | -7 | 0 | 0 | -7 | +4 |
| | तुलनात्मक बल | साधारण | सम | बहुत बुरा | सम | सम | बहुत बुरा | अच्छा |

## हर्ष बल

| क्र0स0 | बल | रवि | चंद्र | मंगळ | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | स्थान बल | 0.0 | 0.0 | 5.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 |
| 2 | क्षेत्र बल | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 5.0 |
| 3 | ओज–युग्म बल | 0.0 | 0.0 | 5.0 | 5.0 | 5.0 | 5.0 | 0.0 |
| 4 | दिवा–रात्रि बल | 0.0 | 5.0 | 0.0 | 5.0 | 0.0 | 5.0 | 5.0 |
| | योग | 0 | 5 | 10 | 10 | 5 | 10 | 10 |
| | तुलनात्मक बल | निर्बबली | अल्पबली | मध्यबली | मध्यबली | अल्पबली | मध्यबली | मध्यबली |

# द्वादश वर्ग कुण्डली

लग्न कुण्डली

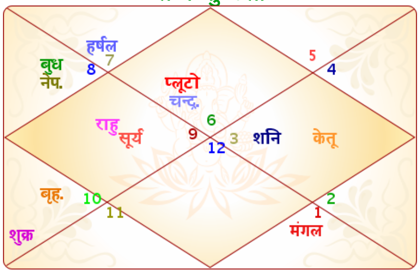


होरा कुण्डली

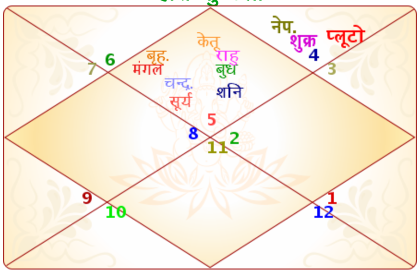


द्रेष्काण कुण्डली

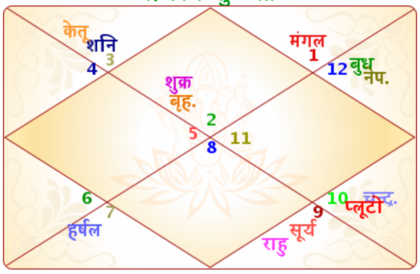


चतुर्थांश कुण्डली

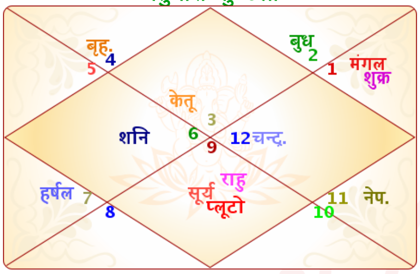


पंचमांश कुण्डली

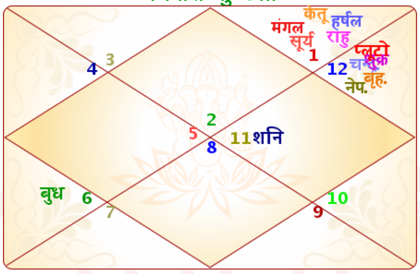


षष्टमांश कुण्डली

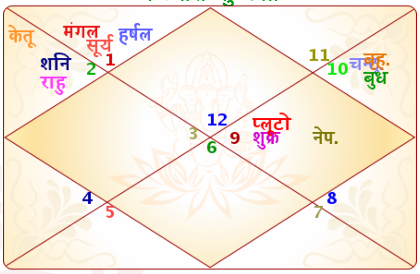


सप्तमांश कुण्डली

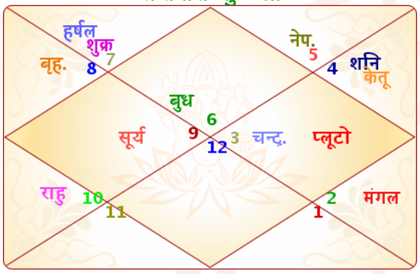


अष्टमांश कुण्डली

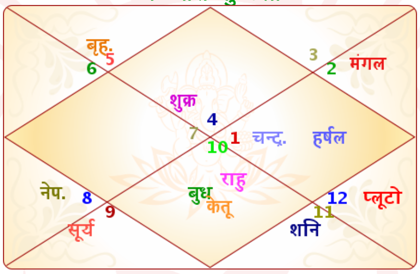


नवांश कुण्डली

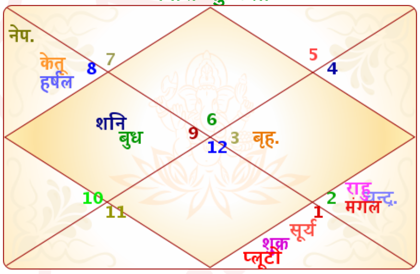


चर्तुविशांश कुण्डली

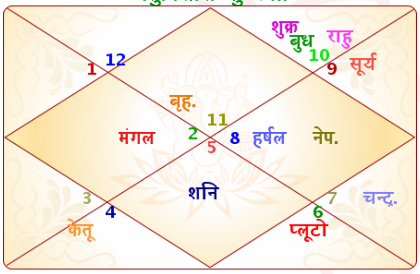


एकादशांश कुण्डली

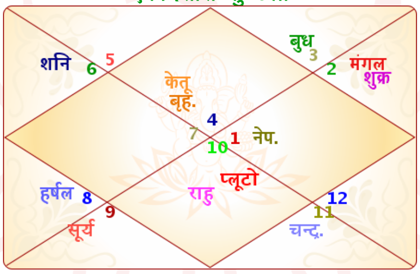


द्वादशांश कुण्डली

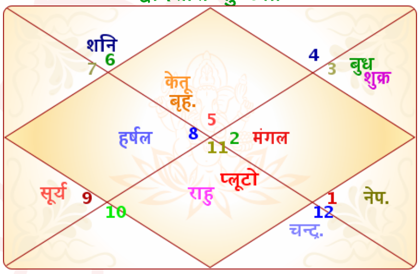


## वर्षफल कुण्डली में ग्रहों की दृष्टि

| | रवि | चंद्र | मंगळ | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहू | केतु |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रवि | .... | सम | गु.शत्रु | प्र.शत्रु | सम | सम | सम | सम | सम |
| चंद्र | सम | .... | गु.प्रेम | सम | प्र.शत्रु | गु.प्रेम | प्र.शत्रु | प्र.प्रेम | गु.प्रेम |
| मंगळ | गु.शत्रु | गु.प्रेम | .... | गु.शत्रु | गु.प्रेम | प्र.प्रेम | गु.प्रेम | गु.प्रेम | प्र.प्रेम |
| बुध | प्र.शत्रु | सम | गु.शत्रु | .... | सम | सम | सम | सम | सम |
| गुरु | सम | प्र.शत्रु | गु.प्रेम | सम | .... | गु.प्रेम | प्र.शत्रु | प्र.प्रेम | गु.प्रेम |
| शुक्र | सम | गु.प्रेम | प्र.प्रेम | सम | गु.प्रेम | .... | गु.प्रेम | प्र.शत्रु | प्र.शत्रु |
| शनि | सम | प्र.शत्रु | गु.प्रेम | सम | प्र.शत्रु | गु.प्रेम | .... | प्र.प्रेम | गु.प्रेम |
| राहू | सम | प्र.प्रेम | गु.प्रेम | सम | प्र.प्रेम | प्र.शत्रु | प्र.प्रेम | .... | प्र.शत्रु |
| केतु | सम | गु.प्रेम | प्र.प्रेम | सम | गु.प्रेम | प्र.शत्रु | गु.प्रेम | प्र.शत्रु | .... |

प्र.प्रेमः–प्रकट प्रेम दृष्टि ,गु.प्रेमः–गुप्त प्रेम दृष्टि ,प्र.शत्रुः–प्रकट शत्रु दृष्टि ,गु.शत्रुः–गुप्त शत्रु दृष्टि ,समः–सम दृष्टि ,

Varhphal Years: 47 (2020-2021)  Varhphal Date: 18:12:2020, Time: 02:54Hrs

| मुद्दा योगिनी दशा | | | मुद्दा षोडशोत्तरी दशा | | |
|---|---|---|---|---|---|
| दशा | अवधि | से | दशा | अवधि | से |
| मंगला (चन्द्रमा) | 0.0 y.0.0 m.10 d. | 18:12:2020 | मंगल | 0.0 y.1.0 m.8 d. | 18:12:2020 |
| पिगंला (सूर्य) | 0.0 y.0.0 m.20 d. | 28:12:2020 | गुरु | 0.0 y.1.0 m.11 d. | 24:01:2021 |
| धान्य (वृहस्पति) | 0.0 y.1.0 m.0 d. | 17:01:2021 | रवि | 0.0 y.1.0 m.5 d. | 06:03:2021 |
| भ्रमरि (मंगल) | 0.0 y.1.0 m.10 d. | 16:02:2021 | मंगल | 0.0 y.1.0 m.8 d. | 10:04:2021 |
| भभद्रिका (बुध) | 0.0 y.1.0 m.21 d. | 29:03:2021 | गुरु | 0.0 y.1.0 m.11 d. | 18:05:2021 |
| उल्का (शनि) | 0.0 y.2.0 m.0 d. | 19:05:2021 | शनि | 0.0 y.1.0 m.14 d. | 28:06:2021 |
| सिद्धा (शुक्र) | 0.0 y.2.0 m.11 d. | 19:07:2021 | केतु | 0.0 y.1.0 m.17 d. | 11:08:2021 |
| संकटा (शनि) | 0.0 y.2.0 m.20 d. | 28:09:2021 | चंद्र | 0.0 y.1.0 m.20 d. | 27:09:2021 |

## पत्ययनी दशा

| क्र0स0 | दशा | अवधि | से |
|---|---|---|---|
| 1 | बुध | 0.0 y.0.0 m.14 d. | 18:12:2020 |
| 2 | रवि | 0.0 y.0.0 m.17 d. | 31:12:2020 |
| 3 | गुरु | 0.0 y.1.0 m.13 d. | 17:01:2021 |
| 4 | शनि | 0.0 y.0.0 m.6 d. | 28:02:2021 |
| 5 | शुक्र | 0.0 y.1.0 m.6 d. | 06:03:2021 |
| 6 | लग्न | 0.0 y.2.0 m.3 d. | 10:04:2021 |
| 7 | चंद्र | 0.0 y.0.0 m.12 d. | 13:06:2021 |
| 8 | मंगल | 0.0 y.5.0 m.24 d. | 25:06:2021 |

## मुद्दा विंशोत्तरी दशा

| क्र0स0 | दशा | अवधि | से |
|---|---|---|---|
| 1 | राहू | 0.0 y.1.0 m.24 d. | 18:12:2020 |
| 2 | गुरु | 0.0 y.1.0 m.19 d. | 10:02:2021 |
| 3 | शनि | 0.0 y.1.0 m.27 d. | 31:03:2021 |
| 4 | बुध | 0.0 y.1.0 m.21 d. | 28:05:2021 |
| 5 | केतु | 0.0 y.0.0 m.21 d. | 19:07:2021 |
| 6 | शुक्र | 0.0 y.2.0 m.0 d. | 09:08:2021 |
| 7 | रवि | 0.0 y.0.0 m.19 d. | 09:10:2021 |
| 8 | चंद्र | 0.0 y.1.0 m.0 d. | 27:10:2021 |
| 9 | मंगल | 0.0 y.0.0 m.21 d. | 26:11:2021 |

## वर्ष जैमिनी चर दशा

| क्र0स0 | दशा | अवधि | से |
|---|---|---|---|
| 1 | तुला | 0.0 y.0.0 m.4 d. | 18:12:2020 |
| 2 | वृश्चिक | 0.0 y.0.0 m.15 d. | 21:12:2020 |
| 3 | धनु | 0.0 y.0.0 m.4 d. | 05:01:2021 |
| 4 | मकर | 0.0 y.1.0 m.15 d. | 09:01:2021 |
| 5 | कुंभ | 0.0 y.1.0 m.11 d. | 23:02:2021 |
| 6 | मीन | 0.0 y.1.0 m.8 d. | 06:04:2021 |
| 7 | मेष | 0.0 y.1.0 m.11 d. | 13:05:2021 |
| 8 | वृष | 0.0 y.1.0 m.8 d. | 24:06:2021 |
| 9 | मिथुन | 0.0 y.1.0 m.8 d. | 31:07:2021 |
| 10 | कर्क | 0.0 y.1.0 m.8 d. | 07:09:2021 |
| 11 | सिंह | 0.0 y.1.0 m.0 d. | 15:10:2021 |
| 12 | कन्या | 0.0 y.1.0 m.4 d. | 14:11:2021 |

# पत्ययनी दशाफल

**Varhphal Years: 47 (2020-2021) Varhphal Date: 18:12:2020, 02:54Hrs**

## बुध दशा

**18:12:2020-30:12:2020**

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, बुध नीचस्थ है या अस्त अथवा ग्रसित होने के कारण दूषित है। यह एक अनुकूल योग नहीं है। बुध की दशा आपके लिए अच्छी अवधि नहीं हो सकती है। अतः आपको सावधान व सचेत रहना चाहिए एवं अपने स्वास्थ्य का उचित ध्यान रखना चाहिए। आप कफमय एवं वातमय रोगों से पीड़ित हो सकते हैं। इस अवधि के दौरान किसी भी महत्वपूर्ण कार्य की शुरूआत अथवा किसी लम्बी यात्रा के लिए प्रस्थान करना अधिक फलदायक नहीं हो सकता है। आपके कार्यस्थल की स्थिति कुछ–कुछ बिगड़ सकती है एवं अपने किसी सहकर्मी से विवाद होने के कारण आप चिड़चिड़े हो सकते हैं।

## रवि दशा

**31:12:2020-16:01:2021**

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, सूर्य उपचय भाव (तीसरे या छठें या दसवें या ग्यारहवें) में स्थित है। यह नीचस्थ अथवा राहु (या केतु) के निकट स्थित नहीं है। यह एक अनुकूल योग है एवं सूर्य की दशा आपके लिए उपयोगी व लाभदायक साबित होगी। आप अपने सभी प्रयासों में सफल होंगे एवं इस अवधि के दौरान कुछ विशेष उपलब्धि हासिल करेंगे। वरिष्ठ अधिकारी एवं सरकारी कर्मचारी आपके प्रति अनुकूल होंगे एवं आपको उनसे समर्थन व लाभ प्राप्त हो सकता है।

## गुरु दशा

**17:01:2021-27:02:2021**

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, गुरु नीचस्थ है या अस्त अथवा ग्रसित होने के कारण दूषित है। यह एक अनुकूल योग नहीं है। गुरु की दशा आपके लिए अच्छी अवधि नहीं हो सकती है। अतः आपको सावधान व सचेत रहना चाहिए एवं अपने स्वास्थ्य का उचित ध्यान रखना चाहिए। आपके कुछ पारिवारिक सदस्य– विशेषकर आपकी संतान– संभवतः कफमय रोगों से पीड़ित हो सकते हैं। अथाव आर्थिक परेशानी के कारण आप अपने वचनों को पूरा करने में कठिनाई का सामना कर सकते हैं। इस अवधि के दौरान किसी भी महत्वपूर्ण कार्य की शुरूआत करना अथवा किसी लम्बी यात्रा के लिए प्रस्थान करना अधिक फलदायक नहीं हो सकता है।

## शनि दशा

**28:02:2021-05:03:2021**

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, शनि उच्चस्थ अथवा अपनी राशि में स्थित है एवं यह अस्त या ग्रसित होने से दूषित नहीं है। शनि की दशा के दौरान आप अनेक मामलों में भाग्यशाली होंगे। आपको नए परिचितों एवं विदेशी स्रोतों से लाभ व समर्थन प्राप्त होगा। आपका परिचय कुछ दुष्ट प्रवृत्ति के लोगों के साथ हो सकता है, जिसके कारण आपके शत्रु पूर्णतः परास्त होंगे। आपकी आय में वृद्धि होगी एवं आपके स्तर में सुधार होगा। आपमें संतोष की भावना विकसित होगी, किन्तु अपने प्रयुक्त किए जाने वाले साधनों/उपायों पर आपको नजर रखना

चाहिए। साथी आपको सावधान व सतक्र रहना चाहिए, क्योंकि आपके किसी दुर्घटना का सामना करने और/या वातमय रोगों से पीड़ित होने का खतरा है।

## शुक्र दशा

**06:03:2021-09:04:2021**

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, शुक्र उच्चस्थ या नीचस्थ या अपनी राशि में स्थित नहीं है एवं यह ग्रसित या अस्त नहीं है। समग्र रूप से ये एक उदासीन योग का निर्माण करते है। अतः शुक्र की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना/अवसर के होगी। सामान्यतः आपके सभी मामलें भली भांति चलेंगे। आपके पेशे के क्षेत्र में चीजें बहुत सहजतापूर्ण ढंग से होंगी। अपने सगे–संबंधियों व मित्रों की संगति में बिताने के लिए आप कुछ खाली समय निकालने में सक्षम होंगे। आपका घरेलू जीवन आनन्दपूर्ण व सुखमय होगा।

## लग्न दशा

**10:04:2021-12:06:2021**

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, लग्नेश उच्चस्थ अथवा अपनी राशि में अथवा नीचस्थ नहीं है। किन्तु यह वक्री या अस्त या ग्रसित नहीं है। समग्र रूप से ये एक उदासीन योग का निर्माण करते हैं। अतः लग्न की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना या अवसर के होगी। हालांकि आपके कार्यस्थल की स्थिति कुछ हद तक बिगड़ सकती है। यद्यपि सामान्य लोग आपके साथ सम्मानपूर्ण व्यवहार करेंगे, फिर भी आपके वरिष्ठ/अधिकारी आपको दबाने का प्रयास कर सकते हैं एवं तक्रसंगत रूप से आपको मिलने वाला श्रेय किसी और को दे सकते हैं। या फिर आपको अन्यायपूर्वक बहुत छोटी अथवा बिना किसी गलती के दोषी ठहराया जा सकता है।

## चंद्र दशा

**13:06:2021-24:06:2021**

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, सूर्य उच्चस्थ या नीचस्थ या अपनी राशि में स्थित नहीं है एवं यह ग्रसित या अस्त भी नहीं है। अतः चंद्रमा की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना/समारोह के होगी। हालांकि आप अपने घरेलू क्षेत्र में कुछ समस्याओं का सामना कर सकते हैं। आपके कुछ पारिवारिक–सदस्य क्रोधपूर्ण ढंग से बात व व्यवहार कर सकते हैं, जिसके कारण आप काफी चिड़चिड़े व अप्रसन्न हो सकते हैं।

## मंगल दशा

**25:06:2021-17:12:2021**

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, मंगल उपचय भाव (तीसरे या छठें या दसवें या ग्यारहवें) में स्थित है। यह नीचस्थ अथवा अस्त या ग्रसित होने के कारण दूषित नहीं है। वास्तव में यह एक अनुकूल योग है एवं सूर्य की दशा आपके लिए उपयोगी व लाभदायक साबित होगी। आप अपने सभी प्रयासों में सफल होंगे एवं इस अवधि के दौरान कुछ विशेष उपलब्धि हासिल करेंगे। वरिष्ठ एवं सरकारी अधिकारी आपके प्रति अनुकूल होंगे एवं

आपको उनसे समर्थन व लाभ प्राप्त हो सकता है।